@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 15 मार्च 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 105 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बिहार में एनडीए के सीट बंटवारे की घोषणा आज

पटना, 14 मार्च। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अचानक पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से मिलने उनके आवास पर पहुंच गए। दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। इसके बाद यह बात सामने आई कि बिहार की 40 सीटों में कितनी और किन सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के किस दल के प्रत्याशी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, यह शुक्रवार को पता चल जाएगा। मुलाकात के बाद जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन मीडिया के सामने आए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हमलोग बिना किसी शर्त के एनडीए के साथ हैं। हमलोग सम्मान के साथ एनडीए में हैं। और बिहार में 40 के 40 सीट पर एनडीए की जीत होगी। सीट शेयरिंग के सवाल पर उन्होंने कहा कि शुक्रवार तक इसके बारे में पता चल जाएगा। संतोष कुमार सुमन ने कहा कि एनडीए घटक के नेता जीतन राम मांझी से मिलने के लिए सम्राट चौधरी आए थे। आगामी चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। कहीं कोई नाराजगी नहीं है। जीतन राम मांझी जी का 40 साल से राजनीति में हैं। सब लोग मिलने आते हैं। जब से हमलोग एनडीए के साथ हैं तब से नित्यानंद राय और अन्य वरीय नेता आते रहे हैं। इसका कहीं कोई मतलब नहीं निकाला जाए। हमलोग पहले से कहते आ रहे हैं कि हमलोग एनडीए के साथ हैं। क्या होगा नहीं होगा यह मायने नहीं रखता है। हमलोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सारा कुछ छोड़ दिया है। इतना विश्वास दिलाते हैं सम्मान हमलोगों का रखा जाएगा।

पीएम मोदी ने दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर का किया शिलान्यास

सिम्मी कौर बब्बर

दिल्ली, 14 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली में दो नए मेट्रो कॉरिडोर का शिलान्यास किया। दिल्ली में बनने वाले दोनों कॉरिडोर में से एक कॉरिडोर लाजपत नगर से साकेत जी-ब्लॉक तक और दूसरा इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ तक होगा। इन पर 8400 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बता दें कि कल यानी बुधवार को ही केंद्रीय कैबिनेट ने दिल्ली में दो नए मेट्रो कॉरिडोर को मंजूर दी है। केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक के बाद बुधवार को केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि लाजपत नगर से साकेत जी-ब्लॉक के बीच पहला कॉरिडोर होगा, जिसकी लंबाई 8.4 किलोमीटर होगी। वहीं, दूसरा कॉरिडोर इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ के बीच होगा जिसकी लंबाई 12.4 किलोमीटर होगी। इन दोनों कॉरिडॉर का काम मार्च 2029 तक पूरा कर लिया जाएगा। दिल्ली मेट्रो के फेज चार के दो नए कॉरिडोर को मंजूरी मिलने से दिल्लीवासियों के लिए आवाजाही और सुगम हो जाएगी। दोनों कॉरिडोर को मंजूरी मिलने का कई वर्षों से लोगों इंतजार था। दोनों कॉरिडोर से दिल्ली के अंदर के यातायात कनेक्टिविटी को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। दोनों कॉरिडोर के बन जाने से मेट्रो से दक्षिणी, पुरानी, मध्य और पूर्वी दिल्ली जाना-आना बेहद सुलभ हो जाएगा। इससे लाखों लोगों को लाभ मिलेगा। लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर से लोगों को राहत मिलने के

साथ बाजार को भी फायदा होगा। लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो फेज-चार का एक हिस्सा है। यह कॉरिडोर लाजपत नगर को साकेत जी ब्लॉक से जोड़ेगा। यह लाइन पूरी तरह से एलिवेटेड होगी और इसमें कुल आठ मेट्रो स्टेशन होंगे। इस रूट के बन जाने के बाद दक्षिणी दिल्ली के भीतर कनेक्टिविटी और अधिक बढ़ जाएगी। लाजपत नगर बाजार दिल्ली के प्रमुख बाजारों में से एक है। इस कॉरिडोर की कुल लंबाई 8.385 किलोमीटर होगी। इसमें कोई भी अंडरग्राउंड स्टेशन नहीं होगा। 8 स्टेशनों में से 4 स्टेशन जिसमें लाजपत नगर, विनोबापुरी, चिराग दिल्ली, साकेत जी ब्लॉक इंटरचेंज स्टेशन होंगे। इस रूट पर सिल्वर, मैजेंटा, पिंक और वॉयलेट लाइन की कनेक्टिविटी होगी। लाजपत नगर, विनोबापुरी, चिराग दिल्ली और साकेत जी ब्लॉक के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। यह लाइन दिल्ली मेट्रो नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगी और शहर में यातायात की भीड़ को कम करने में मदद करेगी। इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर ग्रीन लाइन का विस्तार है। ग्रीन लाइन के एक्सटेंशन के साथ ही इस रूट पर रेड, येलो, एयरपोर्ट लाइन, मैजेंटा, वॉयलेट और ब्लू लाइनों के साथ इंटरचेंज की सुविधा होगी। इस रूट के विस्तार के साथ ही यात्रियों को इंटरचेंज स्टेशनों के और भी अधिक विकल्प मिल जाएंगे। इस कॉरिडोर में 11.349 किमी अंडरग्राउंड लाइन होगी और 1.028 किमी एलिवेटेड लाइन होगी, जिसमें 10 स्टेशन शामिल हैं। यह लाइन हरियाणा के बहादुरगढ़ क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

सपा का खेल बिगाड़ेगी बसपा की चाल

लखनऊ, 14 मार्च। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ने वाली बसपा ने 10 सीटों पर जीत हासिल की थी। संसद पहुंचने वाले उसके 10 सांसदों में तीन मुस्लिम थे। इस बार बसपा की रणनीति सपा-कांग्रेस गठबंधन को नुकसान पहुंचाने के संकेत दे रही है। पश्चिमी यूपी की मुस्लिम बहुल सीटों पर पार्टी ने इसी रणनीति के तहत प्रत्याशियों की घोषणा करनी शुरू कर दी है। अब तक घोषित किए गए उसके सात प्रत्याशियों में से पांच मुस्लिम हैं। हैरानी की बात यह है कि बसपा अपने किसी भी मौजूदा सांसद को टिकट देने के मूड में नहीं दिख रही है। फिलहाल पार्टी के साथ अपनी आस्था जताने वाले बिजनौर से सांसद मलूक नागर की जगह विजेंद्र सिंह को प्रत्याशी घोषित किया गया है। उनका मुकाबला रालोद के चंदन चौहान से होगा। यानी यहां जाट और गुर्जर मैदान में हैं, कांग्रेस-सपा का प्रत्याशी घोषित होना बाकी है। कांग्रेस के खेमे में जा रहे अमरोहा के सांसद दानिश अली की जगह डॉ. मुजाहिद हुसैन को प्रत्याशी बनाया गया है। सहारनपुर के बसपा सांसद हाजी फजलुर्रहमान को कांग्रेस टिकट दे सकती है, लिहाजा बसपा ने माजिद अली को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। वहीं, पश्चिमी यूपी की मुजफ्फरनगर सीट पर दारा सिंह प्रजापति को बसपा ने प्रत्याशी घोषित किया है। इसी तरह मुरादाबाद में इरफान सैफी को, तो पीलीभीत में अनीस अहमद खां को प्रत्याशी घोषित किया गया है। कन्नौज सीट पर अकील अहमद पट्टा को प्रत्याशी बनाया गया है।

सरकार ने पहले से तय कर रखे हैं चुनाव आयुक्तों के नाम: अधीर रंजन चौधरी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 14 मार्च। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए आज नई दिल्ली में 7, लोककल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास में बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री के अलावा केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भी शामिल हुए। बैठक के बाद अधीर रंजन चौधरी ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि सरकार ने पहले से ही चुनाव आयुक्तों के नाम तय कर रखे थे। अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि सुखबीर संधू और ज्ञानेश कुमार के नाम पर मुहर लगी है। जल्द ही आधिकारिक रूप से नए चुनाव आयुक्तों के नामों का एलान हो सकता है। पूर्व चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय के रिटायरमेंट और अरुण गोयल के बीते दिनों इस्तीफे की वजह से चुनाव आयोग में दो चुनाव आयुक्तों के पद खाली हैं। इन्हीं पदों पर नियुक्ति के लिए आज प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने

कहा कि सरकार जिसे चाहेगी, वो ही चुनाव आयुक्त बनेंगे। अधीर रंजन चौधरी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि समिति में सरकार के पास बहुमत है और इस वजह से सरकार अपने पसंद के नाम तय कर सकती है। भारत जैसे लोकतंत्र में इतने बड़े पद पर नियुक्ति इस तरीके से नहीं होनी चाहिए। मुझे बैठक से 10 मिनट पहले छह नाम दिए गए, ऐसे में, मैं इतने कम समय में क्या बताऊंगा? बैठक से पहले बुधवार को अधीर रंजन चौधरी ने कानून मंत्रालय को पत्र लिखकर सूची में शामिल उम्मीदवारों के दस्तावेजों और उनके बारे में जानकारी मांगी थी। आज अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि उन्हें कल 212 नाम दिए गए और आज बैठक से 10 मिनट पहले छह नाम तय किए गए, उनमें से दो को चुन लिया गया। गौरतलब है कि नए नियमों के मुताबिक चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक कैबिनेट मंत्री की सदस्यता वाली समिति करती है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति को कानून मंत्रालय द्वारा छह नामों की लिस्ट सौंपी गई, जिनमें से दो नामों का एलान हो सकता है। समिति के पास सुझाए गए नामों से अलग भी किसी अन्य अधिकारी की चुनाव आयुक्त के पद पर नियुक्ति करने का अधिकार है।

बोर्ड एग्जाम के दौरान उतारे गए छात्राओं के हिजाब

भरूच, 14 मार्च। गुजरात में एक निजी स्कूल में दसवीं कक्षा की परीक्षा देने वाली कुछ छात्राओं के अभिभावकों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र के प्रशासक ने उनके बच्चों को पेपर से पहले हिजाब हटाने के लिए मजबूर किया। अभिभावकों ने कहा कि यह घटना भरूच जिले के अंकलेश्वर शहर के एक निजी स्कूल में बुधवार को गणित के पेपर से पहले हुई। आरोप के बाद राज्य शिक्षा विभाग ने गुरुवार को परीक्षा केंद्र प्रशासक इला बेन सुरतिया को हटाने के आदेश दिए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी स्वाति रावल ने इन छात्राओं के माता-पिता से मुलाकात के बाद कार्रवाई की। गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (जीएसएचएसईबी) ने यह स्पष्ट कर दिया कि परीक्षार्थियों द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों के बारे में कोई विशेष नियम नहीं हैं और वे किसी भी सभ्य पोशाक में परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। पत्रकारों से बातचीत करते हुए एक अभिभावक ने कहा कि स्कूल के प्रिंसिपल और अन्य स्टाफ ने परीक्षा से पहले हिजाब उतारने के लिए कहकर मेरी बेटी समेत सभी छात्राओं को परेशान किया। मेरी बेटी घर लौटने के बाद तीन घंटे तक रोती रही। हम चाहते हैं कि प्रशासन इस घटना के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे। जीएसएचएसईबी ने स्कूल को परीक्षा केंद्रों में से एक के रूप में चुना गया है। नियमों के मुताबिक, प्रत्येक कक्षा की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग होना अनिवार्य है, जहां छात्र अपने परीक्षा पत्र लिखते हैं। माता-पिता ने मुताबिक, उनके पास मौजूद सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि कुछ महिला पर्यवेक्षकों ने दो मुस्लिम छात्राओं से उनके हिजाब हटाने के लिए कहा। इस दौरान उन्हें हिजाब इकट्ठा करते देखा जा सकता है।

कावेरी मुद्दे को लेकर भाजपा के आरोपों पर शिवकुमार का पलटवार

कौमी संवाददाता

बेंगलुरु, 14 मार्च। कावेरी नदी के पानी को लेकर सियासत जारी है। इस बीच, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भाजपा पर कावेरी नदी के पानी को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने भाजपा के इस आरोप कि सूखे का सामना कर रहा राज्य पड़ोसी तमिलनाडु को चोरी से कावेरी का पानी दे रही है, को खारिज कर दिया। बेंगलुरु में पत्रकारों से वार्ता करते हुए डीके शिवकुमार ने भाजपा के आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि यह एक राजनीतिक खेल है, जिसे भाजपा वाले खेल रहे हैं। यह पूरी तरह से झूठ है कि कोई पानी छोड़ा गया है या छोड़ा जाना है। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने कर्नाटक सरकार पर आरोप लगाया था कि राज्य की कांग्रेस सरकार तमिलनाडु को चोरी-छिपे कावेरी का पानी छोड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा था कि सिद्धारमैया सरकार तब ऐसा कर रही है जबकि उनके राज्य के कई हिस्से पानी

की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। भाजपा ने कहा था कि सिद्धारमैया सरकार के ऐसा करने के पीछे उसकी राजनीतिक मजबूरी है। क्योंकि वहां सत्तारूढ़ द्रमुक विपक्षी इंडिया गुट का हिस्सा है। भाजपा नेताओं के इन आरोपों पर डीके शिवकुमार ने पलटवार किया। उन्होंने भाजपा नेताओं को याद दिलाते हुए कहा कि उन्होंने ही रामानगर जिले के कनकपुरा तालुक में मेकेदातु में कावेरी नदी पर एक संतुलन जलाशय की मांग करते हुए मेकेदातु परियोजना के लिए पदयात्रा निकाली थी। इस दौरान डीके शिवकुमार ने राज्य के कई हिस्सों में पानी की कमी को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि जहां तक बेंगलुरु की बात है कि वहां पानी का संकट है, तो ऐसा नहीं है। वहां केवल सात हजार बोरवेल सूख गए हैं। इसके लिए हमने वैकल्पिक वयवस्था बनाई है। उन्होंने कहा कि हमने जल स्रोत की पहचान की है और पानी के टैंकरों को अपने नियंत्रण में लिया है। अब इनसे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। गौरतलब है कि डीके शिवकुमार बेंगलुरु के विकास प्रभारी भी हैं। पत्रकारों से वार्ता के समय उन्होंने व्यापारिक प्रतिष्ठानों के साइनबोर्ड पर कन्नड़ भाषा के प्रयोग की समयसीमा को लेकर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि साइनबोर्ड में 60 प्रतिशत कन्नड़ भाषा के प्रयोग के संदर्भ में वह नहीं चाहते कि कोई भी कन्नड़ कार्यकर्ता कानून को अपने हाथ में लें। सरकार इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने व्यापारियों को समय दिया है ताकि नियम को पूरी तरह से लागू किया जा सके। जहां तक सरकार द्वारा दी गई समय-सीमा खत्म होने की बात है, व्यापारियों ने मुझसे इसे लेकर मुलाकात की है। हम इस बारे में विचार करेंगे कि कैसे इसे पूरा कराया जा सकता है।

हम झुकेंगे नहीं, लेकिन कांग्रेस ने क्यों साध ली चुप्पी: सीएम विजयन

तिरुवनंतपुरम, 14 मार्च। नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि यह कानून पूरी तरह से असंवैधानिक है। यह पूरी तरह से मानवाधिकारों के खिलाफ और भारत के विचार के लिए चुनौती है। कांग्रेस पर भी तीखा हमला करते हुए पिनाराई विजयन ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी इस मामले पर पूरी तरह से चुप है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीएम पिनाराई विजयन ने कहा कि सीएए धार्मिक भेदभाव को कानूनी वैधता दे रहा है, लेकिन कांग्रेस सीएए के खिलाफ संयुक्त मोर्चे से पीछे हट रही है। इसके अलावा, सीएम ने कहा कि कांग्रेस और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सीएए नियमों की हालिया अधिसूचना पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। सीएम पिनाराई विजयन ने कहा कि सीएए मुद्दे पर न तो झुकेंगे और न ही चुप रहेंगे। सीएए दिसंबर 2019 में पारित किया गया था और बाद में इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई, लेकिन इसके खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए। कई विपक्षी दलों ने कानून के खिलाफ बोलते हुए इसे भेदभावपूर्ण बताया। गौरतलब है कि बुधवार को नागरिक संशोधन अधिनियम(सीएए) के कार्यान्वयन के खिलाफ केरल में बढ़ते विरोध के बीच मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट ने बुधवार को अधिनियम के खिलाफ कानूनी कदम उठाने का फैसला लिया था। नागरिकता संशोधन विधेयक से अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई अवैध प्रवासियों को नागरिकता के लिए पात्र बनाने के लिए नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन किया गया है।

वन नेशन, वन इलेक्शन के समर्थन में 32 राजनीतिक पार्टियां

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 14 मार्च। वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर गठित उच्च स्तरीय समिति ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने 62 राजनीतिक पार्टियों से संपर्क किया, जिनमें से 47 पार्टियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। रिपोर्ट के अनुसार, 32 राजनीतिक पार्टियां एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में हैं, वहीं 15 पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। कांग्रेस, बसपा, आम आदमी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ने वन नेशन, वन इलेक्शन का विरोध किया है। वहीं भाजपा और नेशनल पीपल्स पार्टी ने इसका समर्थन किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन 32 राजनीतिक पार्टियों ने वन नेशन वन इलेक्शन योजना का समर्थन किया है, उनका कहना है कि इससे संसाधन बचेंगे और सामाजिक सद्भाव और आर्थिक विकास की भी सुरक्षा होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि जो पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं, उनका तर्क है कि यह संविधान के आधारभूत ढांचे का उल्लंघन कर सकता है। साथ ही यह अलोकतांत्रिक, गैर-संघीय कदम होगा, जिससे क्षेत्रीय पार्टियों को नुकसान होगा और राष्ट्रीय पार्टियों का प्रभुत्व बढ़ेगा। आप, कांग्रेस और सीपीआई(एम) ने वन नेशन, वन इलेक्शन के विचार को यह कहकर खारिज कर दिया

कि यह लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करेगा। साथ ही सीपीआई (एमएल) लिब्रेशन, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया, राजद, भारतीय समाज पार्टी, गोरखा नेशनल लिबरल फ्रंट, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) ने भी वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध किया है। बसपा ने इसका सीधे तौर पर विरोध नहीं किया है, लेकिन इसे लेकर कुछ चिंताएं साझा की हैं और कहा है कि इसे लागू करना भी काफी चुनौतीपूर्ण होगा। समाजवादी पार्टी ने कहा है कि अगर पूरे देश में एक साथ चुनाव होंगे तो उस स्थिति में क्षेत्रीय पार्टियां, चुनाव खर्च और चुनावी रणनीति के मामले में राष्ट्रीय पार्टियों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगी। इनके अलावा एआईयूडीएफ, टीएमसी, एआईएमआईएम, सीपीआई, डीएमके, नगा पीपल्स फ्रंट ने भी वन नेशन- वन इलेक्शन का विरोध किया है। भाजपा के अलावा जिन पार्टियों ने वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन किया है, उनमें एआईएडीएमके, ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन, अपना दल (सोनेलाल), असम गण परिषद, बीजू जनता दल, लोजपा (आर), मिजो नेशनल फ्रंट, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, शिवसेना, जनता दल (यूनाइटेड), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, शिरोमणि अकाली दल, यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल का नाम शामिल है।

संविधान बदलने के लिए भाजपा जीतना चाहती है 400 से ज्यादा सीट: उद्धव

मुंबई, 14 मार्च। आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर देश में सियासी सरगर्मियां तेज हैं। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया है वे इस लिए ऐसा कर रहे हैं क्योंकि वे संविधान को बदलना चाहते हैं। रत्नागिरि में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने एक देश-एक चुनाव प्रणाली का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह अवधारणा तानाशाही की ओर केंद्र का कदम है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। भाजपा चाहती है कि जब वे संविधान बदलने की अपनी योजना पर आगे बढ़ें तो एक भी विरोधी आवाज ना हो। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हालिया संसद सत्र के दौरान 100 से अधिक सांसदों को संसद से निलंबित कर दिया गया। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयक बिना बहस के पारित किए गए। अपने संबोधन में ठाकरे ने दावा किया कि आज की भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के समय से बहुत अलग है। इस दौरान उन्होंने 2022 में शिवसेना में फूट का जिक्र करते हुए कहा कि वह कभी भी मुख्यमंत्री बनने के इच्छुक नहीं थे, लेकिन असाधारण परिस्थितियों में इस पद को स्वीकार किया था। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा। ठाकरे ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के कल्याण के लिए काम कर रहा था। मैंने आपको मंत्री पद दिया और आपको विधानमंडल का सदस्य बनाया और आपने मुझे इस तरह से धोखा दिया। वहीं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने खुशहाल समाज के लिए युवा, महिलाएं, श्रमिक और किसानों के उत्थान को जरूरी बताया है। वह महाराष्ट्र के वर्धा जिले में सिंदरी ड्राई पोर्ट पर मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क का उद्घाटन करने और वहां रेल टर्मिनल सेवाओं की टेस्टिंग को हरी झंडी दिखाने के बाद बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हजारों ट्रक सिंदरी ड्राई पोर्ट पर पहुंचेंगे और माल पश्चिम बंगाल के हल्दिया के रास्ते बांग्लादेश को रेक पर भेजा जाएगा। ये ट्रक जेएनपीटी (जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट) नहीं जाएंगे। गडकरी ने कहा कि यह ड्राई पोर्ट लगभग 1 लाख नौकरियां और कई रोजगार और व्यापार के अवसर पैदा करेगा।

चुनाव आयोग को मिले दो नए आयुक्त, ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 14 मार्च। चुनाव आयोग में दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति हो गई है। इसके लिए गुरुवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास पर एक बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री के अलावा केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भी शामिल हुए। बैठक के बाद अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि सुखबीर संधू और ज्ञानेश कुमार के नाम पर मुहर लगी है। पूर्व चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय के सेवानिवृत्त होने और अरुण गोयल के बीते दिनों इस्तीफे की वजह से चुनाव आयोग में दो चुनाव आयुक्तों के पद खाली थे। आइये जानते हैं नए चुनाव आयुक्त सुखबीर संधू और ज्ञानेश कुमार के बारे में... ज्ञानेश कुमार 1988 बैच के केरल-कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं। उनका जन्म 1964 में उत्तर प्रदेश में हुआ था। मई 2016 में ज्ञानेश को गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव बनाया गया था। वहीं मई 2022 में ज्ञानेश कुमार को सहकारिता मंत्रालय का नया सचिव नियुक्त किया था। उस वक्त ज्ञानेश संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव

का प्रभार संभाल रहे थे। उन्होंने सहकारिता मंत्रालय सचिव के साथ-साथ संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव पद का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला था। ज्ञानेश कुमार के गृह मंत्रालय में नियुक्ति के दौरान ही अनुच्छेद-370 हटा था। उत्तराखंड के मुख्य सचिव रहे सुखबीर सिंह संधू भी नए चुनाव आयुक्त बनाए गए हैं। डॉ. सुखबीर सिंह संधू 1988 बैच उत्तराखंड काडर के आईएएस अधिकारी हैं। संधू मूल रूप से उत्तराखंड कैडर के अफसर हैं। संधू उत्तराखंड सरकार में कई अहम पदों पर रह चुके हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एसएएस संधू का लंबा प्रशासनिक अनुभव है। वह तेजतर्रार अफसरों में गिने जाते हैं। डॉ. संधू केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में अपर सचिव उच्च शिक्षा थे। वह 2011 तक पंजाब सरकार में प्रतिनियुक्ति पर रहे। वह ऊधमसिंह नगर जिले के पहले कलेक्टर भी रहे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री जनरल बीसी खंडूड़ी, विजय बहुगुणा और हरीश रावत के सचिव का दायित्व भी निभाया। बादल सरकार में वह मुख्यमंत्री के सचिव रहे। उत्तराखंड सरकार में उन्हें लोनिवि, कार्मिक, औद्योगिक विकास समेत कई महत्वपूर्ण विभागों का अनुभव रहा। मुख्यमंत्री बनने के बाद 2021 में पुष्कर सिंह धामी ने डॉ. सुखबीर सिंह संधू को उत्तराखंड का मुख्य सचिव बनाया था। डॉ. सुखबीर सिंह संधू दिल्ली में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। राज्य सरकार ने संधू की मूल कैडर में वापसी के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया था। संधू इससे पहले केंद्र में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण के चेयरमैन थे। 2019 में उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का दायित्व सौंपा गया था। उन्होंने उत्तराखंड के 17वें मुख्य सचिव के तौर पर कार्यभार संभाला।

LAC विवाद पर बदले चीन के सुर, बोला- भारत के साथ सीमा मुद्दे पर नहीं बिगड़ेंगे संबंध

भारत के साथ LAC विवाद पर चीन के सुर बदले नजर आ रहे हैं। चीन ने बुधवार को कहा कि चीन-भारत सीमा मुद्दा संपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का प्रतिनिधित्व...

बीजिंग. भारत के साथ LAC विवाद पर चीन के सुर बदले नजर आ रहे हैं। चीन ने बुधवार को कहा कि चीन-भारत सीमा मुद्दा संपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इसने गलतफहमी एवं गलत निर्णय से बचने÷के लिए दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास बढ़ाने का आह्वान किया। भारत कहता रहा है कि जब तक सीमावर्ती इलाकों में शांति नहीं होगी तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद द्विपक्षीय संबंध बहुत ही खराब हुए थे। गलवान का संघर्ष पिछले चार दशकों से अधिक समय में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।इस सप्ताह विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने टिप्पणी की थी कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के जमावड़े से हमारा कोई फायदा नहीं हुआ। इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि सीमा मुद्दे को द्विपक्षीय संबंधों में उचित रूप से रखा जाना चाहिए। वांग ने कहा, चीन ने कई बार इस बात पर जोर दिया है कि सीमा का सवाल संपूर्ण चीन-भारत संबंधों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, और इसे द्विपक्षीय संबंधों में उचित रूप से रखा जाना चाहिए और ठीक से संचालित किया जाना चाहिए।

जयशंकर ने सोमवार को 'एक्सप्रेस अड्डा पर एक चीनी राजनयिक के सवाल का जवाब देते हुए कहा था, मुझे लगता है

कि यह हमारे साझा हित में है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर इतनी अधिक सेना नहीं होनी चाहिए। जयशंकर ने कहा था, यह हमारे साझा हित में है कि हम उन समझौतों का पालन करें, जिन पर हमने हस्ताक्षर किए हैं और मेरा मानना है कि यह न सिर्फ हमारे, बल्कि चीन के भी साझा हित में है।उन्होंने कहा था, ÷पिछले चार वर्षों से हमने जो तनाव देखा है, उससे हम दोनों को कोई फायदा नहीं हुआ है। वांग ने अपने जवाब में कहा, चीन और भारत दोनों का मानना है कि चीन-भारत सीमा पर स्थिति का शीघ्र समाधान दोनों देशों के साझा हितों को पूरा करता है।उन्होंने कहा, ÷उम्मीद है कि दोनों पक्ष नेताओं के बीच आम समझ और राजनयिक तथा सैन्य माध्यम से संचार बनाए रखते हुए प्रासंगिक समझौतों की भावना का पालन करेंगे और प्रासंगिक सीमा मुद्दों का समाधान ढूंढेंगे, जिसे दोनों पक्षों द्वारा शीघ्र स्वीकार किया जा सके।÷ वांग ने कहा, हमें उम्मीद है कि भारत हमारे साथ समान दिशा में काम करेगा और द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई तथा दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखेगा। उन्होंने कहा कि चीन को उम्मीद है कि भारत भी उसी दिशा में काम करेगा जिस दिशा में चीन कर रहा है और द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक नजरिए से देखेगा।उन्होंने कहा, हमें आपसी विश्वास बढ़ाना चाहिए और गलतफहमी एवं ग़लत निर्णय से बचना चाहिए।

हमें बातचीत और सहयोग बढ़ाना चाहिए तथा बाधाएं खड़ी करने से बचना चाहिए। हमें मतभेदों को ठीक से दूर करना चाहिए और विवाद पैदा करने से बचना चाहिए। इस तरह, हम द्विपक्षीय संबंधों को विकास के मजबूत और स्थिर रास्ते पर ला सकेंगे। जब यह बताया गया कि जयशंकर की टिप्पणियों में पूर्वी लद्दाख में वर्तमान गतिरोध के समाधान का जिक्र है, जहां दोनों देशों ने हजारों सैनिकों को तैनात किया है, जबकि चीन ने समग्र सीमा मुद्दे का जिक्र किया है, तो वांग ने कहा दोनों चीजें स्वाभाविक तौर पर एक जैसी हैं।

कनाडा से अमेरिका में अवैध घुसपैठ करते तीन भारतीयों समेत 4 गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश कर रहे कम से कम तीन भारतीयों समेत चार लोगों को कनाडा सीमा से सटे एक स्थान से गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने एक महिला सहित चार लोगों को उस समय गिरफ्तार किया, जब वे बफेलो शहर में अंतरराष्ट्रीय रेलमार्ग पुल पर चलती मालगाड़ी से कूदे थे।चौथा शख्स डोमिनिकन गणराज्य का नागरिक है। पुलिस के करीब आते ही पुरुषों ने उस महिला को

छोड़ दिया जो घायल हो गई थी और वहां से फरार हो गए लेकिन पुलिस ने पुरुषों का पीछा करके उन्हें पकड़ लिया गया। घायल महिला को एरी काउंटी शेरिफ के अधिकारियों और अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा अधिकारियों (सीबीपी) ने प्राथमिक उपचार दिया।

इसके बाद महिला को एम्बुलेंस से स्थानीय चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। जांच से पता चला है कि इन चारों लोगों के पास कोई दस्तावेज़ नहीं थे। मीडिया को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि तीनों पुरुषों को बटाविया संघीय निरोध केंद्र में हिरासत में रखा गया है जहां वे निर्वासन की सुनवाई होने तक बंद रहेंगे।

चंद्र ग्रहण क्या है और क्यों लगता है? चांद पर इस दिन छा जाएगा अंधेरा, सूर्य ग्रहण से कैसे है अलग, जानें

वॉशिंगटन. चंद्र ग्रहण 25 मार्च को लगेगा। यह तारीख बेहद खास है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दिन होली है। लेकिन साथ ही 2024 का पहला चंद्र ग्रहण भी इसी दिन लगने जा रहा है। यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। ग्रहण का ज्योतिष में काफी महत्व माना जाता है। लेकिन हम इस लेख में ग्रहण को लेकर विज्ञान से जुड़ी बातें जानेंगे। जैसे चंद्र ग्रहण क्यों लगता है? चंद्र ग्रहण कैसे लगता है और चंद्र ग्रहण कितने तरह के होते हैं। सबसे पहले चंद्र ग्रहण क्या होता है इस बारे में जान लेते हैं।पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है। वहीं, चंद्रमा सूर्य के साथ-साथ पृथ्वी का चक्कर भी लगाता है। इस दौरान कई बार ऐसा होता है जब चंद्रमा और सूर्य के बीच में पृथ्वी आ जाती है। सूर्य की सीधी रोशनी को चंद्रमा तक पहुंचने से पृथ्वी रोक लेती है और पृथ्वी की परछाई चंद्रमा पर पड़ती है। इसी घटना को चंद्र ग्रहण कहा जाता है। इस दौरान चंद्रमा पूरी तरह आसमान में गायब नहीं हो जाता। बल्कि धरती से देखने पर यह लाल दिखाई देता है।

चांद क्यों होता है लाल?

पृथ्वी के वायुमंडल से टकराकर जाने वाली रोशनी के कारण चंद्रमा हमें लाल दिखाई देता है। धरती की परछाई भी इस दौरान दो प्रकार की होती है। एक होती है उम्ब्रा और दूसरी पेनुंब्रा। उम्ब्रा काफी गहरी परछाई होती है। वहीं पेनुंब्रा हल्की होती है। 25 मार्च के चंद्र ग्रहण के बाद सूर्य ग्रहण भी दिखाई देगा। 8 अप्रैल को सूर्य ग्रहण लगेगा। हालांकि यह भी भारत में नहीं दिखाई देगा। 8 अप्रैल को लगने वाला सूर्य ग्रहण एक पूर्ण ग्रहण होगा, जो अमेरिका में दिखेगा। सूर्य ग्रहण चंद्र ग्रहण से अलग होता है। क्योंकि इस दौरान पृथ्वी और सूर्य के बीच चंद्रमा आ जाता है। तब चंद्रमा की परछाई पृथ्वी पर पड़ती है।

चंद्र ग्रहण से जुड़े सवाल

चंद्र ग्रहण क्या है?

चंद्र ग्रहण एक खगोलीय घटना है जो पृथ्वी के सूर्य और चंद्रमा के बीच में आने से होती है।

चंद्र ग्रहण कैसे लगता है?

अंतरिक्ष में पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है। इस दौरान सूर्य की रोशनी चंद्रमा तक नहीं पहुंचती।

पाकिस्तान की संसद में जुल्फिकार भुट्टो के मृत्युदंड को पलटने वाला प्रस्ताव पारित

इस्लामाबाद. पाकिस्तान की संसद ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री एवं पीपीपी संस्थापक जुल्फिकार अली भुट्टो को दी गई मौत की सजा को पलटने की मांग की गई। भुट्टो को 1979 में जनरल मुहम्मद जिया-उल-हक के सैन्य शासन द्वारा फांसी दी गई थी। इससे पहले, छह मार्च को उच्चतम न्यायालय ने मामले की समीक्षा में सर्वसम्मत राय में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भुट्टो के मामले में निष्पक्ष सुनवाई नहीं हुई और उचित प्रक्रिया का पालन नहीं

किया गया।लाहौर उच्च न्यायालय ने 18 मार्च 1978 को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के संस्थापक सदस्यों में से एक अहमद रज़ा कसूरी की हत्या का आदेश देने के आरोप में भुट्टो को मौत की सजा सुनाई। 'जियो न्यूज की खबर के अनुसार, नेशनल असेंबली द्वारा अपनाए गए और पीपीपी की शाजिया मैरी द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में भुट्टो के मुकदमे और उन्हें दोषी ठहराए जाने को ''न्याय का घोर उल्लंघन माना गया।वर्ष 2011 में तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने ससुर भुट्टो को हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने और चार अप्रैल, 1979 को दी गई फांसी पर उच्चतम न्यायालय में फिर से विचार करने का अनुरोध किया था। जरदारी 10 मार्च को दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए।

दुनिया का सबसे खतरनाक देश बना हैती, जानें कैसे हथियारबंद गिरोह ने किया कब्जा, पीएम को देना पड़ा इस्तीफा

पोर्ट-ओ-प्रिंस. कैरिबियाई देश हैती एक बार फिर से सुर्खियों में है। राजधानी पोर्ट-ओ -प्रिंस समेत देश भर में खूनी गैंगवार जारी है। पिछले कुछ सप्ताह से भड़की हिंसा के दौरान हथियारबंद गैंग्स के समूहों ने देश की राजधानी में पुलिस स्टेशन, जेल और अन्य स्थानों पर हमला कर शहर को व्यवस्था को हिला दिया है। देश किस कदर से हिंसा की चपेट में हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि अमेरिकी दूतावास के कर्मचारियों को एयरलिफ्ट कर बाहर निकालना पड़ा। गैंगवार का नतीजा रहा कि देश को संकट से निकालने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते हैती के प्रधानमंत्री एरिएल हेनरी ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया।

गृहयुद्ध की तरफ बढ़ता हैती

प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद भी देश में स्थिरता लौटने की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। प्रधानमंत्री हेनरी के जाने के बाद भी देश में गैंगवार में कमी नहीं आई है। राजधानी का 80 प्रतिशत हिस्सा इन गैंग्स के कब्जे में है। इस बात पर कोई सहमति नहीं बन पाई है कि अगली सरकार कौन बनाएगा। ऐसे में देश गृहयुद्ध की चपेट में जाता दिखाई दे रहा है।

श्रीलंका में पर्यटक वीजा पर अवैध रूप से कार्य करने के लिए 21 भारतीय गिरफ्तार

नेशनल डेस्क. श्रीलंकाई अधिकारियों ने पर्यटक वीजा नियमों का उल्लंघन करके देश में अवैध रूप से कंप्यूटर संचालित व्यवसाय करने के आरोप में 21 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ आव्रजन अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि पर्यटक वीजा पर श्रीलंका आए 24 से 25 वर्ष की आयु के 21 लोगों को आव्रजन व प्रवासन विभाग ने मंगलवार को हिरासत में लिया।प्रारंभिक जांच के बाद, विभाग ने नेगोंबो शहर में

किराए के घर पर छापा मारा, जहां गिरफ्तार किए गए लोग कंप्यूटर संचालित व्यवसाय करते पाए गए। अधिकारी ने कहा, उन्होंने एक घर किराए पर लिया था और कुछ कंप्यूटर-संचालित व्यवसाय करते थे। उनके व्यवसाय की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा, हमने उन्हें वेलिसारा हिरासत केंद्र में स्थानांतरित कर दिया है। जांच पूरी होने के बाद उन्हें निर्वासित कर दिया जाएगा।श्रीलंका के कानून के तहत, जो लोग पर्यटक वीजा पर देश का दौरा करते हैं, वे कोई भी वैतनिक या अवैतनिक कार्य नहीं कर सकते। 'डेली मिरर की खबर के अनुसार भारतीय नागरिकों ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जारी प्रायोगिक परियोजना के तहत श्रीलंका द्वारा 31 मार्च तक के लिए कुछ देशों के लोगों को प्रदान की गई निशुल्क वीजा का उपयोग किया।

पाकिस्तानी मछुआरों के हाथ लगा खजाना, फंसी ऐसी मछली कि हो गए मालामाल, जानें क्यों है इतनी कीमती

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के सिंध प्रांत के समुद्री इलाके में मछली पकड़ने निकले मछुआरे को खजाना मिल गया है। रोजी-रोटी के लिए रोज समुद्र की उफनाती लहरों को परवाह न करते हुए उसमें उतरने वाले इन मछुआरों के हाथ ऐसी मछली लगी है, जिसने इनकी किस्मत बदल दी है।

पाकिस्तानी अखबार ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इब्राहिम कोस्टल मीडिया सेंटर के प्रवक्ता कमाल शाह ने बताया कि मछुआरों ने थट्टा जिले में स्थित केटी बंदर पोर्ट के पास से दुर्लभ प्रजाति की 300 क्रोकर मछलियां पकड़ी हैं। इन मछलियों की कीमत करोड़ों रुपये है।

करोड़ों में है कीमत

ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, हनीफ कटियार और उनके साथ आम दिनों की तरह केटी बंदर के पास अपनी बोट से मछली पकड़ने के लिए निकले थे, लेकिन उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उन्होंने देखा कि उनके जाल में क्रोकर मछलियों का झुंड आकर फंस गया है। जब उन्होंने इनकी बाजार में कीमत पता की तो वे हैरान रह गए। इन मछलियों की बाजार कीमत करोड़ों में है।

समुद्र के किनारे रहने वाले मछुआरों की जिंदगी आसान नहीं होती। मछुआरों का समूह रोज समुद्र के अंदर जाता है और मछलियां लाकर बेचता है। कमाल शाह ने बताया कि क्रोकर मछली का मांस तो 1000 रुपये किलोग्राम के रेट से बिकता है, लेकिन इसके एयर ब्लैडर की कीमत आसमान छूती है। क्रोकर मछली के एयर ब्लैडर और उसमें मौजूद वसा का इस्तेमाल सर्जिकल धागे को बनाने में किया जाता है, जिसके चलते इसकी भारी डिमांड है।

खतरनाक हैं किम जोंग उन के इरादे; खुद की टैंक की सवारी, अमेरिका को भी दी थी धमकी

केसीएनए ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि बुधवार को उत्तर कोरिया ने जो प्रशिक्षण किया उसका मकसद टैंक को संचालित करने वाले कर्मियों की लड़ाकू क्षमताओं का निरीक्षण करना था।

सियोल. उत्तर कोरिया का तानाशह शासक किम जोंग उन नवनिर्मित युद्धक टैंक के संचालन संबंधी प्रशिक्षण में अपने सैनिकों के साथ शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने टैंक भी चलाया और दुनिया का सबसे शक्तिशाली टैंक करार दिया। देश की सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि किम ने टैंक चलाकर बहुत संतुष्टि व्यक्त की है।आपको बता दें कि उत्तर कोरिया के युद्धक टैंक प्रशिक्षण को दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच प्रति वर्ष होने वाले सैन्य अभ्यास के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। दोनों देशों के बीच यह सैन्य अभ्यास बृहस्पतिवार देर शाम समाप्त होना है। उत्तर कोरिया का मानना है कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका का यह अभ्यास उस पर हमला करने की तैयारियों का हिस्सा है।केसीएनए ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि बुधवार को उत्तर कोरिया ने जो प्रशिक्षण किया उसका मकसद टैंक को संचालित करने वाले कर्मियों की लड़ाकू क्षमताओं का निरीक्षण करना था। रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें नए प्रकार के मुख्य युद्धक टैंक को शामिल किया गया। किम जोंग उन के मुताबिक ये दुनिया का सबसे शक्तिशाली टैंक है। इससे पहले उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ युद्धक क्षमताओं को मजबूत करने का आह्वान किया था। उत्तर कोरिया ने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त अभ्यास के जवाब में कार्रवाई की धमकी दी थी। किम ने एक पश्चिमी अभियान प्रशिक्षण सैन्य अड्डे के दौरे पर कहा कि सेना को कहा था कि युद्ध संबंधी तैयारियों के लिए अपनी युद्धक क्षमताओं में तेजी से सुधार लाने के उद्देश्य से वास्तविक युद्ध अभ्यास को लगातार तेज करना चाहिए।किम ने कहा था कि दुश्मनों के लगातार खतरे को भारी ताकत से नियंत्रित करने के लिए अत्यधिक तत्परता की आवश्यकता है।

किम के इस बयान से दो दिन पहले, उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास को उसके खिलाफ हमले की साजिश बताते हुए मंगलवार को कहा था कि वह जवाबी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा।

फिर एक बार आमने-सामने होंगे बाइडन और ट्रंप, अमेरिकी इतिहास में 68 साल बाद होगा ऐसा

वाशिंगटन. अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की। इसी के साथ दोनों ने अपने-अपने दलों की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की ओर कदम बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति बाइडन (81) ने जॉर्जिया में पार्टी के प्राइमरी चुनाव में आसानी से जीत हासिल की और अब वह राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के संभावित उम्मीदवार बन गए हैं। बाइडन को कुल 3,933 डेलीगेट (मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी सदस्य) में से आधे से अधिक का समर्थन मिल चुका है। डेमोक्रेट उम्मीदार बनने के लिए 1,968 डेलीगेट के समर्थन की जरूरत होती है।मंगलवार के नतीजों ने 2024 के आम चुनाव अभियान के लिए रास्ता साफ कर दिया है। अब सिर्फ आठ महीने से कम समय बचा है। यह आधुनिक अमेरिकी इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाला अभियान होगा। इसके अलावा, 68 वर्षों में देश का पहला ऐसा राष्ट्रपति चुनाव होगा जब दो उम्मीदवारों की एक बार फिर से भिड़ंत होगी। राष्ट्रपति पद के लिए आखिरी बार ऐसा संयोग 1956 में हुआ, जब रिपब्लिकन राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर ने अपने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी एडलाई स्टीवेन्सन को फिर से हरा दिया था। उन्होंने 1952 के

चुनावों में भी एडलाई सीवेन्सन को हराया था।बाइडन को अगस्त में शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' के दौरान औपचारिक रूप से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। ट्रंप (77) को अब तक 1,215 डेलिगेट का समर्थन मिल चुका है। ट्रंप को जुलाई में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में आधिकारिक तौर पर उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। ट्रंप लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार होंगे।पिछली बार की तरह इस बार भी दोनों का मुकाबला लंबे समय से प्रतीक्षित था, हालांकि ट्रंप इस बार अलग-अलग मुकदमों का सामना करते हुए चुनाव लड़ेंगे। ट्रंप 25 मार्च को न्यूयॉर्क में किसी आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन जाएंगे। इस मामले में ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने 'पॉर्न स्टार' को किए गए गुप्त भुगतान को छिपाने के लिए गलत तरीके से रिकॉर्ड में हेरफेर की।उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बाइडन के अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दिल्ली में आग लगने से दर्दनाक हादसा, 2 बच्चों समेत 4 की मौत; 5 अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली. दिल्ली के शाहदरा के शास्त्री नगर इलाके में गुरुवार तड़के एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने के चलते दम घुटने से 2 बच्चियों और एक विवाहित जोड़े सहित 4 लोगों मौत हो गई। वहीं, 5 अन्य लोगों का अभी इलाज चल रहा है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल सका है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 5:22 बजे गीता कॉलोनी में शास्त्री नगर, सरोजनी पार्क गली नंबर 13 के मकान संख्या 65 में भीषण आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद स्थानीय पुलिस दमकल की 4 गाड़ियों, एम्बुलेंस और 3 पीसीआर वैन के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस और दमकल कर्मियों द्वारा इमारत के अंदर फंसे दो बच्चों समेत नौ लोगों को उसमें से निकालकर पास के हेडगेवार अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान 2 बच्चियों सहित 4 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी, उसमें चार मंजिल हैं और ग्राउंड फ्लोर पर कार पार्किंग है। आग पार्किंग स्थल से शुरू हुई और धुआं पूरी इमारत में फैल गया। गली संकरी होने के बावजूद अग्निशमन अधिकारी मौके पर पहुंचने और आग पर काबू पाने में कामयाब रहे। सभी मंजिलों की तलाशी ली गई। तीन पुरुषों, चार महिलाओं और दो बच्चों को वहां से निकालकर हेडगेवार अस्पताल भेजा गया।

मृतकों की पहचान मनोज (30), उनकी पत्नी सुमन (28) और पांच और तीन साल की दो लड़कियों के रूप में की गई है। लड़कियों के पिता का नाम राकेश बताया जा रहा है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''हमें सुबह 5:20 बजे गीता कॉलोनी के पास शास्त्री नगर की एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने की सूचना मिली। हमने तुरंत दिल्ली फायर सर्विस को सूचित किया। पुलिस की एक टीम, दमकल की 4 गाड़ियां, एम्बुलेंस और पीसीआर वैन को घटनास्थल पर भेजा गया।''

महापौर ने ईडब्ल्यूएस कॉलोनी, मलोया में पुनर्निर्मित सामुदायिक केंद्र स्थानीय निवासियों को समर्पित किया

चंडीगढ़,(संजय अरोड़ा) सामुदायिक केंद्र के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बढ़ाने का लक्ष्य, शहर के मेयर श्री। कुलदीप कुमार ने आज ईडब्ल्यूएस कॉलोनी, मलोया में पुनर्निर्मित सामुदायिक केंद्र का उद्घाटन किया स्थानीय पार्षद निर्मला देवी,जसबीर बंटी पार्षद एवं स्थानीय निवासी। उद्घाटन समारोह के दौरान बोलते हुए, मेयर ने परियोजना के सफल समापन में शामिल सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सामाजिक एकता के लिए उत्प्रेरक के रूप में सामुदायिक केंद्रों के महत्व पर जोर दिया और पूरे चंडीगढ़ में बुनियादी ढांचे के विकास और उन्नयन के लिए प्रशासन के चल रहे प्रयासों को रेखांकित किया। इस परियोजना ने ईडब्ल्यूएस कॉलोनी, मलोया के निवासियों के बीच सामुदायिक गौरव और एकता की भावना को बढ़ावा देने की अपनी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि पुनर्निर्मित सामुदायिक केंद्र अब स्थानीय अधिकारियों की प्रतिबद्धता और सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक

गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान प्रदान करने के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। इसके एक जीवंत केंद्र बनने की उम्मीद है जहां निवासी इकट्ठा हो सकते हैं, बातचीत कर सकते हैं और विभिन्न सांस्कृतिक, मनोरंजक और शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं। नगर आयुक्त सुश्री अनिंदिता मित्रा, आईएएस, ने निवासियों के समग्र कल्याण पर पुनर्जीवित सामुदायिक स्थानों के सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया और इस तरह की पहल में समुदाय के निरंतर समर्थन और भागीदारी को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि नवीकरण परियोजना कुल रु. के व्यय के साथ पूरी की गई. 23.10 लाख. व्यापक नवीनीकरण में दीवार टाइलिंग, पर्दे, ओबीडी डिस्टेंपरिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पीयू पेंटिंग पर पीयू पेंटिंग और एक खुली रसोई के निर्माण जैसे विभिन्न पहलू शामिल थे। इसके अतिरिक्त, परियोजना में शौचालयों की मरम्मत और नवीकरण कार्य, स्विच/सॉकेट मरम्मत, ट्यूब लाइट प्रतिस्थापन, और रोशनी और कोटा फर्श की पॉलिशिंग शामिल थी। इसके अलावा, नए कनेक्शनों के कार्यान्वयन से अपशिष्ट जल के निपटान में सुविधा हुई।

आगरा से दिल्ली तक सारी जमीन मेरी; 'राजा साहब' को अदालत ने खूब फटकारा, एक लाख जुर्माना भी ठोका

दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को ना सिर्फ कुंवर महेंद्र ध्वज प्रसाद सिंह की याचिका को खारिज कर दिया बल्कि एक लाख रुपए जुर्माना भी लगा दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई।

नई दिल्ली. दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को ना सिर्फ कुंवर महेंद्र ध्वज प्रसाद सिंह की याचिका को खारिज कर दिया बल्कि एक लाख रुपए जुर्माना भी लगा दिया। यदि आप इस नाम से परिचित नहीं हैं तो बता दें कि कुंवर महेंद्र वह शख्स हैं जिन्होंने यमुना से गंगा के बीच सारी जमीन पर दावा ठोक दिया था। आगरा से गुरुग्राम और दिल्ली से देहरादून तक 65 रेवेन्यू स्टेट पर दावा करते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी।

लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रितम सिंह अरोड़ा ने सिंगल बेंच के आदेश के बरकरार रखा, जिसने याचिका को खारिज करते हुए 10 हजार रुपए जुर्माना लगाया था। याचिकाकर्ता की मांग थी कि केंद्र सरकार उसके साथ विलय की प्रक्रिया पूरी करे और मुआवजा भी दे। बेंच ने कहा, 'आप कह रहे हो कि गंगा से यमुना तक की सारी जमीन आपकी है। आप किस आधार पर आए हैं? 75 साल बाद (आजादी के) आप जागे हैं?' कोर्ट ने आगे कहा, 'शिकायत 1947 के लिए है। क्या बहुत देर नहीं हो गई इस दावे के लिए? यह 1947 की बात है और हम 2024 में हैं। बहुत साल बीत गए। आप राजा हो या नहीं, हम नहीं जानते। आप 1947 में जिस चीज के लिए वंचित रहे उसका दावा आज नहीं कर सकते।'

कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा, 'हम अब आपकी मदद नहीं क सकते हैं। बहुत देर हो चुकी है। हम कैसे जानेंगे कि आप मालिक हैं।

हमारे पास कागजात नहीं हैं।' गौरतलब है कि कुंवर महेंद्र ध्वज प्रसाद सिंह ने खुद को बेसवां परिवार का वंसज बताया है। कुंवर महेंद्र की यह भी डिमांड थी कि जब तक विलय की प्रक्रिया नहीं हो जाती दावे वाले क्षेत्र में लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और निकाय के चुनाव ना कराए जाएं। याचिकाकर्ता ने कहा था कि वह राजा ठाकुर मत मतंग ध्वज प्रसाद के इकलौते जीवित बचे बेटे हैं।

उन्होंने खुद को बेसवां अभिभाज्य राज्य का राजा बताया था। प्रिस्ली स्टेट का दर्जा होने का दावा करते हुए उन्होंने यमुना और गंगा के बीच अपना साम्राज्य बताया था। 2022 में उन्होंने कुतुब मीनार पर दावा करते हुए साकेत कोर्ट में भी याचिका दायर की थी।

किसानों से भरी ट्रेन रद्द, चार घंटे अन्नदाताओं ने डासना रेलवे स्टेशन पर किया हंगामा; 200 पर केस दर्ज

गाजियाबाद के डासना रेलवे स्टेशन पर किसानों और यात्रियों ने चार घंटे तक हंगामा किया। मुरादाबाद से दिल्ली जा रही ट्रेन को डासना पर समाप्त कर दिया गया जिससे वे नाराज हो गए। उन्होंने दूसरी ट्रेन को रोका।

गाजियाबाद. मुरादाबाद से दिल्ली जा रही ट्रेन को बुधवार देर रात डासना रेलवे स्टेशन पर रद्द कर दिया गया। इस ट्रेन में 100 से ज्यादा किसान यूनियन के पदाधिकारी मौजूद थे। जानकारी मिलने पर किसानों ने दूसरे ट्रैक पर आ रही एक अन्य ट्रेन को भी रोक दिया और जमकर हंगामा किया। करीब चार घंटे के हंगामे के बाद रेलवे प्रशासन ने ट्रेन को आगे जाने दिया। इस पूरे घटनाक्रम में 200 से ज्यादा किसान और यात्रियों के खिलाफ अज्ञात में मुकदमा दर्ज किया गया है। रेलवे प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं।

रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को दिल्ली में होने वाली किसान महापंचायत में शामिल होने के लिए मुरादाबाद से करीब 100 किसान मुरादाबाद दिल्ली पैसेंजर ट्रेन में रवाना हुए। रेलवे इंटेलिजेंस की सूचना के आधार पर रेलवे प्रशासन ने इस ट्रेन को डासना रेलवे स्टेशन पर समाप्त कर दिया। ट्रेन बुधवार की रात 1:15 पर डासना रेलवे स्टेशन पहुंची और खड़ी हो गई। करीब दो घंटे खड़े होने के बाद ट्रेन में सवार किसान और यात्री नीचे उतरे और उन्होंने ट्रेन को चलाने की मांग की।

इस पर रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह ट्रेन आगे नहीं जाएगी, इसको यहीं समाप्त कर दिया गया है।

इसके बाद स्टेशन पर हंगामा शुरू हो गया, तभी दूसरे प्लेटफार्म पर एक अन्य ट्रेन आ पहुंची। किसानों और यात्रियों ने इस ट्रेन को भी रोक दिया और ट्रैक पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि यदि उनकी ट्रेन दिल्ली नहीं जाएगी तो दूसरी ट्रेन को भी नहीं चलने देंगे। रेलवे अधिकारियों ने इसकी सूचना रेलवे बोर्ड को दी। चार घंटे के हंगामे के बाद ट्रेन को सुबह 5:15 बजे दिल्ली के लिए रवाना किया गया। इस मामले में रेलवे ट्रैक को बाधित करने और ट्रेन को रोकने के आरोप में 200 किसान और यात्रियों के खिलाफ अज्ञात में मुकदमा दर्ज किया गया है।

वहीं दूसरी ओर, क्रांतिकारी किसान यूनियन, कीर्ति किसान यूनियन, कुल हिंद किसान सभा और भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) गुटों के बैनर तले लगभग 300 किसान गुरुवार तक दिल्ली पहुंचने के लिए पटियाला से दादर एक्सप्रेस में सवार हुए। किसान नेता अवतार सिंह कौरजीवाला ने कहा कि 30,000 से अधिक लोग रास्ते में हैं।

केजरीवाल ने कोर्ट में खुद पेश होने का किया था वादा, अब खटखटा दिया ऊपरी अदालत का दरवाजा

नई दिल्ली. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेशी की तारीख से ठीक पहले ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटा दिया है। कथित शराब घोटाले में ईडी के समन को दरकिनार किए जाने की वजह से केजरीवाल के खिलाफ जांच एजेंसी ने शिकायत की थी। केजरीवाल को 16 मार्च को पेश होने को कहा गया था। अब उन्होंने अदालत के समन के खिलाफ सेशंस कोर्ट में याचिका दायर की है। राउज ऐवेन्यू कोर्ट में स्पेशल जज राकेश स्याल के सामने मामले को सूचीबद्ध किया गया है। ईडी ने समन को नजरअंदाज किए जाने की वजह से 3 फरवरी और 6 मार्च को मजिस्ट्रेट कोर्ट में शिकायत की थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने केजरीवाल के खिलाफ आईपीसी की धारा 174 के तहत केस चलाने की मांग की है। लोकसेवक के आदेश पर हाजिर नहीं होने पर इस धारा के तहत केस चलाया जाता है।

इसमें दोषी करार दिए जाने वाले व्यक्ति को एक महीने तक जेल और 500 रुपए जुर्माने की सजा हो सकती है। दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए बुलाते हुए ईडी ने केजरीवाल को अब तक कुल 8 समन भेजे हैं।

केजरीवाल को 4 मार्च, 26 फरवरी, 19 फरवरी, 2 फरवरी, 18 जनवरी, 3 जनवरी, पिछले साल 22 दिसंबर और 2 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। अडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) दिव्या मल्होत्रा ने ईडी की पहली शिकायत पर केजरीवाल को 17 फरवरी को बुलाया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री उस दिन वर्चुअल माध्यम से कोर्ट के सामने हाजिर हुए और बजट सत्र में व्यस्तता का हवाला देकर छूट की गुजारिश की। उन्होंने कोर्ट से अगली तारीख की मांग करते हुए कहा था कि वह खुद हाजिर होंगे। अदालत ने उनकी अपील को स्वीकार करते हुए 16 मार्च को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने को कहा था।

बहन को देखना चाहता था खुश, ढाई साल के बच्चे का किया अपहरण; दो हफ्ते बाद पुलिस ने किया अरेस्ट

गुरुग्राम में एक भाई ने अपनी नि:संतान बहन के लिए ढाई साल के बच्चे का अपहरण कर लिया। बच्चे को गढ़ी गांव से बरामद कर लिया गया। वहीं 45 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गुरुग्राम. हरियाणा के गुरुग्राम जिले में एक व्यक्ति को अपनी नि:संतान बहन के लिए बच्चे का अपहरण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बच्चे को गढ़ी गांव से बरामद कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धर्मपाल उर्फ बिट्टू उर्फ रावण (45) ने 26 फरवरी को राम विहार कॉलोनी इलाके से ढाई साल के बच्चे का अपहरण कर लिया था।

अधिकारियों के मुताबिक धर्मपाल ने अपनी बहन के लिए बच्चे का अपहरण किया था लेकिन उसने बच्चे को लेने से इनकार कर दिया इसलिए वह उसे अपने घर ले गया और उसकी देखभाल करने लगा। उन्होंने बताया कि अपहरण के एक दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी और गुरुग्राम पुलिस ने मंगलवार को गढ़ी गांव में धर्मपाल के घर से बच्चे को बरामद कर लिया और उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है। दरअसल, राजेंद्रा पार्क थाना पुलिस को 27 फरवरी को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उसके ढ़ाई साल के बच्चे का किसी ने राम विहार धनवापुर से अपहरण कर लिया है। मामले में कार्रवाई करते हुए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, गुरुग्राम की पुलिस टीम ने आरोपी को गढ़ी हरसरु से ही काबू कर लिया। जिसकी पहचान गांव गढ़ी निवासी धर्मपाल उर्फ बिट्टू के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि वह राजेंद्रा पार्क थाना एरिया के अंतर्गत धनवापुर फाटक के पास बनी राम विहार कॉलोनी में गया था। यहां गली में खेलते हुए यह बच्चा दिखाई दिया जो उसे अच्छा लगा। पालने की नीयत से उसने बच्चे का अपहरण किया था।

परीक्षा देने गई आठवीं की छात्रा लापता

फरीदाबाद के टीटू कॉलोनी में रह रही आठवीं की एक छात्रा लापता हो गई है। 11 मार्च को वह स्कूल में परीक्षा देने गई थी। पुलिस के अनुसार पीड़ित परिजन ने अपनी शिकायत में बताया है कि छात्रा 11 मार्च को तिलपत स्थित सरकारी स्कूल में परीक्षा देने गई थी। तब से वह घर वापस नहीं लौटी है। अधिकारियों का कहना है कि लापता छात्रा की थाना पुलिस की टीम के साथ क्राइम ब्रांच कैट की टीम भी तलाश कर रही है।

दिल्ली के मयूर विहार में तेज रफ्तार कार का कहर, बाजार में कई लोगों को कुचला

नई दिल्ली. पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 में साप्ताहिक बुध बाजार में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक तेज रफ्तार कार ने सात लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि 9 लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गाजीपुर पुलिस केस दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि रात को 9.30 बजे रयान स्कूल के पास एक तेज रफ्तार कार आती है और बुध बाजार में कई दुकानों को टक्कर मारते हुए लोगों को कुचल देती है। बुधवार रात को एक तेज रफ्तार सिल्वर कलर की हुंडई कार ने बुध बाजार में कई लोगों को टक्कर मार दी। जिसमें 22 साल की सीता देवी पुत्री मुन्नालाल की मौत हो गई। मृतका खोड़ा कॉलोनी, हयात नगर, गाजियाबाद की निवासी थी। घटना में नौ लोग घायल हो गए हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। गुरुवार को सभी को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। टक्कर के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई जिसने आरोपी कार चालक को पकड़कर पीट दिया। भीड़ ने कार को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। मारपीट की वजह के ड्राइवर भी घाटल हो गया, जिसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि आरोपी नाबालिग है। उसकी उम्र वेरिफाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि घटना रात करीब नौ बजे की है, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने वाहन में तोड़फोड़ कर दी और चालक से मारपीट की। गंभीर रूप से घायल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चालक नशे में वाहन चला रहा था।

हालांकि, पुलिस ने कहा कि इस बात का पता लगाने के लिए चिकित्सीय जांच कराई जाएगी। पुलिस कमिश्नर (पूर्व) अपूर्व गुप्ता ने कहा, आरोपी पुलिस हिरासत में है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

NAME CHANGE
I , ANIL KUMAR DEY S/O ARUN KUMAR residing D-145 NEHRU VIHAR CIVIL LINE DELHI-110054 have changed my name to ANIL KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, anjali devi W/O VIRENDER SINGH residing at H NO-1007/20, DURGA COLONY, ROHTAK , HARYANA-124001 have changed my name to ANJLI DEVI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Aditi Ketan Paranjape D/o Ketan Ashok Paranjape R/o Ground Floor,House No-1055, Sector-46, Gurugram, Jharsa, Gurgaon, Haryana-122003, I Have Changed My Name To Aditi Sinha For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Suhel Ali Khan s/o Ishrat Ali Khan R/o O-18 F/F, Gali No-16, Brahampuri, Seelampur, Delhi-110053 have changed my name to Sohil Ali Khan for all future purposes.

NAME CHANGE
I Sabahat Ajmali W/O Mohammad Kareem R/O 1417 Gali Madrasa Inayatullah Qasimjan Ballimaran Delhi-110006 Have Changed My Name To Sabahat Permanently

NAME CHANGE
I, Shushma w/o Khimanand Joshi R/o H. No-Flat No-302, Unit-B, Nawada Vipin Garden Extn. Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Sampati Joshi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, IMRAN S/O MOHAMMAD BALISHER residing at HOUSE NO-4, GALI NO-1, BADKHAL COLONY, FARIDABAD, HARYANA-121001 have changed my name to IMRAN ALI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAMBHUL alias MANGE RAM S/o SATYA R/o Grage No. 1, BP House, Rafi Marg, New Delhi-110001 have changed my name and shall hereafter be known as MANGE RAM.

NAME CHANGE
I, SUDARSHAN KUMAR S/O VIJENDER PAL JAIN residing at RZ-33A, RATI RAM PARK, NAYA BAZAR, NAJAFGARH, DWARKA, DELHI-110043 have changed my name to SUDARSHAN KUMAR JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I , MAITHALEE SHARMA D/O GOPAL SHARMA residing RZD - 1/11A FIRST FLOOR GALI NO-05 MAHAVIR ENCLAVE-1 DELHI-110045 have changed my name to MAITHILI SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as RASHMI RANJAN BAG S/o Shri BIMBADHAR BAG, R/o B-45, Christian Colony, Patel Chest, Delhi University, North Delhi-110007, have changed my name and shall hereafter be known as RAJ RATNA BAG

NAME CHANGE
I, ILIKA JAIN D/O LATE SANDEEP JAIN R/O 676/6, KRISHNA PARK TUTI DIWARI ROAD, KHANPUR, NEW DELHI-110062 have changed my name from PRIYANKA GHOSH to ILIKA JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, laeeq ahmed S/O RAFIQ AHMED residing at HOUSE NO-A-170/2, KHASRA NO-132, FIRST FLOOR, GALI NO-9, WAZIRABAD, BURARI, DELHI-110084 have changed my name to LAIQ AHMED for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is to inform the general public that I, Naqeeb Mehdi S/O Late Syed Aulad Husain R/O B4-304 Supertech Ecovillage -1, Greater Noida West U.P 201306 inform that my father Late Syed Aulad Husain (S.A Husain) age -62 Years passed away on 18th October 2020. Hereby request Supertech Limited to transfer booked unit TOWER B12A – FLAT NO. 1907 SUPETECH ECOVILLAGE -1 Situated at Plot No-08 , Sector -1 Greater Noida 201303 in the name of Naqeeb Mehdi (Main Applicant). If anybody has any objection to this then he/she may contact M/s. Supertech Township Project Limited at their office Supertech Limited C2, Sector 96, Noida, Uttar Pradesh within 15 days of this notice being published by Naqeeb Mehdi S/o Late Syed Aulad Husain .

NAME CHANGE
I, NO-14648278M Rank- HAV Name- S SENTHIL KUMAR S/O P SRIRANGURAM R/O 10 SOUTH STREET, VILL-THAPPUKUNDU, PO-TADICHERY, DIST-THENI, TAMIL NADU-625534 have changed my Minor daughter's name from SANMATHI to S SANMATHI for all future purposes vide Affidavit Dated 14/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MK RAJEEV Father of NO-15713769P Rank-NK Name- ANURAJ JR R/O ARUNALAYAM, MEENAMBALAM, PO-PUTHENKULAM, DIST-KOLLAM, KERALA-691302 have changed my name from MK RAJEEV to RAJEEV M K for all future purposes vide affidavit dated 14/03/2024 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **हिन्दुस्तान समाज संरक्षण पार्टी** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय- **ग्राम-सद्दीकपुर, पोस्ट-औरंगाबाद, तहसील- मिश्रिख, जिला-सीतापुर, उत्तर प्रदेश-261403** में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है, पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:-
अध्यक्षः चंद्र शेखर
महासचिवः संकटा प्रसाद
कोषाध्यक्षः देवी दीन
यदि किसी को **हिन्दुस्तान समाज संरक्षण पार्टी** के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोका रोड़, नई दिल्ली-110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेंजे।

NAME CHANGE
I, hitherto known as MIRA DABY MEERA W/o HAKIM SINGH R/o H.No. - A-333, GALI No.- 2/1, Ambika Vihar, Near Mayur Convent Public School, Shiv Vihar, Karwal Nagar, North East, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as MIRA DABY.

NAME CHANGE
I, NO-14648278M Rank- HAV Name- S SENTHIL KUMAR S/O P SRIRANGURAM R/O 10 SOUTH STREET, VILL-THAPPUKUNDU, PO-TADICHERY, DIST-THENI, TAMIL NADU-625534 have changed my Minor son's name from SANMENAN to S SANMENAN for all future purposes vide Affidavit Dated 14/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JALAJAMANI Mother of NO-15713769P Rank-NK Name- ANURAJ JR R/O ARUNALAYAM, MEENAMBALAM, PO-PUTHENKULAM, DIST-KOLLAM, KERALA-691302 have changed my name from JALAJAMANI to JALAJAMANI G for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 05/05/1964 instead of my correct date of birth as 20/05/1961 vide affidavit dated 14/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PATEL ARVINDBHAI Father of No. 14685644H Rank-SEP Name-PATEL BHARATKUMAR ARVINDBHAI presently residing at VPO-MANIYOR, TEH-IDAR, DIST-SABARKANTHA, GUJARAT-383230 in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 13/02/1959 instead of my correct date of birth as 25/07/1962 vide affidavit dated 14/03/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I Subhaan Shah S/o Chaman R/o T-8 A, Near R B House Basti Hazrat Nizamuddin Hazrat Nizamuddin S O South Delhi - 110013 have changed my name to Subhan Shah for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHEESH RAM S/o LATE SHRI JAI KARAN, R/o H. No. WZ-348, Jatav Mohalla, Basai Darapur, Ramesh Nagar, West Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as SHISH RAM in my service record. The actual name of mine is SHEESH RAM, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, PATEL MINABAHEN Wife of No. 14685644H Rank-SEP Name-PATEL BHARATKUMAR ARVINDBHAI presently residing at VPO-MANIYOR, TEH-IDAR, DIST-SABARKANTHA, GUJARAT-383230 have changed my name from PATEL MINABAHEN to PATEL MINABEN BHARATKUMAR for all future purposes vide affidavit dated 14/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PATEL JASHDDA BEN Mother of No. 14685644H Rank-SEP Name-PATEL BHARATKUMAR ARVINDBHAI presently residing at VPO-MANIYOR, TEH-IDAR, DIST-SABARKANTHA, GUJARAT-383230 have changed my name from PATEL JASHDDA BEN to PATEL JASHODABEN ARVINDBHAI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 12/01/1961 instead of my correct date of birth as 01/01/1961 vide affidavit dated 14/03/2024 before Notary Public Delhi.

तेजी से हो डोमेस्टिक एयरपोर्ट का निर्माण : अनिल विज

अम्बाला. हरियाणा के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी में डोमेस्टिक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य तेजी से किया जाए ताकि नागरिकों को अम्बाला से जल्द उड़ान सेवा का लाभ मिल सके। विज ने आज अम्बाला एयरफोर्स स्टेशन के निकट सिविल एन्क्लेव (डोमेस्टिक एयरपोर्ट) के निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य को लेकर जानकारी हासिल की। उन्होंने डोमेस्टिक एयरपोर्ट में एंट्रेंस एरिया, पार्किंग, कैंटीन, मुख्य टर्मिनल सहित अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन रितेश अग्रवाल ने विज को बताया कि टर्मिनल में 50 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है और शेष कार्य को भी आगामी कुछ माह में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने डोमेस्टिक एयरपोर्ट में बाउंड्री वॉल, पार्किंग एरिया, मुख्य बिल्डिंग, एंट्रेंस रोड, वॉटर टैंक सहित यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। डोमेस्टिक एयरपोर्ट का निर्माण 16.50 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है ।

सीएम पद छोड़ने के बाद अब मनोहर लाल का विधानसभा से भी इस्तीफा

चंडीगढ़.हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अब विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। बुधवार को हरियाणा विधानसभा में एक दिन के विशेष सत्र के दौरान मनोहर लाल ने करनाल हलके से इस्तीफा देने का ऐलान किया। माना जा रहा है कि मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के लिए करनाल की सीट खाली है। ऐसे में लोकसभा चुनावों के साथ ही करनाल हलके में उपचुनाव की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

वहीं दूसरी ओर, भाजपा ने मनोहर लाल को करनाल से लोकसभा चुनाव का प्रत्याशी भी घोषित कर दिया है। लोकसभा चुनाव लड़ने की स्थिति में विधानसभा से इस्तीफा देने की जरूरत नहीं थी। नायब सिंह सैनी विधायक नहीं हैं और उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए छह महीने के अंदर विधायक बनना होगा। इसी वजह से मनोहर लाल ने उनके लिए करनाल की सीट खाली की है।

मनोहर लाल के इस्तीफे के बाद स्पीकर की ओर से इस संदर्भ में चुनाव आयोग को सूचना भेजी जाएगी। उपचुनाव का फैसला अगर भाजपा करती है तो फिर लोकसभा चुनाव के साथ ही करनाल में होने वाले उपचुनाव का कार्यक्रम भी घोषित हो सकता है। मनोहर लाल ने पहली बार 2014 में करनाल से विधानसभा चुनाव जीता था। वहीं 2014 के विधानसभा चुनावों में नायब सिंह सैनी नारायणगढ़ हलके से विधायक बने थे। 2019 में भाजपा ने उन्हें कुरुक्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़वाया और वे संसद पहुंचने में कामयाब रहे। करनाल से संजय भाटिया भाजपा के मौजूदा सांसद हैं। अब संजय भाटिया का पानीपत सिटी से विधानसभा चुनाव लड़ना भी तय हो गया है। इन संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा रहा है अगले कुछ ही दिनों में मनोहर लाल को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जा सकता है। इसके बाद जून में जेपी नड्डा का कार्यकाल पूरा होने के बाद उन्हें पार्टी की कमान सौंपी जा सकती है।

करनाल के लोगों का रहूंगा आभारी

विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मौजूदा सरकार के कार्यकाल में अभी तक तीन हलकों में उपचुनाव हुए। मैंने वहां के हलकों को कहा कि जब तक विधायक नहीं मिलता, मैं उस हलके की देखरेख करूंगा। करनाल हलके के लोगों का आभार जताते हुए कहा, मैंने जनता की सेवा करते हुए करनाल के विधायक के रूप में काम किया। अब प्रदेश को नये मुख्यमंत्री मिले हैं। इन्हें सेवा का मौका मिल रहा है। मैं चाहूंगा कि मेरे इस्तीफे के बाद वे (नायब सैनी) करनाल के लोगों की देखरेख करें।

लोस चुनाव से दावेदारी छोड़ सिर्फ 5100 रुपये पेंशन मांगी, वह भी नहीं दी : दुष्यंत

हिसार .गठबंधन धर्म की सोचकर जजपा ने सिर्फ हिसार व भिवानी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी की, लेकिन जब सीट बंटवारे के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की तो उन्होंने रोहतक लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए कहा। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से चर्चा करके उनको प्रस्ताव दिया कि आप जजपा के चुनावी घोषणा पत्र के अनुसार सिर्फ बुढ़ापा पेंशन 5100 रुपये कर दो, वे दस की दस सीट भाजपा को देने को तैयार हैं। इस पर उन्होंने विचार करने के लिए कहा और ऐसा विचार किया कि आज उनके साथ मुख्यमंत्री मनोहर लाल, गृह मंत्री अनिल विज की भी कुर्सी चली गई।

यह बात पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने हिसार में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन पर आयोजित हिसार लोकसभा सीट की नव संकल्प रैली को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में उनके साथ डॉ. अजय चौटाला, दिग्विजय सिंह, केसी बांगड़ा, निशान सिंह के अलावा विधायकों में पूर्व मंत्री अनूप धानक, रामकरण काला व अमरजीत ढांढा थे। उनकी मां दिल्ली में थे और बाकी पांच विधायक अनुपस्थित रहे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि उनको वोट काटने वाले की संज्ञा दी जा रही है, इसलिए यह कलंक लगने नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यकर्ताओं से चर्चा करें कि हमें दो सीटों पर चुनाव लड़ना है, दस पर लड़ना है या फिर विधानसभा चुनाव पर ध्यान केंद्रित करना है। कार्यकर्ता और पार्टी अध्यक्ष जो फैसला करेंगे, उनको मान्य होगा। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि उनका न तो हौसला कम हुआ है और न ही वे कमजोर पड़े हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को विचार करने की सलाह दी और कहा कि सिर ठंडा रखें, मुंह से मीठा बोलें, पांव की रफ्तार तेज करें और पार्टी का प्रचार थमने न दें।

उन्होंने कहा कि जब वे दिल्ली से हिसार आ रहे थे तो काफी जगह पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बैनर लगे हुए थे लेकिन आने वाले दिनों में उनकी फोटो लगाने वाले नहीं मिलेंगे।

विधायकों के भाजपा के पाले में जाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ताऊ देवी लाल की तो पूरी की पूरी सरकार भजन लाल ले गए थे लेकिन उन्होंने संघर्ष किया और फिर से जीत गए। हम भी संघर्ष करेंगे।

इसलिए जो हुआ, अच्छा हुआ, जो हो रहा है अच्छा हो रहा है और जो होगा वह भी अच्छा होगा। रैली को संबोधित करते हुए विधायक अमरजीत ढांढा ने दावा किया उनको 100 करोड़ रुपये की ऑफर थी लेकिन वह बिकाऊ नहीं है।

मनोहर की नीतियों को आगे बढ़ाएगी सरकार : सैनी

चंडीगढ़. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा शुरू की गई नीतियों को आगे बढ़ाया जाएगा। मनोहर लाल को तपस्वी बताते हुए कहा, उनका अपना कुछ नहीं है, पूरे प्रदेश के लिए उन्होंने काम किया। 'राज नहीं, फकीर है, मनोहर लाल देश की तकदीर है', कहते हुए सीएम ने कहा, उनकी हमेशा ईमानदारी की सोच रही। विपक्ष के नेता भी मान रहे हैं कि दलदल में रहते हुए भी उनके दामन पर कभी कोई दाग नहीं लगा।

विधानसभा में विश्वास मत पर बोलते हुए सीएम ने कहा, पहले भी सरकार विश्वास में थी, आज भी विश्वास में है और हरियाणा की जनता का विश्वास भी आज सरकार के साथ है। जिस प्रकार पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में गत साढ़े 9 सालों में प्रदेश में चहुंमुखी विकास हुआ है, जनता को सुविधाएं मिली हैं, उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सरकार कड़ी मेहनत के साथ प्रदेशवासियों की सेवा में जुटेगी। लोगों तक सुविधाएं और तीव्र गति से पहुंचे, विकास के नये प्रोग्राम आएं, इसी सोच के साथ हमें काम करना है। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल की देख-रेख में मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। सदन में मुख्यमंत्री के तौर पर आज मेरा पहला दिन है। इससे पहले भी 2014 से 2019 के बीच विधानसभा का सदस्य रहा हूं। उसके बाद लोकसभा में भी प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया और अब केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री की जिम्मेवारी सौंपी है। स्वयं को भाजपा का एक छोटा सा कार्यकर्ता बताते हुए सैनी ने कहा, मैं एक सामान्य परिवार से आता हूं और मेरे परिवार में राजनीति में कोई भी व्यक्ति नहीं रहा है।

उन्होंने कहा, भाजपा में ही यह संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और मनोहर लाल का आभार जताते हुए नायब ने कहा, मनोहर लाल के नेतृत्व में सुशासन का उदाहरण प्रस्तुत कर बिना भेदभाव के गत साढ़े 9 साल में प्रदेश को नई दिशा देने का काम किया है। उन्होंने ईमानदारी और निष्ठा से अपना पूरा जीवन प्रदेश की सेवा में लगाया है।

नायब सिंह ने कहा, जब सोच ईमानदार है और काम दमदार है तो अब लोग भी बोल रहे हैं कि फिर एक बार मोदी सरकार, भाजपा सरकार। मनोहर लाल ने मिशन मोड में काम करते हुए व्यवस्था में सुधार किया है, जिससे आज सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को घर बैठे मिल रहा है। आज पोर्टल के माध्यम से बुजुर्गों को 3 हजार रुपये प्रति माह पेंशन घर बैठे मिल रही है।

गांव-गांव पहुंचकर योजनाओं को पहुंचा रहे लाभ : सीएम

शत-प्रतिशत पढ़ी लिखी पंचायतों वाला, 72 हजार से अधिक सोलर पंप लगाने, पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने जैसे अनेक मामलों में हरियाणा पहले स्थान पर है। नायब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत का नाम दुनिया में चमक रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लोगों ने कहा कि गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने वाली भाजपा सरकार ऐसी पहली सरकार है। 2014 से पहले की सरकारें नारा तो देती थी कि गरीबी हटेगी, परंतु वोट देने के बाद सरकार को ढूंढना पड़ता था।

पुलिस घेरा तोड़ किसानों ने अडाणी साइलो पर जड़ा ताला

कैथल. ढांड अनाज मंडी में गेहूं की तुलाई शुरू करवाने एवं मंडी में बारदाना मुहैया करवाने की मांग को लेकर कई गांवों के सैकड़ों किसानों ने सोलूमाजरा अडाणी साइलो पर ताला जड़ दिया। किसानों के आगे पुलिस की एक न चली और पुलिस पहरे के बीच भी किसान अडाणी साइलो ताला लगाने में कामयाब रहे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समाजसेवी एवं जिला पार्षद प्रतिनिधि विकास तंवर के आह्वान पर विस्तार अनाज मंडी ढांड में बुलाई गई किसान महापंचायत में भारी संख्या में किसान मजदूर पहुंचे। किसान महापंचायत का मुख्य उद्देश्य अनाज मंडी में गेहूं की तुलाई के लिए मंडी में बारदाना मुहैया करवाना है।

किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए विकास तंवर ने कहा कि कोरोना का बहाना लगाकर ढांड मंडी में बारदाना देना बंद कर दिया था, लेकिन 6 वर्ष बीत जाने के बावजूद आज तक मंडी में सरकार ने बारदाना देना उचित नहीं समझा। इससे किसान सोलूमाजरा अडाणी साइलो में गेहूं बेचने के लिए कई-कई दिनों तक लाइनों में लगने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गेहूं की सीजन नजदीक है।

जिला प्रशासन मंडी में बारदाना देने के लिए हामी नहीं भर रहा है। अब तो हमारे पास केवल एक ही विकल्प बचा है कि जब तक बारदाना नहीं दिया जाता तब तक साइलो के गेट की तालाबंदी की जाए।

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की रिपोर्ट को लेकर विधानसभा में हंगामा

चंडीगढ़. हरियाणा विधानसभा की फैक्ट फाइडिंग कमेटी की रिपोर्ट को लेकर बुधवार को विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र में कैबिनेट मंत्री कंवर पाल गुर्जर तथा पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल के बीच तीखी बहस हुई। दरअसल, जींद के उचाना कलां के सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल पर छात्राओं के यौन उत्पीड़न मामले की जांच को लेकर विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया था।

बजट सत्र के दौरान भी कमेटी को अगले सत्र के लिए रिपोर्ट देने का समय दे दिया गया। गुर्जर ने बुधवार को जब कमेटी की रिपोर्ट के लिए अगले सत्र तक का समय देने का प्रस्ताव पेश किया तो भुक्कल ने इस पर नाराज़गी जताई। दरअसल, प्रिंसिपल पर लगे आरोपों को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और गीता भुक्कल ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए थे। दुष्यंत ने सदन में आरोप लगाया था कि जब गीता भुक्कल शिक्षा मंत्री थी तो उस समय भी प्रिंसिपल पर आरोप लगे थे और उन्हें बचाया गया।

उन्होंने यह भी कहा था कि गीता भुक्कल की झज्जर कोठी पर हुई पंचायत में समझौता करवाया गया। भुक्कल ने इन आरोपों को सिरे से नकारा था और इसके बाद ही विधानसभा की कमेटी बनी थी। हालांकि पहले इस मामले की जांच पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जज से करवाने का निर्णय लिया गया था। बाद में कमेटी बनाई गई। भुक्कल ने विधानसभा में कहा कि कमेटी की रिपोर्ट आ चुकी है और उसे सदन में रखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में साफ कर दिया है कि पूर्व डिप्टी सीएम द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह से गलत थे।

पुलिस महानिदेशक के अलावा शिक्षा विभाग की रिपोर्ट भी आ चुकी है। इस पर गुर्जर ने कहा, अभी रिपोर्ट नहीं आई है। कमेटी द्वारा इस मामले में अभी दुष्यंत चौटाला और गीता भुक्कल को बुलाया जाएगा। इसके बाद ही रिपोर्ट फाइनल होगी। काफी देर के शोर-शराबे के बाद कमेटी को रिपोर्ट देने के लिए अलग सत्र तक का समय दे दिया गया।

करनाल से मनोहर लाल मैदान में सिरसा से दुग्गल की कटी टिकट

चंडीगढ़.भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में लोकसभा की दस सीटों में से छह पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। पहली सूची में पार्टी के दो मौजूदा सांसदों ङ्कसिरसा से सुनीता दुग्गल और करनाल से संजय भाटिया की टिकट कटी है। पार्टी हाईकमान ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को करनाल से उम्मीदवार घोषित किया है। दोनों केंद्रीय मंत्रियों ङ्कराव इंद्रजीत सिंह और कृष्ण पाल गुर्जर पर पार्टी ने लगातार तीसरी बार भरोसा जताया है।

गुरुग्राम से राव इंद्रजीत सिंह और फरीदाबाद से कृष्णपाल गुर्जर भाजपा टिकट पर लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ेंगे। आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में आए डॉ. अशोक तंवर को पार्टी ने सुनीता दुग्गल की जगह सिरसा से चुनाव लड़वाने का निर्णय लिया है। भिवानी-महेंद्रगढ़ से भी पार्टी ने धर्मबीर सिंह पर विश्वास जताया है। धर्मबीर सिंह 2014 और 2019 में भी भिवानी-महेंद्रगढ़ से भाजपा सांसद रहे हैं। करनाल के मौजूदा सांसद संजय भाटिया की जगह पार्टी ने मनोहर लाल को टिकट दिया है।

धर्मबीर सिंह, अशोक तंवर, बंतो कटारिया

मनोहर लाल की गिनती पीएम नरेंद्र मोदी के सबसे नजदीकियों में होती है। मनोहर लाल की सेवाएं अब राष्ट्रीय स्तर पर लेने के लिए ही पार्टी ने उन्हें लोकसभा चुनाव लड़वाने का निर्णय लिया है। इसी वजह से मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। अम्बाला में भी भाजपा ने टिकट पूर्व

सांसद रतनलाल कटारिया की पत्नी बंतो कटारिया को ही दिया है। कटारिया पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं में शुमार रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा मामलों के प्रभारी रहे हैं और उस समय कटारिया ने उनके साथ लंबे समय तक काम किया था। इसी वजह से शुरू से ही यह लग रहा था कि पार्टी अम्बाला संसदीय सीट पर कटारिया की पत्नी बंतो कटारिया को उम्मीद बनाएगी। प्रदेश की चार लोकसभा सीटों ङ्करोहतक, सोनीपत, हिसार और कुरुक्षेत्र पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। बताते हैं कि जातिगत समीकरणों की वजह से इन सीटों पर फैसला नहीं हो पाया है। रोहतक से डॉ. अरविंद शर्मा, सोनीपत से रमेश चंद्र कौशिक, कुरुक्षेत्र से नायब सिंह सैनी मौजूदा सांसद हैं। वहीं हिसार सांसद रहे बृजेंद्र सिंह भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। भिवानी-महेंद्रगढ़ में भाजपा जाट चेहरे के रूप में धर्मबीर सिंह को चुनावी रण में उतार चुकी है। पार्टी एक औ सीट पर जाट प्रत्याशी देना चाहती है। अब इसी बात पर मंथन हो रहा है कि जाट उम्मीदवार को रोहतक से चुनाव लड़वाया जाए या फिर हिसार से।

इसी तरह से कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के बीच हुए चुनावी समझौते और आप द्वारा कुरुक्षेत्र से डॉ. सुशील गुप्ता को चुनावी मैदान में उतारने के बाद भाजपा एक सीट पर वैश्य कोटे से भी टिकट देने पर मंथन कर रही है। कुरुक्षेत्र या सोनीपत में से किसी सीट पर वैश्य उम्मीदवार उतारने पर विचार-विमर्श हो रहा है। हिसार से पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु टिकट के प्रबलतम दावेदारों में शामिल हैं। वहीं हिसार जिलाध्यक्ष रहे कैप्टन भूपेंद्र का नाम भी चर्चाओं में है। वहीं बैकवर्ड फेस के तौर पर डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा का नाम लिस्ट में बताया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई भी टिकट की कोशिश में जुटे हैं। वे हिसार से सांसद रहे हैं। इसी वजह से इस सीट पर बड़ा पेच फसा हुआ है।

सोनीपत, रोहतक व हिसार की सीटों पर फंसा पेच

रोहतक को लेकर भाजपा इस दुविधा में है कि यहां से कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी दीपेंद्र हुड्डा के मुकाबले ब्राह्मण को उतारा जाए या फिर किसी जाट या बैवकर्ड पर दाव खेला जाए। ब्राह्मण चेहरे के रूप में डॉ. अरविंद शर्मा ही पहली पसंद हैं। वहीं ओबीसी चेहरे के रूप में तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ का नाम लिया जा रहा है। इसी तरह से पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ तथा फिल्म अभिनेता रणदीप सिंह हुड्डा और जयदीप अहलावत के नाम भी चर्चाओं में हैं। माना जा रहा है कि रोहतक में प्रत्याशी चयन को लेकर बड़ी दुविधा की वजह से ही सोनीपत का फैसला नहीं हो पा रहा है। रोहतक में अब भाजपा पिछड़ा वर्ग या जाट चेहरे को उम्मीदवार बनाती है तो फिर सोनीपत में ब्राह्मण कोटे से टिकट मिलनी तय है।

हालांकि दोनों ही सीटों पर 2019 की तरह फिर से ब्राह्मण उतारे जाएं तो इसमें भी कोई संशय नहीं होना चाहिए। सोनीपत के मौजूदा सांसद रमेश चंद्र कौशिक का टिकट कटना तय है। उनकी जगह राई विधायक मोहन लाल बड़ौली और पहलवान योगेश्वर दत्त का नाम सबसे ऊपर बताया जा रहा है। यह भी संभव है कि अरविंद शर्मा की रोहतक से टिकट कटने की स्थिति में उन्हें सोनीपत शिफ्ट कर दिया जाए। वहीं वैश्य कोटे से पूर्व मंत्री कविता जैन का नाम सोनीपत के लिए चर्चाओं में है।

18 से 22 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या साढ़े 12 लाख से अधिक

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने कहा कि भारत की लोकतंत्र व्यवस्था में हर वोट का महत्वपूर्ण योगदान है।

विश्वास मत प्रस्ताव पर सदन में पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप

चंडीगढ़. हरियाणा के नये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा बुधवार को विधानसभा में पेश किए गए बहुमत प्रस्ताव पर पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का लंबा दौर चला। एक-दूसरे पर गंभीर आरोप भी लगाए गये। कई बार तीखी नोक-झोक भी हुई। कई ऐसे शब्दों का इस्तेमाल सदन में हुआ, जिन्हें बाद में कार्यवाही से निकालना पड़ा। विपक्षी दल कांग्रेस नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार के पहले सत्र में हावी होने की कोशिश करता नज़र आया।

विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पूर्व सीएम और विपक्ष के नेता भूपेंद्र हुड्डा ने सरकार को घेरते हुए अचानक विधानसभा का सत्र बुलाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 2019 में भी भाजपा अल्पमत में थी और अब भी बहुमत में नहीं है। उस समय भाजपा के 40 विधायक थे और जजपा के साथ मिलकर सरकार का गठन किया। भाजपा ने 75 पार कहा तो जजपा ने कहा, भाजपा जमुना पार और फिर दोनों मिलकर स्वार्थ के लिए यार बन गए।

यह गठबंधन जनहित में नहीं बल्कि स्वार्थों के तहत हुआ। हरियाणा बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार में नंबर-वन पर पहुंच गया। भाजपा सरकार की विफलता को देखते हुए ही मुख्यमंत्री को बदलना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा व जजपा अब भी मिलकर लोगों की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रही हैं। जजपा की ओर से जारी की गई व्हिप पर आपत्ति जताते हुए हुड्डा ने कहा, ऐसा पहली बार हुआ है जब विश्वास प्रस्ताव के दिन विधायकों को अनुपस्थित रहने को कहा गया है। अब लोग इनके झांसे में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा, प्रदेश के लोगों को भी पता था कि एक दिन ये ऐसे ही करेंगे। गठबंधन तोड़ना केवल दिखाने भर को है। गठबंधन टूटने और नये मुख्यमंत्री बनने पर कटाक्ष करते हुए हुड्डा ने कहा ङ्क नाटक वही रहेगा, सिर्फ किरदार बदलेंगे, तुम सीएम बदले रहना, एक दिन हम पूरी सरकार बदलेंगे। पूर्व सीएम ने गठबंधन के कॉमन मिनिमम प्रोग्राम का मामला भी उठाया। अनिल विज को इसका चेयरमैन बनाया गया था। थोड़ी देर में विज भी पहुंच गए तो हुड्डा ने उनसे ही पूछ लिया। इस पर विज ने कहा ङ्क उस पर तो भोग पड़ा गया। नये सीएम को सलाह देते हुए हुड्डा ने कहा, उनके (मनोहर लाल) के कदमों पर मत चलना। उन्होंने तो प्रदेश को साढ़े चार लाख करोड़ का कर्जदार बना दिया। कोई नया इंस्टीट्यूट नहीं आया। कोई नई रेलवे लाइन, नया थर्मल पावर प्लांट मिला और न ही कोई बड़ा प्रोजेक्ट आया, फिर भी कर्ज बढ़ गया। सैनी को नाइट वाचमैन और टाइम गेप अरेंजमेंट बताते हुए कहा कि सरकार तुरंत भंग करके विधानसभा चुनाव करवाए जाने चाहिएं। साथ ही, उन्होंने विश्वास प्रस्ताव पर गुप्त मतदान की मांग उठाई। इस पर स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि गुप्त मतदान के नियम ही नहीं हैं। हुड्डा ने कहा, जजपा ने व्हिप जारी कर दी। इससे स्पष्ट है कि जजपा आज भी भाजपा के साथ है। विधायकों पर इस तरह अंकुश नहीं लगाया जा सकता।

आपकी समझ में नहीं आएगा यह त्याग : गुर्जर

कैबिनेट मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने मुख्यमंत्री बदलने, कांग्रेस द्वारा विश्वास मत का विरोध करने और हॉर्स राइडिंग के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा, ये त्याग आप लोगों की समझ में नहीं आएगा। यह केवल भाजपा में ही हो सकता है। पूर्व में सरकारें आने पर प्रदेश के संसाधनों पर उसका अधिकार समझा जाता था। हमें भी यही लगता था, लेकिन मनोहर लाल ने आते ही बदलाव किया। शुरू में हमें भी लगता था कि यह नहीं हो पाएगा, लेकिन आज हरियाणा एक-हरियाणवी एक चरितार्थ हुआ है। उन्होंने लोगों के मन में यह बात बैठा दी है कि कोई पक्षपात नहीं होगा।

RBI ने इस बैंक पर ठोका 1.4 करोड़ का जुर्माना, शेयर धड़ाम, निवेशक निराश

नई दिल्ली. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि उसने कुछ नियामकीय मानदंडों का पालन नहीं करने को लेकर बैंक ऑफ इंडिया पर 1.4 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। गुरुवार बैंक के शेयरों का भाव 8.52 प्रतिशत की गिरावट के बाद 128.25 रुपये के लेवल पर आ गया था। आज भी निवेशकों की निगाह कंपनी के प्रदर्शन पर रहेगी।

इस बैंक पर भी लगा जुर्माना

रिजर्व बैंक ने कुछ निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के लिए निजी क्षेत्र के बंधन बैंक पर भी 29.55 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बैंक ऑफ इंडिया पर जुर्माना जमा पर ब्याज दर, बैंकों में ग्राहक सेवा, कर्ज पर ब्याज दर और क्रेडिट सूचना कंपनी नियम, 2006 के प्रावधानों के उल्लंघन से संबंधित रिजर्व बैंक के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है। कल कंपनी के शेयरों का भाव 5.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 178.35 रुपये पर आकर बंद हुआ। जोकि 52 वीक लो लेवल के 175.30 रुपये के बेहद करीब है।

इस बीच, रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड पर (रिजर्व बैंक) दिशा-निर्देश, 2016 में धोखाधड़ी की निगरानी और केवाईसी निर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने पर 13.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि सभी मामलों में, नियामक अनुपालन में कमियों के लिए जुर्माना लगाया गया है। इसका उद्देश्य संस्थाओं द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

GDP के मोर्चे पर आई गुड न्यूज, Fitch ने भारत की रेटिंग में किया इजाफा

नई दिल्ली. फिच रेटिंग्स ने मजबूत घरेलू मांग और व्यापार एवं उपभोक्ता भरोसे में सुधार के कारण अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अपने अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है।चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान देश की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। ऐसे में फिच का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहेगी। यह सरकार के 7.6 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा अधिक है।

रेटिंग एजेंसी ने अपने नवीनतम 'वैश्विक आर्थिक परिदृश्य' में कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि घरेलू मांग के साथ तिमाही अनुमानों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। निवेश वृद्धि सालाना आधार पर 10.6 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि निजी खपत 3.5 प्रतिशत ऊंची रही है।इसके साथ ही फिच रेटिंग्स ने 2024 के लिए अपने वैश्विक वृद्धि के अनुमान को भी 0.3 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 2.4 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि निकट भविष्य में वृद्धि की संभावनाओं में सुधार हुआ है। फिच रेटिंग्स ने अमेरिका की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 2.1 प्रतिशत कर दिया है। दिसंबर, 2023 के वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में यह अनुमान 1.2 प्रतिशत का था।

इसमें कहा गया, ''अमेरिका की वृद्धि की संभावनाएं बेहतर होने से चीन के वृद्धि अनुमान में मामूली कटौती का असर नहीं पड़ा है। चीन के वृद्धि दर के अनुमान को 4.6 से घटाकर 4.5 प्रतिशत किया गया है।'' इसके साथ ही फिच रेटिंग्स ने यूरो क्षेत्र के वृद्धि के अनुमान को 0.7 प्रतिशत से संशोधित कर 0.6 प्रतिशत कर दिया है।

झूम रहा है शेयर बाजार, सेंसेक्स 602 अंक चढ़ा, निफ्टी में 0.70% की तेजी, निवेशक गदगद

नई दिल्ली. शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी है। बीएसई सेंसेक्स कल के मुकाबले आज यानी गुरुवार को 72,570.10 पर ओपन हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 21,982.55 पर ओपन हुआ था। निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि कल के मुकाबले आज शेयर बाजार में कम गिरावट देखने को मिली है। दोपहर 1.10 मिनटः भले ही आज शेयर बाजार की शुरुआत अच्छी ना रही हो लेकिन मार्केट ने जिस तरह से वापसी की है उससे निवेशकों की खुशी का ठिकाना नहीं है। दोपहर 1.10 मिनट पर बीएसई सेंसेक्स 411.99 अंक या फिर 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,173.88 पर ट्रेड कर रहा था। इससे पहले सेंसेक्स 602 अंकों की बढ़त के साथ 73,364.30 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी में भी तेजी देखने को मिली है। एनएसई 155.05 अंक या फिर 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,152.75 पर ट्रेड कर रहा था। सुबह 11.20 बजेः शेयर बाजार आज गिरावट के साथ खुला था। लेकिन कुछ ही देर के बाद स्टॉक मार्केट में रिकवरी देखने को मिली। सुबह 11.20 मिनट पर सेंसेक्स 0.24 प्रतिशत या फिर 175.72 अंक की तेजी के साथ 72,937.61 पर ट्रेड कर रहे थे। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,075.00 अंक पर ट्रेड कर रहा था। बता दें, सेंसेक्स का इंट्रा-डे हाई 72,994.49 अंक और निफ्टी-50 का 22,098.50 अंक है।

निफ्टी में अडानी एंटर प्राइजेज, कोल इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, हिंडाल्को के शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक से अधिक की तेजी देखने को मिली है। दूसरी तरफ बजाज फाइमेंस, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है।

कल निवेशकों को हुआ था 13.47 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

शेयर बाजार में भारी बिकवाली के बीच बुधवार को निवेशकों के 13.47 लाख करोड़ रुपये डूब गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 900 अंक से अधिक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 906.07 अंक यानी 1.23 प्रतिशत गिरकर 72,761.89 पर बंद हुआ। कारोबार दौरान यह 1,152.25 अंक तक टूट गया था।

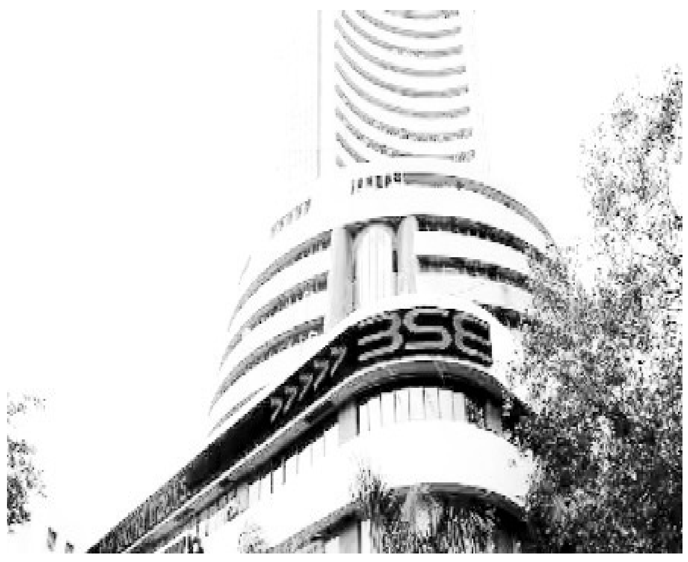

दिल्ली में मकान चाहिए तो रेडी टू मूव बेच रहा है डीडीए, खरीदने से पहले देखें सभी डिटेल्स

नई दिल्ली. अगर आप दिल्ली में मकान खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपके पास शानदार मौका है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) की ओर से रेडी टू मूव मकान बेचे जा रहे हैं। डीडीए की ओर से ये मकान फेस्टिवल स्पेशल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत बेचे जा रहे हैं। इस चरण में मकानों की बुकिंग 14 मार्च यानी गुरुवार से शुरू होगी। इसमें ईडब्ल्यूएस से एचआईजी कैटेगरी के फ्लैट 15 से 25 फीसदी की छूट पर उपलब्ध होंगे। डीडीए के मुताबिक, सभी फ्लैट रहने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फ्रीहोल्ड होने क साथ ये पहले आओ, पहले पाओ (FCFS) के आधार पर उपलब्ध हैं। इन फ्लैट को खरीदने के इच्छुक लोग डीडीए की वेबसाइट से इस बारे में ज्यादा जानकारी हासिल कर सकते हैं। डीडीए की उक्त आवासीय योजना के अंतर्गत ये फ्लैट नरेला, रामगढ़ कालोनी, जसोला, रोहिणी, लोकनायक पुरम और सिरसपुर में स्थित हैं। यहां हम आपको इन सभी फ्लैटों के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। जिससे आपको किसी तरह की कोई समस्या न हो। आईए आपको बताते हैं डीडीए के इन फ्लैटों के बारे में।

छूट पर मिल रहे फ्लैट

रामगढ़ कालोनी में डीडीए की ओर से एलआईजी फ्लैट 15 फीसदी डिस्काउंट पर उपलब्ध हैं। रामगढ़ कालोनी में 211 फ्लैट बेचे जा रहे हैं। यह जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के करीब हैं। इन फ्लैट की कीमत 13.1-14.5 लाख रुपये से शुरू है। वहीं यहां पर डीडीए का एमआईजी फ्लैट (टू रूम प्लस लिविंग रूम) की कीमत 85 लाख रुपये तक है। वहीं जसोला में आठ एचआईजी फ्लैट करीब दो करोड़ रुपये से शुरू हैं। रोहिणी में 838 एलआईजी फ्लैट की शुरुआती कीमत 14.1 लाख रुपये है। सिरसपुर में 107 एलआईजी फ्लैट की कीमत 17.41 लाख रुपये से शुरू है। वहीं लोकनायकपुरम में 89 एलआईजी फ्लैट करीब 27 लाख से शुरू है।

मुकेश अंबानी की रिलायंस ने क बड़ी डील! पैरामाउंट ग्लोबल में खरीदेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली. मुकेश अंबानी लगातार अपने कारोबार का विस्तार क रहे हैं। हाल ही में उन्होंने डिज्नी के साथ डील की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड वायकॉम-18 मीडिया में पैरामाउंट ग्लोबल (Paramount Global) की हिस्सेदारी खरीद सकती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज पैरामाउंट ग्लोबल की कुल 13.01त्न हिस्सेदारी को खरीदने जा रही है। दोनों कंपनियों के बीच यह डील 517 मिलियन डॉलर यानी करीब 4,286 करोड़ रुपये में हुई है। इस डील के पूरा हो जाने के बाद वायाकॉम 18 में रिलायंस की हिस्सेदारी 57.48त्न से बढ़कर 70.49 फीसदी हो जाएगी। वायाकॉम में पैरामाउंट ग्लोबल जो 13.01त्न हिस्सेदारी बेच रही है, वह उसके दो सब्सिडियरी कंपनियों की है। पिछले काफी दिनों से कई रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि पैरामाउंट ग्लोबल इंडिया मीडिया ज्वाइंट वेंचर में अपनी हिस्सेदारी रिलायंस को बेचने पर विचार कर रही है।

मजबूत होगी पकड़

डिज्नी के साथ कई अरब डॉलर के समझौते के बाद, यह कदम दिग्गज अंबानी की देश के तेजी से बढ़ते मीडिया बाजार पर पकड़ को मजबूत करेगा। बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिज्नी का मर्जर पिछले महीने 28 फरवरी को अनाउंस हुआ था। पैरामाउंट ग्लोबल के पास इस डील के पूरा होने के बाद भी वायाकॉम 18 के कंटेंट के लाइसेंस का काम जारी रहेगा। पैरामाउंट के कंटेंट फिलहाल रिलायंस के जियोसिनेमा पर स्ट्रीम किए जाते हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और वाल्ट डिज्नी कंपनी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह भारत के टीवी और स्ट्रीमिंग मीडिया एसेट का मर्जर करने जा रही है। इससे एंटरटेनमेंट कारोबार में 70000 करोड़ रुपये की एक नई दिग्गज कंपनी का विस्तार होगा कैलेंडर वर्ष 2024 या साल 2025 की पहली तिमाही में ज्वाइंट वेंचर का यह काम पूरा हो जाएगा।

सबसे बड़ी कंपनी

रिलायंस भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनी है, जिसका मार्केट कैप 19.52 लाख करोड़ रुपये है। 31 मार्च 2023 के अनुसार, रिलायंस का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 9,74,864 करोड़ है।

भारत के बाद अब अमेरिका में भी बैन होगा TikTok! बिल पास, प्रतिबंध से बचने के लिए यह है शर्त

नई दिल्ली. अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक विधेयक पारित किया, जिसके तहत लोकप्रिय वीडियो ऐप टिकटॉक का चीनी मालिक अगर इसे नहीं बेचता है तो ऐप पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाया जाएगा। अमेरिकी सांसदों ने कंपनी की वर्तमान स्वामित्व संरचना को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक खतरा मानते हुए यह कदम उठाया है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक के पक्ष में 352 और विपक्ष में 65 वोट पड़े, जिससे यह विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया।

क्यों बैन करने की है तैयारी?

अब यह विधेयक सीनेट में जाएगा, जहां इसके पारित होने की संभावनाएं स्पष्ट नहीं हैं। अमेरिका में टिकटॉक के 15 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। टिकटॉक, चीनी प्रौद्योगिकी फर्म बाइटडांस लिमिटेड के पूर्ण मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी है। सांसदों का तर्क है कि बाइटडांस चीनी सरकार के समक्ष नतमस्तक है, जो जब चाहे अमेरिका में टिकटॉक के उपयोगकर्ताओं के डेटा तक पहुंच की मांग कर सकती है। चीन के कई सारे राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों से यह खतरा उपजा है, जो संगठनों को खुफिया जानकारी एकत्र करने में सहयोग के लिए मजबूर करता है।

कैथी मैकमॉरिस रॉजर्स ने कहा, हमने टिकटॉक को साफ-साफ शब्दों में विकल्प चुनने का मौका दिया है। अपनी मूल कंपनी बाइटडांस से अलग हो जाइए, जो सीसीपी (चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी) के आगे नतमस्तक है और अमेरिका में अपना संचालन जारी रखिये। वहीं अगर आप सीसीपी के पक्ष में हैं तो परिणाम भुगतिये। फैसला टिकटॉक को करना है।

भारत पहले ही कर चुका है बैन

भारत पहले ही टिकटॉक सहित कई चीनी ऐप को बैन कर चुका है। भारत ने भी सुरक्षा के ही नजरिए से इस चीनी ऐप को बैन किया था। बता दें, जब भारत में यह चीनी ऐप बैन हुआ था तब इसके करोड़ों यूजर्स थे। और यह लोगों के बीच काफी लोकप्रिय था।

गोल्ड लोन देने में गड़बड़ी पर फाइनेंस मिनिस्ट्री ने बैंकों को किया आगाह, जानिए क्या है मामला

गोल्ड लोन देने में गड़बड़ी पर मिनिस्ट्री ने सभी सरकारी बैंकों को सतर्क किया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 4 मार्च को एक आदेश में आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड को ऐसा लोन देने से रोक दिया था। सोने का भाव तेजी से चढ़ने के चलते गोल्ड लोन से जुड़ा रिस्क बढ़ा है।

नई दिल्ली. गोल्ड लोन देने के मामले में सब कुछ ठीक नहीं है। यह बात सरकार की नजर में आई है। इस बात को लेकर चिंता बढ़ी है कि उचित मात्रा में गोल्ड गिरवी रखवाए बगैर लोन दिया जा रहा है। इससे जुड़ा रिस्क सोने के दाम तेजी से चढ़ने के चलते बढ़ गया है, क्योंकि कुछ बैंक टॉप-अप लोन भी देने लगे हैं। इसे देखते हुए मिनिस्ट्री ने सभी सरकारी बैंकों को सचेत किया है। बैंकों से कहा गया है कि वे अपने गोल्ड लोन पोर्टफोलियो की जांच-पड़ताल करें और जहां भी जरूरी हो, मामला दुरुस्त करें।

गोल्ड लोन से जुड़े मामले में ही RBI ने 4 मार्च को एक आदेश में IIFL फाइनेंस लिमिटेड को ऐसा लोन देने से रोक दिया था। दरअसल कुछ बैंक लेंडिंग बढ़ाने की आपाधापी में जोरशोर से गोल्ड लोन देने लगे हैं। बैंकों के गोल्ड लोन में पिछले सालभर में 17 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया है। सोने का भाव तेजी से चढ़ने के चलते गोल्ड लोन से जुड़ा रिस्क बढ़ा है। सालभर में सोने का भाव भी करीब 17 प्रतिशत चढ़ा है। हाल में MCX पर गोल्ड का भाव 66356 रुपये के नए हाई पर चला गया था।

मिनिस्ट्री ने बैंकों को भेजा था पत्र

मिनिस्ट्री के सूत्रों ने बताया कि गोल्ड लोन पर इंटरेस्ट तय करने में गड़बड़ी के अलावा यह भी देखा गया है कि कई मामलों में लोन देने के दिन ही या उसके कुछ ही दिनों बाद कैश रीपेमेंट के जरिए एकाउंट क्लोज कर दिया गया। इसे देखते हुए मिनिस्ट्री ने बैंकों को पिछले महीने पत्र भेजा था। उनसे कहा गया कि पहली जनवरी 2022 से लेकर 31 जनवरी 2024 तक उन्होंने जो भी गोल्ड लोन दिया है, उसकी जांच-पड़ताल करें। बैंकों से यह देखने को कहा गया है कि जो लोन दिया गया, उसके बदले सही मात्रा में कोलैटरल गोल्ड लिया गया था या नहीं। जूलरी की वैल्यू और प्योरिटी आरबीआई के नियमों के अनुसार चेक की गई थी या नहीं। बैंकों से कहा गया है कि इन दो वर्षों में जो लोन अकाउंट क्लोज किए गए, उनकी भी जांच की जाए। आरबीआई के नियमों के अनुसार, बैंक या गोल्ड लोन देने वाली फाइनैंस कंपनियां जूलरी की 75 प्रतिशत वैल्यू तक ही लोन दे सकते हैं।

जांच करने के निर्देश

मिनिस्ट्री के सूत्रों ने बताया कि गोल्ड लोन पर इंटरेस्ट तय करने में गड़बड़ी के अलावा यह भी देखा गया है कि कई मामलों में लोन देने के दिन ही या उसके कुछ ही दिनों बाद कैश रीपेमेंट के जरिए एकाउंट क्लोज कर दिया गया।

इसे देखते हुए मिनिस्ट्री ने बैंकों को पिछले महीने पत्र भेजा था। उनसे कहा गया कि पहली जनवरी 2022 से लेकर 31 जनवरी 2024 तक उन्होंने जो भी गोल्ड लोन दिया है, उसके बदले सही मात्रा में कोलेटरल गोल्ड लिया गया था या नहीं।

खुदरा के बाद थोक महंगाई पर भी गुड न्यूज, फरवरी में इतने फीसदी आई गिरावट

नई दिल्ली. देश में महंगाई से परेशान आम आदमी के लिए अच्छी खबर है। भारत में पिछले महीने यानी फरवरी में थोक महंगाई (**Wholesale Inflation**) कम होकर 0.20 फीसदी पर आ गई है। महंगाई का ये 4 महीने का निचला स्तर है। नवंबर में महंगाई 0.26त्न रही थी। खाद्य पदार्थों की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी के बावजूद थोक मुद्रास्फीति की दर फरवरी में कम हुई है।

थोक मूल्य सूचकांक (**WPI**) पर आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक नकारात्मक दायरे में थी, लेकिन नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत पर सकारात्मक हो गई थी। एक साल पहले फरवरी, 2023 में महंगाई दर 3.85 प्रतिशत रही थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी करते हुए कहा, अखिल भारतीय डब्ल्यूपीआई संख्या पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर फरवरी 2024 के महीने में 0.20 प्रतिशत (अस्थायी) रही है।

सब्जियां हुई महंगी

आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में खाद्य मुद्रास्फीति जनवरी के 6.85 प्रतिशत से मामूली रूप से बढ़कर 6.95 प्रतिशत हो गई। सब्जियों की महंगाई दर जनवरी के 19.71 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 19.78 प्रतिशत हो गई। दालों की थोक महंगाई दर फरवरी में 18.48 प्रतिशत रही जबकि जनवरी में यह 16.06 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बयान में कहा कि ईंधन और ऊर्जा खंड में महंगाई दर फरवरी में 1.59 प्रतिशत और घट गई। जनवरी में इस खंड में 0.51 प्रतिशत की अपस्फीति दर्ज की गई थी।

इनमें आई गिरावट

विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में भी जनवरी के 1.13 प्रतिशत की तुलना में 1.27 प्रतिशत की गिरावट आई। थोक मूल्य सूचकांक से थोक बाजार में उत्पादकों को मिलने वाली कीमतों के बारे में पता चलता है। लेकिन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर दर्ज खुदरा मुद्रास्फीति इन उत्पादों की खुदरा कीमतों को दर्शाती है। भारतीय रिजर्व बैंक अपने मौद्रिक नीति कदमों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति को ही आधार बनाता है। कुछ दिन पहले जारी आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में खुदरा मुद्रास्फीति 5.09 प्रतिशत थी और लगातार छठे महीने आरबीआई के छह प्रतिशत के संतोषजनक दायरे के भीतर रही।

देश में थोक महंगाई में गिरावट आई है। फरवरी में थोक महंगाई कम होकर 0.20 फीसदी पर आ गई है। एक महीने पहले यह 0.27 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किए गए डेटा के मुताबिक, फरवरी 2023 की बात करें तो थोक महंगाई तब 3.85 फीसदी रही थी।

स्मोकिंग छोड़ने में हो रही है मुश्किल, तो इन तरीकों से बनाएं इसे आसान

स्मोकिंग एक ऐसी आदत है जो हमारी सेहत को काफी नुकसान पहुंचाती है। इसकी वजह से कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में इसे लेकर जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को No Smoking Day मनाया जाता है। इस मौके पर जानते हैं कुछ ऐसी टिप्स के बारे में जो स्मोक छोड़ने में मददगार होंगी।

हमारे आसपास कई सारे लोग स्मोकिंग करने के आदि हैं। इन दिनों धूम्रपान लोगों की लाइफस्टाइल का एक अहम हिस्सा बन चुका है। हालांकि, यह सेहत के लिए कितना हानिकारक है, यह सभी जानते हैं। लगातार स्मोकिंग करने से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, लेकिन बावजूद इसके लोग इसे छोड़ नहीं पाते हैं। दरअसल, धूम्रपान एक ऐसी आदत है जिसे छोड़ना या कम करना लोगों के लिए मुश्किल होता है। ऐसे में इससे होने वाले नुकसानों के प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को मनाया जाता है।

ऐसे में यह दिन स्मोकिंग को गुड बाय कहने का एक बढ़िया मौका है। हालांकि, स्मोक छोड़ना काफी मुश्किल भरा टास्क होता है। अगर आप भी उन लोगों में से एक हैं, जो स्मोकिंग छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आपके लिए यह मुश्किल हो रहा है, तो आप इन टिप्स की मदद से धूम्रपान छोड़ सकते हैं।

ट्रिगर से बचें

स्मोकिंग छोड़ने के लिए सबसे पहले खुद को ट्रिगर से बचाएं। इन ट्रिगर्स में ऐसी स्थितियां शामिल हो सकती हैं, जिनमें आप पहले धूम्रपान करते थे, जैसे पार्टियों में, शराब पीते समय या तनाव में। ट्रिगर करने वाली स्थितियों की पहचान कर इनसे दूरी बनाकर आप काफी स्मोकिंग छोड़ने में सफल हो सकते हैं। अगर आपको तलब लग रही है, तो डार्क चॉकलेट खा सकते हैं।

फिजिकल एक्टिविटी

स्मोकिंग छोड़ने के लिए फिजिकल एक्टिविटी बेहद जरूरी है। शारीरिक गतिविधि आपका ध्यान धूम्रपान से भटका सकती है। ऐसे में आप एक्सरसाइज, खेल, योग, वॉकिंग, डीप ब्रीथ और डांस आदि की मदद से अपनी तलब को शांत कर सकते हैं। आप चाहें तो अपने शौक की गतिविधि जैसे राइटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, पेंटिंग आदि की भी मदद ले सकते हैं।

एक बार भी न करें

अक्सर स्मोकिंग छोड़ने की कोशिश के दौरान लोग तलब लगने पर सिर्फ एक बार का सोचकर धूम्रपान कर लेते हैं। हालांकि, यह आपके साथ धोखे की तरह होगा, क्योंकि सिर्फ एक बार की यह सोच आपको फिर से स्मोकिंग करने के लिए मजबूत कर सकती है। एक के बाद आपकी फिर से स्मोक करने की इच्छा हो सकती है, जो धूम्रपान छोड़ने की आपकी मेहनत पर पानी फेर सकती है।

हेल्दी फूड्स खाएं

सिगरेट की तलब से निपटने के लिए आप अपनी डाइट में भी बदलाव कर सकते हैं। स्मोक का मन होने पर आप हार्ड कैंडी, कच्ची गाजर, बादाम, मखाने, या सूरजमुखी के बीज खा सकते हैं। इसके अलावा आप अपनी डाइट में ज्यादा फल, अंडे, साबुत अनाज और प्रोटीन शामिल कर सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित होंगे।

एक वैलिड कारण खोजें

स्मोकिंग छोड़ने के लिए एक वैलिड वजह खोजें। आप इसके लिए स्वास्थ्य में सुधार या फेफड़ों के कैंसर, हार्ट डिजीज या अन्य बीमारियों के होने की संभावना को कम करने, अपने परिवार को पैसिव स्मोक से बचाने या आध्यात्मिक कारण का चुनाव कर सकते हैं। यह एक वजह आपको धूम्रपान करने की इच्छा पर काबू करने में मदद करेगी।

कुछ छोटे और बहुत से बड़े इरादों को लेकर आया है सीएए

सीएए को लागू किया जाना विपक्ष को चेतावनी की घंटी के रूप में लेना चाहिये। यदि भाजपा को इस बार भी पूर्ण बहुमत मिलता है तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत को एक बड़ा बदलाव देखना होगा। इसकी आशंका लगभग तभी से व्यक्त की जा रही है जब भाजपा को 2014 में सरकार बनाने का मौका मिला था। यदि अगले कार्यकाल में उसे बड़ा बहुमत मिला तथा उसकी सरकार बनती है तो संविधान में किसी भी तरह के बदलाव के लिये तैयार रहना होगा- लोकतांत्रिक प्रणाली के बदले एकदलीय व्यवस्था से लेकर राष्ट्रपति शासन व्यवस्था- कुछ भी लागू हो सकती है।

ऐसे वक्त में जब देश आम चुनावों की दहलीज पर है, भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट- सीएए), 2019 को सोमवार को अधिसूचित कर अपने कई इरादों को जाहिर कर दिया है। भाजपा के एकमात्र चेहरे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि में लगातार गिरावट तथा उनकी सरकार की सभी मोर्चों पर नाकामियां दर्ज होने के बाद सीएए लाना यही बतलाता है कि 10 वर्षों तक सरकार चलाने के बाद भी पार्टी का एकमात्र हथियार अब भी ध्रुवीकरण ही है। इतना ही नहीं, सीएए लागू करने के बाद केन्द्र सरकार अगर तीसरा कार्यकाल पाने में सफल हो जाती है तो वह और क्या करने जा रही है- इसका भी संकेत इसी में छिपा हुआ है। मोदी व भाजपा को तीसरी बार सत्ता में लाना देश के लिये कितना खतरनाक हो सकता है- सम्भवतः यह समझ विपक्षी दलों एवं इंडिया गठबन्धन को इससे हो जानी चाहिये। हालांकि देखना यह भी होगा कि सीएए भाजपा ऐसे वक्त पर भी लेकर आई है जब वह इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में सुप्रीम कोर्ट के कठघरे में है जहां से यह संदेश देश भर में चला गया है कि उसने देश के धनिक वर्ग से खूब पैसे बटोरे हैं।

सीएए काफी समय से लम्बित था। 2019 में पहले लोकसभा और फिर राज्यसभा से यह पारित तो हो गया था परन्तु कोरोना के कारण इसे लागू नहीं किया गया था। इसका मकसद तीन पड़ोसी देशों- पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं अफगानिस्तान से आने वाले वहां के अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करना है जो उन देशों में धार्मिक रूप से प्रताड़ित हैं। ये सारे ही गैर मुसलिम समुदाय हैं। यह कह देना और इतना ही समझ लेना पर्याप्त नहीं है कि इलेक्टोरल बॉन्ड्स पर सरकार की हो रही फजीहत से ध्यान बंटाने के लिये भाजपा सरकार सीएए लेकर आई है।

राममंदिर का मुद्दा जिस प्रकार से औंधे मुंह गिरा है, भाजपा को साम्प्रदायिक मुद्दों की ज़रूरत अब भी बनी हुई है जो इसी चुनाव में और उसके बाद भी सामाजिक ध्रुवीकरण के विमर्श को जिलाये रखे। इस मामले को केवल यह मानकर भी परे नहीं सरका दिया जाना चाहिये कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कह दिया है कि %यह नागरिकता छीनने का नहीं बल्कि पड़ोसी मुल्कों से आने वाले प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने का कानून है% (31 दिसम्बर 2014 के पहले भारत में आ गये थे)। पहले भी जब यह कानून लाया गया था तभी यह साफ हो गया था कि यह भेदभाव पर आधारित है क्योंकि इसमें म्यांमार जैसे देश के रोहिंग्या मुसलमान शामिल नहीं है जो वहां धार्मिक आधार पर प्रताड़ित हो रहे हैं। यह कानून उसी लाइन पर बना है जो भाजपा के साम्प्रदायिक एजेंडे के अनुकूल है। वैसे भी इसे तब मानवीयता के खिलाफ बतलाया गया था और देश की उस नीति के विरूद्ध भी जिसका आजादी के बाद से पालन होता आया है।2019 में जब यह कानून आया था तब और अब की सामाजिक व राजनीतिक परिस्थितियों में बड़ा फर्क आया है। अब मोदी और उनकी पार्टी जो तीसरी मर्तबा सरकार में आने की इच्छुक है, वह देश में बड़े बदलाव लाने के इरादे रखती है। इनमें सर्वोपरि है संविधान को बदलना। इसे पार्टी की ओर से कभी स्पष्ट तौर पर तो नहीं घोषित किया गया है लेकिन संविधान को लेकर जो विचार पार्टी रखती है और कई बार भाजपा से जुड़े लोग यदा कदा जाहिर करते रहते हैं, वह सब इसी दिशा की ओर इंगित करता है।

वैसे भी मोदी का दिया नाराअबकी बार 400 के पार% भाजपा की ज़रूरत है जिसके बल पर संविधान को रद्द किया जा सकता है। इस लिहाज से देखें तो सीएए तो प्रवेश द्वार है जिसे पार करने के बाद राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) तथा राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने का मार्ग प्रशस्त हो जायेगा। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जिस एनआरसी को असंवैधानिक करार दिया गया था, उसे नये रंग-रोगन के साथ भाजपा सरकार लागू करने पर आमदा है। मूल रूप से इसे लेकर असम एवं पश्चिम बंगाल में बड़ा असंतोष था (अब भी है)।

भाजपा पहले भी इसे लागू करना चाहती थी पर विभिन्न कारणों से ऐसा वह कर नहीं पायी थी। तीसरी बार मोदी इन्हें लागू करने के लिये ही सत्ता में आना चाहते हैं। नागरिकों पर कई तरह से निगरानियां होने एवं नागरिकता छीनने के हथियार किसी भी सरकार के पास उपलब्ध हो जायेंगे तो नागरिक स्वतंत्रता का क्या होगा, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। पुराने दस्तावेजों के आधार पर लोगों की नागरिकता की शर्त को वे ही लोग पूरा कर सकेंगे जिनका जीवन सुव्यवस्थित व सुविधापूर्ण है। गरीब, दलित, अल्पसंख्यक, प्रवासी मजदूर, किसान, आदिवासियों जैसे वर्गों के लिये अपनी नागरिकता साबित करना मुश्किल हो जायेगा। यह आशंका पहले भी व्यक्त की गयी थी, अब उसका खतरा कहीं साकार रूप में सामने आता दिख रहा है। सीएए को लागू कर भाजपा ने एक तरह से इसका ऐलान कर ही दिया है।सीएए को लागू किया जाना विपक्ष को चेतावनी की घंटी के रूप में लेना चाहिये। यदि भाजपा को इस बार भी पूर्ण बहुमत मिलता है तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत को एक बड़ा बदलाव देखना होगा। इसकी आशंका लगभग तभी से व्यक्त की जा रही है जब भाजपा को 2014 में सरकार बनाने का मौका मिला था। यदि अगले कार्यकाल में उसे बड़ा बहुमत मिला तथा उसकी सरकार बनती है तो संविधान में किसी भी तरह के बदलाव के लिये तैयार रहना होगा- लोकतांत्रिक प्रणाली के बदले एकदलीय व्यवस्था से लेकर राष्ट्रपति शासन व्यवस्था- कुछ भी लागू हो सकती है। एक ऐसा शासन देखने को मिल सकता है जिसमें भाजपा के अलावा सारे दल समाप्त हो सकते हैं और जिस कांग्रेस मुक्त से विपक्ष मुक्त भारत का सपना भाजपा देखती आ रही है- उसे वह पा सकेगी। सम्भावित प्रणाली में वह सब होता दिखेगा जिसकी झाकियां पिछले 10 वर्षों से देशवासी देखते आ रहे हैं। इसमें बहुसंख्यकों का वर्चस्व होगा व अल्पसंख्यक दोयम दर्जे के समझे जायेंगे। भाजपा के अनुषांगिक संगठन एवं मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिस मनुस्मृति का जिक्र बहुत आत्मीयता से करता है तथा उसे लागू होते देखना चाहते हैं, उसमें देर नहीं लगेगी। इसमें कोई शक नहीं कि भाजपा एवं उसके समविचारी संगठनों का भारतीय संविधान में कोई विश्वास नहीं है। विकल्प के रूप में उनके पास मनुस्मृति ही है।अगर ऐसा है तो एक बार फिर से भारतीय समाज गैरबराबरियों से परिपूर्ण होगा। बहुसंख्यकों व अल्पसंख्यकों के बीच ही नहीं वरन हिन्दुओं के बीच अगड़ों व पिछड़ों के बीच खाई गहराएगी।

समाज का यह विभाजन ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज दोनों ही होगा। यानी हिन्दू-मुसलिम टकराव के साथ सवर्णों की दलितों-पिछड़ों-अति पिछड़ों के साथ वैमनस्यता और भी बढ़ेगी- जो पहले भी चिंताजनक स्तर पर पहुंच गयी है। महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले निम्नतर माना जायेगा। एक समाजवादी अर्थव्यवस्था के बदले देश में पूंजीवादी अर्थप्रणाली लागू होगी।देश के सारे अवसरों तथा संसाधनों पर कुछ शक्तिशाली लोगों का ही कब्जा होगा। निर्णय करने के अधिकार भी सीमित हाथों में सिमटकर रह जायेंगे। जिस प्रकार से मोदी के शासनकाल में देखा गया है कि संसद व कार्यपालिका दोनों ही दो व्यक्तियों (मोदी-शाह) के इशारों पर काम करती है- वही स्वीकृत प्रणाली होगी।

संपादकीय

सीएए का असल मकसद

केंद्र सरकार ने नागरिकता संशोधन एक्ट यानी सीएए को आखिरकार लागू करने का फैसला सुना ही दिया है। सोमवार दिन में सारे देश में इस बात पर चर्चा चल रही थी कि चुनावी बॉंड के आंकड़े दिखाने में टालमटोल करने वाले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को सुप्रीम कोर्ट ने जो कड़ा आदेश दिया है, उसका क्या असर भाजपा और नरेन्द्र मोदी पर होगा, लेकिन शाम होते-होते चर्चा का रुख ही बदल गया। पहले खबर आई कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन करने वाले हैं, जिससे कयास लगने लगे कि अब साहब कौन सा फरमान सुनाने वाले हैं।

नोटबंदी और लॉकडाउन की उनकी घोषणाओं के बाद अब प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को सहज रूप में नहीं लिया जाता है। हालांकि जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि प्रधानमंत्री कोई संबोधन नहीं कर रहे हैं और उन्होंने अग्नि 5 के परीक्षण पर बधाई का ट्वीट किया है। लेकिन इस ट्वीट के फौरन बाद ही यह खबर आ गई कि सरकार ने सीएए के नियमों की अधिसूचना जारी कर दी है और इसी के साथ यह क़ानून देश में लागू हो गया है।

गौरतलब है कि 2019 में ही केंद्र सरकार ने सीएए को संसद के दोनों सदनों से पारित करवा लिया था और इस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर भी तभी हो गए थे। यानी सरकार के पास इसे लागू करने के लिए पर्याप्त समय था। संसदीय कार्य नियमावली के मुताबिक राष्ट्रपति की मंजूरी के छह महीने के अंदर किसी भी कानून के नियम तय किए जाने चाहिए या फिर सरकार को लोकसभा और राज्यसभा में अधीनस्थ विधान समितियों से विस्तार मांगना होता है। 2020 से ही गृह मंत्रालय सीएए के नियम बनाने के लिए संसदीय समितियों से समय-समय पर विस्तार मांगता रहा, दूसरे शब्दों में कहें तो सीएए लागू करने को टालता रहा। शायद भाजपा इसके लिए माकूल वक्त के इंतजार में थी या इसे किसी ट्रंप कार्ड की तरह इस्तेमाल करने की फिराक में थी। तभी चुनाव की घोषणा के कुछ दिनों पहले सीएए को लागू करने का ऐलान हुआ है।यह सर्वविदित है कि राम मंदिर के उद्घाटन के नाम पर ध्रुवीकरण की जो कल्पना भाजपा ने की थी, वो पूरी नहीं हुई। लोगों के सामने रोजगार और महंगाई के सवाल धर्म से अधिक महत्वपूर्ण बन कर खड़े हो गए। अलग-अलग राज्यों में जिस तरह भाजपा सरकारों की पूरी की पूरी कैबिनेट सामूहिक दर्शन के लिए अयोध्या पहुंच रही है, उससे यही नजर आ रहा है कि लोगों को किसी भी तरह राम मंदिर की याद दिलाई जा रही है, ताकि चुनाव में उसका लाभ मिल सके। राम मंदिर का कार्ड नहीं चल पाया तो अब सीएए का कार्ड चला गया है।ज्ञात हो कि नागरिकता कानून में संशोधन के बाद अब इसका जो रूप सामने आया है, उसमें संविधान की मूल भावना का उल्लंघन है। संविधान का अनुच्छेद 14 नागरिकों को समानता का अधिकार देता है, किसी भी तरह के भेदभाव को नकारता है। लेकिन इस कानून में नागरिकता का प्रावधान ही धर्म के आधार पर है। सीएए के तहत 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ़ग़ानिस्तान केवल इन तीन देशों से भारत आए गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों यानी हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय को नागरिकता देने की व्यवस्था की गई है। अब तक किसी भी व्यक्ति को भारतीय नागरिकता लेने के लिए कम से कम 11 साल भारत में रहना अनिवार्य था, लेकिन सीएए के साथ ही पड़ोसी देशों के अल्पसंख्यकों के लिए यह समय अवधि 11 साल से घटाकर 6 साल कर दी गई है।पहली नजर में देखने पर यह व्यवस्था वसुधैव कुटुंबकम और शरणागत की रक्षा जैसे महान विचारों को धरातल पर लाने की प्रतीत होती है। लेकिन इसमें बड़ी चालाकी से विभाजन के तत्व शामिल किए गए हैं क्योंकि इसमें केवल गैर मुस्लिमों को नागरिकता का प्रावधान है, श्रीलंका में सताए हुए तमिल और म्यांमार के रोहिंग्या मुसलमानों के लिए यह सदाशयता नहीं दिखाई गई है। सीएए में भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की साजिश भी नजर आती है। कुछ दिनों पहले भाजपा सांसद अनंत हेगड़े ने कहा था कि 4 सौ सीटें संविधान बदलने और हिंदू धर्म की रक्षा के लिए चाहिए। इसका मतलब है कि भाजपा संविधान बदलने की नीयत रखती है। श्री मोदी ने अभी अपने सांसद के बयान का खंडन नहीं किया है,.

लोकसभा चुनाव में धन खर्च का बन सकता है रिकार्ड

प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और राजस्व खुफिया निदेशालय सहित लगभग 20 केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की संयुक्त सेवाओं का उपयोग करके चुनाव में अवैध धन के प्रभाव को रोकने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की नवीनतम पहल सबसे अधिक स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि निगरानी और जांच एजंसियों से अपेक्षा की जाती है कि वे हवाई अड्डों, हेलीपैडों और चार्टर्ड उड़ानों पर माल की आवाजाही पर नजर रखें। कानून-व्यवस्था की स्थिति कड़ी की जायेगी, हालांकि यह पूरी तरह से राज्यों की जिम्मेदारी है।

भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) भले ही संदिग्ध चुनाव प्रचार प्रथाओं, जो पिछले कुछ वर्षों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया को तेजी से भ्रष्ट कर रहा है, को नियंत्रित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हो, सत्तारूढ़ राजनीतिक पार्टी के व्यवहार को प्रभावित करना या निर्देशित करना उसके लिए आसान नहीं है।

पार्टियों और उनके उम्मीदवारों द्वारा प्रति लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की आधिकारिक खर्च सीमा 75 लाख से 90 लाख रुपये के बीच है। संघीय सरकार चुनाव कराने के लिए अनुमानित सकल व्यय का लगभग 10प्रतिशत वहन करती है। आधिकारिक तौर पर, इसने 2014 के लोकसभा चुनाव के लिए 38.70 अरब रुपये खर्च किये। शेष राशि राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों ने खर्च की। हालांकि, कानूनी रूप से लेखा व्यय उम्मीदवारों और उनकी पार्टियों द्वारा खर्च की गई वास्तविक राशि का केवल एक अंश दर्शाता है। अनौपचारिक रूप से या वास्तविक स्थितियों में, उम्मीदवार द्वारा खर्च किया गया धन आधिकारिक खर्च सीमा से 10 से 15 गुना या उससे भी अधिक हो सकता है। चुनाव आयोग इस बारे में कुछ नहीं कर सका।चुनाव अभियान का खर्च उम्मीदवारों और नकद धन उत्पन्न करने की उनकी क्षमता के अनुसार अलग-अलग होता है। सत्ताधारी दल के उम्मीदवार आम तौर पर सरकारी ठेकों या खर्चों से अवैध रूप से एकत्र किये गये गंदे धन, सभी प्रकार के अवैध व्यवसायों, रिश्वत, नौकरियों के लिए नकद और हवाला लेनदेन आदि से सुसज्जित होते हैं। काले धन के पहाड़ों पर बैठकर, वे सरकारी सत्ता बरकरार रखने और अगले चुनाव होने तक अधिक पैसा कमाने के लिए चुनाव जीतने के लिए बेतहाशा खर्च करते हैं। उनका मकसद किसी भी संभव तरीके से चुनाव जीतना है। वास्तविक मतदाताओं को वोट डालने से रोकने के लिए गलत मतदान और बाहुबलियों का इस्तेमाल असामान्य नहीं है, हालांकि असाधारण मामलों में समस्याग्रस्त बूथों पर दोबारा चुनाव होते हैं। दुर्भाग्य से, चुनाव और नयी सरकार के गठन के बाद सीमित प्रशासनिक अधिकार और शक्ति के साथ, ईसीआई शायद ही कभी सत्तारूढ़ दल के विजयी उम्मीदवार को अयोग्य ठहरा सकता है।

फिर भी, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और राजस्व खुफिया निदेशालय सहित लगभग 20 केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की संयुक्त सेवाओं का उपयोग करके चुनाव में अवैध धन के प्रभाव को रोकने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की नवीनतम पहल सबसे अधिक स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि निगरानी और जांच एजंसियों से अपेक्षा की जाती है कि वे हवाई अड्डों, हेलीपैडों और चार्टर्ड उड़ानों पर माल की आवाजाही पर नजर रखें। कानून-व्यवस्था की स्थिति कड़ी की जायेगी, हालांकि यह पूरी तरह से राज्यों की जिम्मेदारी है। हिंसा, आतंकी रणनीति और प्रभाव का उपयोग बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बलों की तैनाती की योजना के बारे में राज्य पुलिस के नोडल अधिकारी को सभी राजनीतिक दलों को सूचित करना होगा। ये स्वतंत्र, निष्पक्ष और राजनीतिक उकसावे से मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सीईसी द्वारा निर्देशित कई अन्य कदमों में से कुछ हैं।ऐसा नहीं है कि पहले के चुनावों में ऐसे कदम नहीं उठाये गये, लेकिन वे अपेक्षित परिणाम देने में विफल रहे। चुनाव अभियानों में नकदी बंडलों का उपयोग बड़े पैमाने पर और बढ़ रहा है। राज्यों में सत्तारूढ़ दल और उनके उम्मीदवार हमेशा पुलिस और प्रशासन के समर्थन और सहयोग से पूरी कमान संभाले हुए हैं। अपने चुनाव अभियान को मजबूत करने के लिए उम्मीदवारों के पास अवैध धन का प्रवाह जारी है। ऐसा माना जाता है कि 543 सीटों के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में प्रमुख राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों द्वारा रिकॉर्ड नकद व्यय देखा जायेगा, जो पिछले सभी रिकॉर्ड को तोड़ देगा। दिल्ली स्थित सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के मुताबिक, इस बार कुल खर्च 1.2 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा हो सकता है, जो 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के समय खर्च किये गये 144 बिलियन अमेरिकी डॉलर से काफी अधिक होगा।चुनावी बांड प्रणाली को खत्म करने से आगामी चुनाव में प्रचार खर्च पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है, हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राज्य स्तर पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को थोड़ा झटका लग सकता है। 2017-18 से 2022-23 के बीच 12,008 करोड़ के चुनावी बांडों की बिक्री हुई, जिसमें भाजपा को करीब 55 फीसदी या 6,564 करोड़ रुपये मिले। कांग्रेस को केवल 1,135 करोड़ रुपये मिले। दिलचस्प बात यह है कि राज्य स्तरीय पार्टी टीएमसी को इसी अवधि के दौरान 1,096 करोड़ रुपये मिले, जो किसी क्षेत्रीय पार्टी द्वारा प्राप्त सबसे बड़ी रकम है। 2022-23 में राजनीतिक दलों के चुनावी बांडफंडिंग पर एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, यह पता चला कि मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी, जिसका प्रबंधन पी वी कृष्णा रेड्डी, अदारपूनावाला के नेतृत्व वाले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, और लक्ष्मी मित्तल की आर्सेलर मित्तलनिप्पॉन स्टील इंडिया तीन शीर्ष दान दाताओं के रूप में उभरे हैं।माना जाता है कि चुनावी बांड प्रणाली खत्म होने के बावजूद राजनीतिक दलों ने आगामी चुनाव अभियान में खर्च करने के लिए बड़ी मात्रा में नकद धन इकट्ठा कर लिया है। राज्यों में सत्तारूढ़ दलों सहित अधिकांश दलों ने बहु-स्तरीय चुनाव अभियान एजेंडे तैयार किये हैं। उदाहरण के लिए, एक राज्य स्तरीय सत्ताधारी पार्टी के नेता ने घोषणा की है कि वह अपने राज्य भर में 1,00,000 दर्शकों के लक्ष्य के साथ 100 बैठकें आयोजित करेगा। कुछ ही लोग ऐसी विशाल सभाओं के आयोजन के संभावित खर्च का अनुमान लगा सकते हैं, जिसमें दूर-दराज के गांवों से प्रत्येक आयोजन स्थल तक प्रतिभागियों की यात्रा, उनके रात्रि प्रवास, खाद्य आपूर्ति और नकद उपहार की लागत शामिल है।फरवरी के बाद से, सत्तारूढ़ राजनीतिक दल के बॉस नयी परियोजनाओं की घोषणा करने, शिलान्यास करने और योजनाओं का उद्घाटन करने की होड़ में लगे हुए हैं। पिछले महीने से विभिन्न आकृतियों और आकारों की हजारों परियोजनाओं की घोषणा की गयी है। लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों से पहले सत्ताधारी दलों द्वारा विकास, रोजगार सृजन और नये अवसरों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से मतदाताओं को प्रभावित करना एक नियमित अभ्यास है। इनमें से अधिकांश परियोजनाएं शायद ही धरातल पर आती हैं। सरकारी सेवकों के लिए वेतन वृद्धि के रूप में अतिरिक्त नकद सहायता की घोषणा की जा रही है। चुनाव आयोग इस तरह के चुनाव पूर्व राजनीतिक झांसे और खैरात को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकता है।सरकार और चुनाव आयोग असहमत हो सकते हैं, परन्तु यह सच है कि भ्रष्ट चुनाव प्रणाली कुछ राजनीतिक दलों को भ्रष्टाचार को और अधिक संस्थागत बनाने के लिए कई कार्यकालों तक सत्ता में बने रहने में मदद कर रही है। तंत्र लगातार जटिल और बोझिल होता जा रहा है, जो भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली की सफलता के लिए एक बड़ी चुनौती है। जैसा कि पूर्व सीईसी एस वाईकुरैशी का मानना है कि राजनीतिक दलों द्वारा असीमित चुनाव खर्च के कारण चुनाव की %शुद्धता% खतरे में है। चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने वाले गैर-सत्तारूढ़ दलों के लिए कोई समान अवसर नहीं है।

कहीं गायब न हो जाएं... पोलर बियर

दोस्तों, पोलर बियर बर्फ की सफेद चादर में रहना पसंद करते हैं। अगर कभी बर्फ का तूफान आ जाए तो ये अपनी मम्मी के साथ बर्फ की गुफाओं में जा छिपते हैं। पिछले कुछ सालों में इनकी संख्या तेजी से कम हुई है। इस बार हम तुम्हें बता रहे हैं पोलर बियर से जुड़ी कई मजेदार बातें...

कुछ साल पहले पोलर बियर ने वैज्ञानिकों को खूब छकाया था। दरअसल, वैज्ञानिकों की एक टीम इनकी गिनती करने निकली थी, लेकिन न जाने इन्हें कैसे पता चला और ये गुफा से बाहर ही नहीं निकले। कितने दिन बीत गए, वैज्ञानिक हैरान-परेशान थे। बर्फ में इनका पता लगाना काफी मुश्किल था। तब वैज्ञानिकों ने इंफ्रारेड कैमरे से इनकी गिनती की योजना बनाई, पर ये भालू 'मिस्टर इंडिया' से कम नहीं। इंफ्रारेड रोशनी में तो ये बिल्कुल ही अदृश्य से हो गए। वैज्ञानिक बस उनकी आंखें और नाक देख सकते थे, पर पूरा भालू देखने में असमर्थ रहे। हालांकि बाद में इनकी गिनती का काम पूरा किया गया। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसा सच में हो सकता है कि कुछ समय बाद पोलर बियर कहीं दिखें ही नहीं। दरअसल, इनकी संख्या काफी तेजी से कम हो रही है। चलो पहले ये जानते हैं कि ये होते कैसे हैं-

कहां से आए ये...

साक्ष्यों को देखते हुए ऐसा माना जाता है कि वैज्ञानिक नाम उर्सूस मार्टीमस यानी पोलर बियर की उत्पत्ति पांच मिलियन वर्ष पहले हुई थी और इनके पूर्वज ब्राउन बियर थे। पोलर बियर मुख्य रूप से आर्कटिक महासागर और इस तरह के बर्फीले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

किन देशों में मिलते हैं...

भालुओं की यह प्रजाति लगभग 20 हजार साल से धरती के सबसे विषम स्थिति वाले क्षेत्रों में पाई जाती है, अमेरिका के अलास्का, कनाडा, रूस, ग्रीनलैंड और नार्वे में।

बर्फ की गुफाओं में बचपन

तीन महीने की उम्र में ये गुफा में रहना छोड़ देते हैं और अपनी मां के साथ बर्फ में रहना सीखते हैं। हां, तेज तूफान में ये मां के साथ बर्फ की गुफाओं में छिप जाते हैं। इनके बच्चे प्रतिदिन 12 मील की दूरी तय करते हैं। इनके बच्चे ढाई वर्ष तक अपनी मां के साथ ही रहते हैं, ताकि ये शिकार करना सीख लें।

कितने वजनदार हैं ये

एक नर पोलर बियर का वजन लगभग 775 से 1200 पाउंड यानी 350 से 680 किलोग्राम होता है, जबकि मादा का वजन 500 से 600 पाउंड यानी 227 किलो से 272 किलोग्राम होता है। दूसरे शब्दों में मादा का वजन नर के मुकाबले करीब आधे से भी कम होता है। इनके नवजात का वजन एक पाउंड से थोडम ज्यादा होता है। अभी पोलर बियर की संख्या 25,000 के आसपास है।

कैसे दिखते हैं...

अधिकतर समय समुद्र में बिताने वाले इन भालुओं की जीभ का रंग नीला होता है। हमारे तो 32 दांत होते हैं, पर इनके कुल 42 दांत होते हैं। इनके शरीर पर सफेद फरों के अंदर काले फर होते हैं। इनके तलवे खुरदुरे होते हैं, जिससे ये बर्फ पर फिसलते नहीं, बल्कि आसानी से चलते हैं। इनकी त्वचा काली होती है और बाल रंगहीन होते हैं, लेकिन इनके बाल रोशनी को रिफ्लेक्ट यानी परावर्तित करते हैं, जिससे ये सफेद कोट की तरह दिखते हैं।

काफी सफाई पसंद होते हैं...

ये काफी सफाई पसंद होते हैं। खाने के बाद तैर कर ये अपने शरीर को साफ कर लेते हैं या बर्फ में लुढ़क कर भी गंदगी साफ करते हैं।

अच्छे तैराक भी...

अपने लैटिन नाम समुद्री भालू या सी बियर के अनुसार सच में ये काफी अच्छे तैराक होते हैं। एक घंटे में 6 मील की दूरी आसानी से तैर कर पार कर लेते हैं। तैरने में तो इतने माहिर होते हैं कि ओलंपिक विजेता तैराकों को भी शर्मिंदा कर दें। ये 100 मील की दूरी तक बिना रुके एक बार में तैराकी कर सकते हैं, यानी एक घंटे में 6 मील।

गंध लेने में माहिर हैं ये...

एक किलोमीटर की दूरी पर ये सील को उसकी महक से पता लगा लेते हैं और अपनी भूख मिटाने का इंतजाम आसानी से करते हैं। अपनी सूंघने की क्षमता से ही अपने शिकार के बारे में जान जाते हैं। इनका मुख्य भोजन मछलियां, सील, ऊदबिलाव जैसे जीव होते हैं।

ओलंपिक के लिए बने शुभंकर

कनाडा में आयोजित 1998 के शीतकालीन ओलंपिक में इन्हें शुभंकर यानी मैस्कट के लिए चुना गया था।

खतरे में हैं ये जीव

पोलर बियर की औसत उम्र 25 साल होती है। पोलर बियर की घटती संख्या को देखते हुए अब कई देश इसके शिकार पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। कनाडा तो पोलर बियर पर टिकट भी जारी कर चुका है। शिकार के अलावा इन्हें सबसे ज्यादा खतरा ग्लोबल वार्मिंग से है, क्योंकि इस वजह से आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ तेजी से पिघल रही है और जब बर्फ ही नहीं रहेगी तो वहां रहने वाले जीव कब तक रह पाएंगे। पर्यावरणविदों व मौजूदा हालात इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि पृथ्वी से कुछ समय में इस अत्यंत दुर्लभ प्राणी का अस्तित्व पूरी तरह खत्म होने वाला है। एक रिपोर्ट के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग अगर मौजूदा स्तर से ही बढ़ती रही तो अगले 100 साल में दुनिया में एक भी पोलर बियर नहीं बचेगा। इनकी 19 प्रकार की जातियों में से आठ की संख्या गंभीर तौर पर गिर रही है और ये संकटग्रस्त हो चुकी हैं।

खत्म हो रहा इनका भोजन

पोलर बियर को दुनिया का सबसे बड़ा मांसभक्षी जानवर माना जाता है। इस दुर्लभ होते जा रहे जीव के लिए सीलों की घटती संख्या को भी खतरा माना जा रहा है। ये भालू अपने भोजन के लिए सिर्फ सील पर निर्भर होते हैं। समुद्र में अब सीलों की संख्या भी लगातार घट रही है। जब इन्हें खाने को नहीं मिलेगा, तो वह कब तक जीवित रह पाएंगे। समुद्र में फैले जहरीले पदार्थों से भी खतरा पैदा हो रहा है। इसके अलावा आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती मानवीय गतिविधियां भी इनके प्राकृतिक निवास को प्रदूषित कर रही हैं।

इंटरनेशनल पोलर बियर डे

27 फरवरी को इंटरनेशनल पोलर बियर डे घोषित किया गया है। यह ईवेंट लोगों में जागरुकता जगाने के लिए आयोजित किया गया है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से इन पर खतरा है। इनके आवास के साथ-साथ इनका भोजन भी छिन रहा है। पिघलती बर्फ जहां इन्हें बेघर कर रही है, तो समुद्री जीवों की कम होती संख्या से इनका आहार भी कम होता जा रहा है। इन मासूम जीवों को जीवित रखने के लिए हमें ही कुछ उपाय करना होगा, ताकि जलवायु पर असर न हो और बर्फ का पिघलना रुक सके।

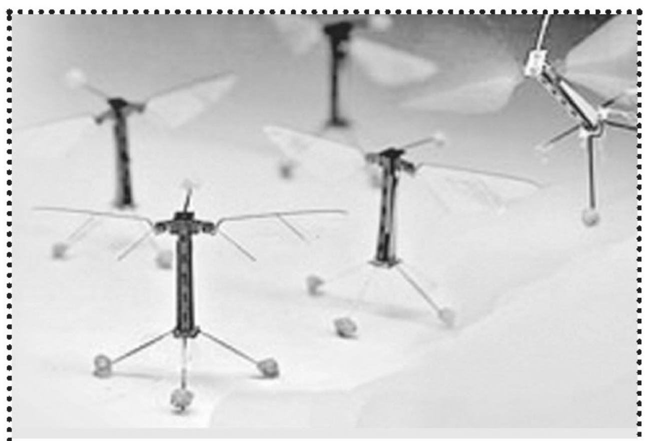

बड़े काम का है नन्हा 'टर्मिस'

दीमक के मिलजुल कर बड़े-बड़े टीले खड़े कर देने की कला से सीख लेते हुए, अमेरिकी वैज्ञानिकों ने उन्हीं की तरह कार्य करनेवाले नन्हें रोबोट बनाए हैं। ये रोबोट ऐसी जगहों पर बड़ी-बड़ी चीजें बना सकते हैं, जहां इंसान का भी कोई बस नहीं चलता। ये यांत्रिक जीव बड़ी-बड़ी ईंटों को उठा कर एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकते हैं। सीढ़ियां और पिरामिड भी बना सकते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनुसार, दीमक रोबोट बड़े काम का है और मिलजुल कर बड़े काम को भी आसानी से कर लेता है। इस नन्हें रोबोट्स को टर्मिस नाम दिया गया है। इसे बहुत कम निर्देशों की जरूरत होती है। टर्मिस को इस तरह से प्रोग्राम किया गया है कि यह अपना काम खुद करने में सक्षम है। जिस कॉन्सेप्ट पर टर्मिस को बनाया गया है, उसे स्टिगमर्जी कहते हैं। यह एक तरह की अंदरूनी व्यवस्था है, जिसमें अगर बाहरी वातावरण में कोई बदलाव आए तो उससे एक-एक कर सभी मशीनें खुद ही हरकत में आ जाती हैं।

बच्चों, गुड़िया से तुम भी खेल रहे हो, तुम्हारी मां के पास भी थी हसीन गुड़िया, और तो और नानी-दादी के जमाने में भी लोकप्रिय था गुड्डे-गुड़ियों का खेल। बस रूप बदलता गया। नहीं विश्वास होता तो पूछो नानी या दादी से। खुश हो बखान करेंगी अपनी गुड़िया की खूबसूरती।

गुड़िया रानी की कहानी...

गुड़िया शब्द सुनते ही आंखों के सामने सुंदर और प्यारी गुड़िया की छवि आ जाती है। तुम्हारे पास भी होंगी न डॉल्स...आंखें मटकाने वाली, बटन दबाते ही हंसने वाली, नाचने वाली...। सुलाओ तो सो जाती है, उठाओ तो उठ जाती है, चलाओ तो चल जाती है। सोचो कि उनका मूड खराब है तो उदास दिखती है, सोचो खुश है तो हंस देती है। ऐसी ही है न तुम्हारी डॉल...पर कभी सोचा कि तुम्हारे हाथों में जो चहेती गुड़िया है, ये आई कहां से? इसी गुड़िया से तुम भी खेल रहे हो, तुम्हारी मां के पास भी थी हसीन गुड़िया, और तो और नानी-दादी के जमाने में भी लोकप्रिय था गुड्डे-गुड़ियों का खेल। बस रूप बदलता गया। नहीं विश्वास होता तो पूछो नानी या दादी से। खुश हो बखान करेंगी अपनी गुड़िया की खूबसूरती।

कब आईं डॉल्स

17वीं शताब्दी में यूरोप में बनने वाली लकड़ियों की गुड़िया बड़ी प्रसिद्ध थी, जिसे खूबसूरत रंगों से रंग कर फैशनेबल कपड़ों में सजा दिया जाता था। लेकिन 19वीं और 20वीं सदी में इनका महत्व घट गया। ये काफी सस्ती हो गईं। फिर आया पोर्सलेन डॉल्स का जमाना, जिसकी उत्पत्ति चीन में हुई। इसे बनाने के लिए सांचे का निर्माण किया गया, जिसमें इनके सिर को ढाला जाता था। बाद तक इन डॉल्स के सिरों को विभिन्न देशों में निर्यात किया जाता रहा। गुड़िया बनाने में फ्रांस भी आगे रहा है। इसके बाद 19वीं सदी में आकर फैशन डॉल्स का चलन बढ़ गया, जो आज भी तुम्हारे हाथों में है बार्बी डॉल के रूप में। बार्बी के नाम से ही तुम सबके चेहरे खिल जाते हैं। पर पता है इसका जन्म तुम्हारे जन्म से बरसों पहले हो चुका था। वर्ष 1959 में ही रुथ हैंडलर ने फैशन डॉल के रूप में बार्बी को लॉन्च किया। उस वक्त जो डॉल चलन में थीं, वे छोटे बच्चों को प्रदर्शित करती थीं। तब रुथ ने बड़ी लड़कियों की तरह एक डॉल बनाने की सोची और जर्मनी की डॉल लिली को देखकर उनके दिमाग में बार्बी का आइडिया आया। बार्बी नाम रुथ की बेटी बारबरा के नाम पर दिया गया था। इस तरह न्यूयॉर्क के अमेरिकन अंतरराष्ट्रीय खिलौनों के मेले में 9 मार्च 1959 को बार्बी लॉन्च की गई।

यूं निखारें त्वचा और बाल

जब भी प्राकृतिक माइश्चराइजर की बात आती है तो कई लोग चिंता में पड़ जाते हैं। यहां कुछ जादुई प्राकृतिक रैसिपीज आपके लिए प्रस्तुत हैं जो बहुत ही कम समय में आपकी त्वचा तथा बालों में तबदीली लाएंगी। आप इन्हें ताजा-ताजा भी इस्तेमाल कर सकती हैं या दो दिन तक इन्हें रैफ्रीजरेटर में स्टोर कर सकती हैं। यह प्राकृतिक माइश्चराइजर आपकी त्वचा की चमक वापस लाते हैं तथा आपके बालों को पोषण देते हैं।

त्वचा के लिए माइश्चराइजर्स

■ एक चम्मच शहद में एक केला मैश करके अपनी त्वचा पर 10 मिनट के लिए लगाएं।

■ सूर्य की रोशनी से खराब हुई शुष्क त्वचा के लिए ग्लिसरीन, शहद तथा जैतून के तेल के दो चम्मच बहुत लाभदायक रहते हैं।

■ एक चम्मच ताजा क्रीम के साथ बादाम के तेल की मालिश मृत व शुष्क त्वचा को सुकोमल बनाती है।

■ सर्द मौसम में त्वचा की समस्याओं के लिए शहद मिश्रित पपीता, एक चम्मच चिरौंजी तथा बिना जर्दी के अंडे का मिश्रण एक शानदार ड्राई स्किन मास्क का काम करता है।

■ एक चम्मच ताजा क्रीम तथा बिना जर्दी के एक अंडे के साथ एक चम्मच वालनट्स तथा पिसे बादामों के एक चम्मच का मिश्रण सर्दियों में त्वचा के लिए दागों की समस्या का मुकाबला करने हेतु बेहतर रहता है।

■ एक विटामिन ई का कैप्सूल एक मैश किए हुए केले के साथ मिश्रित करें तथा त्वचा की मालिश करें।

■ एक बिना जर्दी के अंडे के साथ शहद मिला कर इसे चेहरे पर एक मास्क की तरह लगाएं। यह पपड़ीनुमा तथा शुष्क त्वचा के लिए बहुत लाभदायक है।

■ एक चम्मच बादाम के तेल के साथ, एक चम्मच शहद, दूध तथा मूंगफली का पाऊडर मिक्स करें तथा इससे त्वचा को हल्का-सा रगड़ें।

हेयर माइश्चराइजर्स

■ पांच बड़े चम्मच शहद लेकर तेल लगे बालों में इससे मालिश करें, 20 मिनट के बाद शैम्पू कर लें।

■ शानदार चमक के लिए 2 अंडों में गर्म जैतून के तेल को मिला कर बालों में लगाएं। 40 मिनट बाद शैम्पू कर लें।

■ एक लिटर पानी में 2 चम्मच शहद मिला कर इसे एक लीव इन कंडीशनर की तरह इस्तेमाल करें।

■ दूध, आधा कप ताजा गुलाब का पेस्ट तथा एक कप जावाकुसुम के पत्तों का पेस्ट लें तथा सिर की त्वचा व बालों में इससे मालिश करें। गर्म पानी से धो कर हल्का-सा शैम्पू कर लें।

■ 4 बड़े चम्मच नारियल का तेल, 2 बड़े चम्मच ग्लिसरीन तथा 2 बड़े चम्मच नीम का पेस्ट लेकर सिर की शुष्क त्वचा में मालिश करें ताकि बैक्टीरिया, फंगल इंफैक्शन या खारिश की समस्या से बचा जा सके।

■ आंवला, रीठा तथा शिकाकाई पाऊडर प्रत्येक के 2 बड़े चम्मच तथा 2 अंडे लें तथा बालों की डीप कंडीशनिंग के लिए एक हेयर मास्क की तरह लगाएं।

■ गुंथे हुए पपीते, केले तथा सेब प्रत्येक के तीन चम्मच लेकर चटनी बना कर हेयर मास्क की तरह लगाएं। यह बालों को कंडीशन करता है।

खूबसूरत एड़ियों के लिए

किसी ऊंची जगह पर बैठकर लटकाकर पैरों के पंजों को गोल-गोल कई बार घुमाएं।
पैरों की उंगलियों पहले तो अपनी तरपफ खीचें फिर बाहर की तरफ खीचें।

- एक्यूप्रेशर विधि से भी एड़ी में खून का दौरा बढ़ने से दर्द में राहत मिलती है।
- रोज दिन में कई बार गर्म पानी से एड़ी की सिकाई करें।
- एड़ी में दर्द निवारक मरहम लगाएं।
- पंजों और एड़ी के जोड़ों तथा मांसपेशियों की कसरत करनी चाहिए।
- अगर एड़ी में चोट लग जाती है तो इस अवस्था में एड़ी की दस मिनट तक बर्फसे मालिश करनी चाहिए।
- रोज नमक के गर्म पानी में पैर चलाने की क्रिया करें।
- एड़ी के दर्द के रोगी को इस रोग से छुटकारा पाने के लिए पौष्टिक आहार लेना चाहिए।
- रोगी को वसा रहित आहार लेना चाहिए।
- ज्यादा तले-भुने खाद्य पदार्थ रोगी को नहीं खाने चाहिए।
- रोगी को ज्यादा मीठे तले खाद्य पदार्थ भी नहीं खाने चाहिए।

हम तो यही कहेंगे कि स्मार्ट व छरहरा दिखाई देने के लिए विभिन्न तरीके इस्तेमाल अवश्य करिए पर इस चक्कर में अपनी सेहत से खिलवाड़ कभी भी न करें। याद रखिए सेहत है तो सब कुछ है, फिर यहाँ तो उन एड़ियों की बात हो रही है जिन पर हमारे पूरे शरीर का भार रहता है।

आलू-दही रायता

सामग्री : दही आधा कि.ग्रा, आलू 250 ग्राम, सेंधा नमक 2 छोटे चम्मच, शक्कर 3 बड़े चम्मच, किशमिश 1 छोटा चम्मच, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट 1 चम्मच, पाव काली मिर्च।

सजाने के लिए : किशमिश, भुना हुआ जीरा, हरा धनिया।

विधि : आलुओं को उबाल कर मसल लें। इसमें सेंधा नमक, काली मिर्च, शक्कर और दही अच्छी तरह मिला लें। इस मसाले में किशमिश, अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट मिलाकर धनिए और भुने जीरे से सजाकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2019

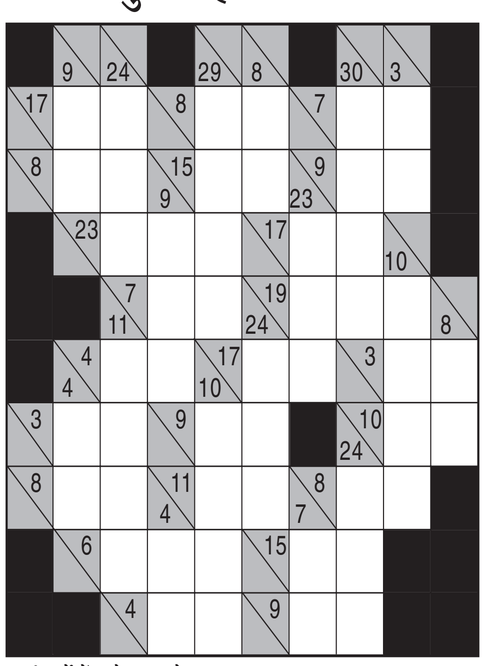

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

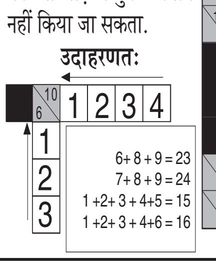

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2018 का हल

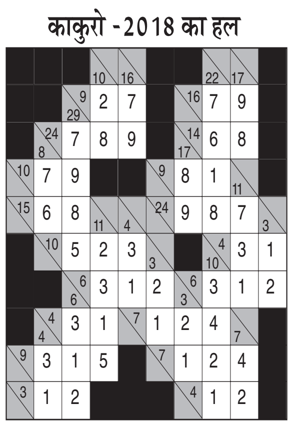

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

□ □ □

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

□ □ □

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली - 2019

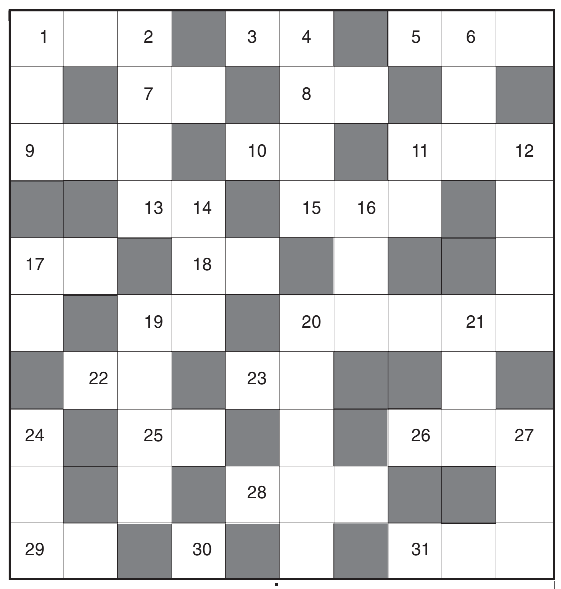

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2018

अ	मृ	त		गु	स		दी		घा
क्स		ह	म	ला		अ	दा	ल	त
	खे	ल		म	न		र		क
सं		का	का		गी	ता		जू	
घ	र		ज	मा	ना		श	ही	द
र्ष		मि	ल	न			र्मि		ट्रे
	ज्वा	ला		अ	ल	बे	ला		न
झु		प		भि		टा		औ	
म	र्द			मा	ला			जा	न
रू		अ	र्जु	न		पु	का	र	

सूडोकु -2019

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2018 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 2019

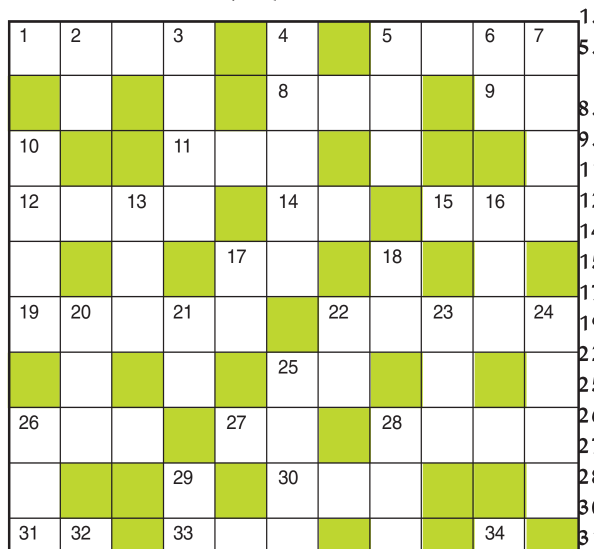

बाएँ से दाएँ

1. धरोहर,थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा,विश्वास-3
12. दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर,घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत,होशियारी-5
25. डूबा हुआ,समाप्त-2
26. तीक्ष्ण,तेज-3
27. अधर्म,अपकृत्य-2
28. मनमौजी,चंचल-4
30. हत्या,वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति,सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ,मरीज-3
6. दम,ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत,मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर,राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश,मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली -2018 का हल

	रा	ज	कु	मा	र		म	नो	ह	र
दौ	र		ली		ख	न	न		र	वा
ल		जा	न	व	र		न	ल		य
त	न	य			खा	र		की	म	त
खा		दा		ना	व		ड		दा	
ना	र	द	मु	नी		प	र	व	री	श
	म्ता		ख		स	द		र्ध		क
भ	र	ना		स	भा			मा	हि	र
या		का	का		भ	द्दा	प	न		कं
न	न		त	ना	व		ह		दा	द
क	म	जो	र		न	ग	र	वा	सी	

अनिल बलूनी की उम्मीदवारी में इन कामों का रहा अहम रोल, क्यों जताया भरोसा

देहरादून. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तराखंड की गढ़वाल लोकसभा सीट से अनिल बलूनी को चुनावी मैदान में उतारने का ऐलान किया है। भाजपा प्रत्याशी बनाए गए बलूनी ने राज्यसभा सांसद के रूप में उत्तराखंड को कई प्रोजेक्ट दिलाए। राज्यसभा सांसद के रूप में वे अन्य सांसदों पर भारी पड़े।

बलूनी का राज्यसभा सांसद के रूप में दो अप्रैल को कार्यकाल खत्म हो रहा है। वे भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख का दायित्व भी निभा रहे हैं। बलूनी ने सबसे पहले कोटद्वार, रामनगर और उत्तरकाशी अस्पतालों में आईसीयू के लिए अपने निधि से बजट जारी किया था। इसके बाद उन्होंने उत्तराखंड का प्रमुख त्योहार इगास को नई पहचान दिलाई। बाद में सरकार को इस पर्व पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करना पड़ा। लैंसडौन में डॉप्लर राडार, उत्तराखंड के लिए दो ट्रेनों का संचालन, मोहंड में मोबाइल टावर लगाने और पौड़ी में तारामंडल बनाने के लिए अपनी निधि दी।

हाईकमान ने पहले ही दे दिए थे संकेत

भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी गढ़वाल सीट पर शुरू से ही टिकट के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। राज्यसभा के लिए उनको दोबारा न भेजकर पार्टी ने पहले ही संकेत दे दिए थे। बलूनी इससे पहले 2005 के विधानसभा उपचुनाव में कोटद्वार से चुनाव लड़ चुके हैं। गढ़वाल लोकसभा सीट के दावेदारों के लिए मौजूदा सांसद तीरथ रावत के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत का भी नाम शामिल था।

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने जमीन पर किया अवैध कब्जा? ईडी रेड में मिले 100 से ज्यादा कागजात

ईडी ने दूसरे दिन भी बड़कागांव कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के आवास पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान अंबा प्रसाद के यहां से 100 से अधिक जमीन की डीड मिली। वहीं करीबी के घर से बैंक की फर्जी मुहरें मिलीं।

रांची. जमीन कब्जा, रंगदारी व अवैध बालू कारोबार से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के केस में ईडी ने दूसरे दिन बुधवार को भी बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, उनके पिता व पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के हजारीबाग में हुरहुरू स्थित आवास पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान अंबा प्रसाद के यहां से 100 से अधिक जमीन की डीड मिली।

करीबी के यहां बैंकों के फर्जी मुहर बरामद

ईडी ने अंबा प्रसाद के सहयोगी के यहां से एक दर्जन से अधिक बैंकों के फर्जी मुहर बरामद किए। ईडी को आशंका है कि फर्जी कागजात बनाने के लिए विभिन्न बैंकों के फर्जी स्टांप का उपयोग किया जाता होगा। मंगलवार को भी सुबह सात से रात 12 बजे तक अंबा व योगेंद्र समेत सहयोगियों के यहां छापेमारी हुई थी।

ईडी को छापेमारी के दौरान कुल 35 लाख रुपये से अधिक मिले हैं। वहीं, हजारीबाग के पूर्व सीओ व वर्तमान में धनबाद के गोविंदपुर में पोस्टेड सीओ शशिभूषण सिंह के यहां से 15 लाख रुपये मिले हैं। शशिभूषण की भी 100 से अधिक संपत्तियों की जानकारी ईडी को मिली है। हजारीबाग में खासमहल की जमीन कब्जाने में तत्कालीन सीओ शशिभूषण सिंह के साथ अंबा प्रसाद व योगेंद्र साव की मिलीभगत की जांच भी ईडी कर रही है।

शशिभूषण ने इस मामले में पहले थाने में नामजद आवेदन दिया था, इसके बाद आवेदन को परिवर्तित कर दिया था। जमीन कब्जा व अवैध बालू कारोबार में प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत के पहलुओं पर भी जांच की जा रही है।

भाजपा ने चुनाव का ऑफर ठुकराने पर ईडी भेजा

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने ईडी की छापेमारी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें हजारीबाग और चतरा से लोकसभा चुनाव लड़ने का ऑफर दिया था। लगातार प्रेशर दिया जा रहा था। नहीं मानने पर ईडी को भेज दिया। अब पूरे परिवार को परेशान किया जा रहा है। अंबा ने कहा कि इसकी सूचना उन्होंने कांग्रेस प्रभारी को दे दी थी। घर पर आरएसएस के लोग बैठे रहते थे। हजारीबाग में उनका परिवार मजबूत है। बड़कागांव से लगातार परिवार के सदस्य जीतते आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में भी उन्हें मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

36 घंटे बाद भी ईडी के सामने नहीं पहुंची अंबा

कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के हुरुहुरु स्थित आवास पर बुधवार को दूसरे दिन की छापेमारी जारी रही। वहां से ईडी को मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं। आय से अधिक स्त्रोतों की जानकारी मिली है। जमीन पर अवैध तरीके से कब्जे के दस्तावेज मिले हैं।

कई राजनेताओं और पदाधिकारियों से मोबाइल और व्हाट्सएप चैट पर बातचीत और पैसे के लेनदेन प्रमाण मिले हैं। वहीं 20 से अधिक मोबाइल और सात लैपटॉप और अन्य डिजिटल उपकरण को जब्त कर ले गई है।

बस के ड्राइवर को पुलिस ने लिए हिरासत में तो किसान स्वयं बस चलाकर दिल्ली को हुए रवाना

आगरा. किसान यूनियन टिकैट के आह्वान पर दिल्ली के रामलीला ग्राउंड में आयोजित महापंचायत में भाग लेने के लिए आगरा से बड़ी संख्या में किसानों का रैला पहुंचा है। भाकियू के जिला अध्यक्ष राजवीर लवानिया में भी पदाधिकारियों के साथ जाने के लिए बस कि थी। पुलिस को इसकी भनक लग गई। पुलिस ने बस के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। इस पर भाकियू जिलाध्यक्ष स्वयं ड्राइवर सीट पर बैठ गए। वे खुद बस चलाकर दिल्ली कि और निकल लिए। बस में सवार सभी पदाधिकारी नारेबाजी करते हुए दिल्ली कि ओर बढ़ रहे हैं।

भिलाई स्टील प्लांट में लगी आग, हुआ करोड़ों का नुकसान

छत्तीसगढ़ के भिलाई स्टील प्लांट में एक बार फिर आगजनी की घटना से कंपनी का करोड़ों का नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि यह भीषण आग अमोनिया स्टीवन टावर में लगी है?।

रायपुर. छत्तीसगढ़ में एशिया के सबसे बड़े स्टील प्लांट में एक बार फिर भीषण आगजनी की घटना हुई है। यह घटना देर रात की बताई जा रही है। इस घटना में भिलाई स्टील प्लांट के अमोनिया स्टीवन टावर जलने से करोड़ों का नुकसान बताया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित स्टील प्लांट में सीसीडी के अमोनिया स्ट्रिपिंग टावर में अचानक रात के करीब 11 बजे आज की लपटे देखी गई।? इसके बाद देखते ही देखते यह आग फैलने लगी। कोको वन के कर्मियों को जैसे इस बात की सूचना मिली उन्होंने फॉरेन फायर ब्रिगेड की टीम को इस बात की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि रात करीब 1 बजे आग पर काबू पाया गया है। वही इस दौरान सीआईएसएफ ने एरिया की घेराबंदी की है। बताया जा रहा है कि इस आगजनी की घटना में कंपनी का करोड़ों का नुकसान हुआ है।

भिलाई स्टील प्लांट में यह कोई पहला हादसा नहीं है। इससे पहले भी यहां कई बार आग? लगने की घटनाएं हो चुकी है। वहीं बीएसपी में हुए हादसे की जांच के लिए प्रबंधन की ओर से एक टीम गठित करने की बात सामने आ रही है, जो आग लगने के कारणों की जांच करेगी। जांच के बाद आग लगने के कारणों की खुलासा हो सकेगा।?

बताया? जा? रहा है कि कोक ओवन की बैटरी-11 से जो गैस निकलती है, उसे फिल्टर कर अमोनिया को अलग किया जाता है। बाई प्रोडक्ट को अलग करने की प्रक्रिया की जाती है। इसके बाद गैस को आगे मिल एरिया में भेजा जाता है। अमोनिया स्ट्रिपिंग टॉवर नई टेक्नोलॉजी की है। इस वजह से भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

दुनिया देखनी थी लेकिन...सरकारी अस्पताल के इनक्यूबेटर में जला नवजात; नर्स ने कपड़े में लपेटकर रिम्स भेजा

रांची. झारखंड के सदर अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में नवजात की जलकर मौत हो गयी। उसे बेहतर उपचार के लिए यहां भर्ती कर इनक्यूबेटर में रखा गया था। लेकिन, वहां जलकर उसकी मौत हो गयी। परिजनों का आरोप है कि छुपाने के लिए वहां की नर्स ने शिशु को कपड़े में लपेटकर व ऑक्सीजन लगाकर रिम्स रेफर कर दिया। जब पिता इटकी निवासी आनंद मसीह लकड़ा बच्चे को लेकर सुबह रिम्स पहुंचे तो डॉक्टर बच्चे को देखकर हैरान रह गए। रिम्स में चिकित्सक ने आनंद को बताया कि बच्चे की मौत रात में ही हो चुकी है। आनंद ने गुरुवार को इस बाबत लिखित शिकायत रांची सिविल सर्जन से की है।

क्या है पूरा मामला

आनंद ने अपनी शिकायत में कहा है कि 13 फरवरी की रात 8:02 बजे सदर अस्पताल में उसकी पत्नी निरीली टोप्पो की डिलिवरी (लड़का) हुई। मां और बच्चा दोनों ठीक था। रात 8:15 बजे बच्चे को यह कहकर एसएनसीयू में भर्ती किया गया, कि बच्चे की धड़कन कम है।

उसके बाद उसे अस्पताल में कुछ नहीं बताया गया। सुबह पांच बजे उसे नर्स ने बुलाकर कहा कि बच्चे की तबीयत ज्यादा खराब है, रिम्स रेफर कर दिया। आनंद ने बताया कि उसने 23 फरवरी को सदर अस्पताल के उपाधीक्षक से इसकी शिकायत की थी, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब गुरुवार को उसने सिविल सर्जन से शिकायत की है।

33 साल बाद बाद चुनावी राजनीति से बाहर हुए रमेश पोखरियाल निशंक, लोकसभा चुनाव में 2 दिग्गजों में फंसे तीरथ सिंह रावत

दो बार हरिद्वार का सांसद रहने के बाद इस बार निशंक का टिकट काटा गया है। निशंक दो बार सांसद रहने के अलावा राज्य के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और विधायक भी रह चुके हैं।

देहरादून. भारतीय जनता पार्टी-बीजेपी ने दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के टिकट काटकर बड़ा झटका दे दिया है। हरिद्वार से डॉ रमेश पोखरियाल निशंक जबकि गढ़वाल से तीरथ सिंह रावत का टिकट काटा गया है। विदित है कि डॉ रमेश पोखरियाल निशंक पिछले 33 सालों से लगातार चुनावी राजनीति में सक्रिय थे।

लेकिन दो बार हरिद्वार का सांसद रहने के बाद इस बार निशंक का टिकट काटा गया है। निशंक दो बार सांसद रहने के अलावा राज्य के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और विधायक भी रह चुके हैं। लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें टिकट देने की बजाए हरिद्वार से नए चेहरे को मौका दिया है।

निशंक का राजनैतिक कैरियर 1991 में कर्णप्रयाग से विधायक का चुनाव जीतकर हुआ था। लेकिन हरिद्वार से टिकट कटने से फिलहाल उस पर ब्रेक लग गया है।

दो दिग्गजों की जंग में उलझे तीरथ

पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत इस बार गढवाल में भाजपा के दो दिग्गजों के बीच उलझकर रह गए। गढ़वाल सीट पर उनके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत और राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी भी दावेदारी कर रहे थे। केंद्र में इन दोनों ही नेताओं की मजबूत पैरवी की वजह से तीरथ पिछड़ गए और आखिरकार उनका टिकट कट गया।

बयानों की वजह से विवादों में आए थे तीरथ

तीरथ सिंह रावत को भाजपा ने 2021 में उत्तराखंड का मुख्यमंत्री भी बनाया था। लेकिन इस दौरान वह अपने बयानों की वजह से विवादों में आ गए। इस वजह से केवल छह महीने के कार्यकाल के बाद ही पार्टी को उन्हें पद से हटाना पड़ा था। तभी से तीरथ का टिकट काटे जाने की चर्चाएं चल रही थी। जिस पर अब पार्टी हाई कमान ने मुहर लगा दी है।

बदलाव की वजह से अटकी थी सीट

भाजपा ने राज्य की तीन लोकसभा सीटों पर पहले ही प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया था। लेकिन गढ़वाल और हरिद्वार सीट को होल्ड पर रख दिया गया था। माना जा रहा था कि पार्टी ने इन दोनों ही सीटों को बदलाव के लिए रोका है और अब नए प्रत्याशी घोषित कर इस पर मुहर लग गई है। पार्टी ने इन दोनों सीटों पर पार्लियामेंट्री बोर्ड की पिछली बैठक में चर्चा की थी।हुई थी।

यतीमखाने से गोद ली गई किशोरी से रेप, 9 साल तक यौन प्रताड़ना, 6 पर मुकदमा दर्ज

राजधानी लखनऊ में यतीमखाने से गोद ली गई किशोरी से रेप का मामला सामने आया है। किशोरी के साथ गोद लेने वाली युवती के पिता, भाई और रिश्तेदारों ने दुराचार किया।

लखनऊ. लखनऊ में चाइल्ड लाइन की टीम ने बुधवार को 15 वर्षीय किशोरी को मुक्त कराया है। किशोरी को छह साल की उम्र में मुमताज यतीमखाने से एक युवती ने गोद लिया था। जिसके बाद से पीड़िता युवती के घर में रह रही थी। जहां किशोरी के साथ गोद लेने वाली युवती के पिता, भाई और रिश्तेदारों ने दुराचार किया। करीब नौ साल से यौन प्रताड़ना झेल रही मासूम ने एक अधिवक्ता की मदद से बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य सुचिता से शिकायत की थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए टीम ने किशोरी को मुक्त कराया। वहीं, किशोरी के बारे में सूचना देने वाले अधिवक्ता ने अमीनाबाद कोतवाली में छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़िता के मुताबिक छह साल की उम्र में मां उसे यतीमखाने में छोड़ गई थी। जिसके बाद अमीनाबाद निवासी युवती ने उसे गोद लिया था। युवती के घर पहुंचने के कुछ दिन बाद से ही किशोरी के साथ गलत हरकत की जाने लगी। गोद लेने वाली युवती के पिता, भाई और रिश्तेदारों ने किशोरी के साथ गलत काम किया। विरोध करने पर कई बार पीटा गया। जिसके कारण से किशोरी गुमसुम रहने लगी। उसके घर से बाहर निकलने पर भी पाबंदी थी। इस बीच गोद लेने वाली युवती की शादी ठाकुरगंज में हो गई। उसके जाने के बाद प्रताड़ना और बढ़ गई थी।

वकील बना मददगार, बाल आयोग में की शिकायत

करीब नौ साल से यौन प्रताड़ना झेल रही किशोरी की मदद अधिवक्ता सैफ मिर्जा ने की। जो आरोपी के घर एक मुकदमे के सिलसिले में आता था। इस दौरान ही अधिवक्ता से किशोरी ने आपबीती बताई थी। यतीमखाने से गोद ली गई किशोरी के साथ हैवानियत की बात सुन कर अधिवक्ता भी सिहर गया। उसने किशोरी से आरोपियों का वीडियो रिकार्ड करने के लिए कहा। सबूत जुटाने के बाद बाल आयोग की सदस्य सुचिता चतुर्वेदी को पूरी घटना के बारे में बताया। किशोरी के साथ यौन शोषण की बात पता चलने पर चाइल्ड लाइन की टीम को रेस्क्यू का जिम्मा सौंपा गया था।

पूछताछ किए जाने पर किशोरी को किया था गायब

शिकायत के आधार पर किशोरी को गोद लेने वाली युवती से पूछताछ की गई थी। जिसके बाद आरोपी युवती बच्ची को अपने ठाकुरगंज स्थित ससुराल लेकर चली गई। पर, दस मार्च को किशोरी वहां से भी गायब कर दी गई। जानकारी जुटाते हुए बुधवार को टीम ने उसे रेस्क्यू किया। जिसके बाद अमीनाबाद कोतवाली पहुंच कर चाइल्ड लाइन की टीम के साथ सैफ ने तहरीर दी। इंस्पेक्टर अमीनाबाद सुनील चंद्र आजाद ने बताया कि सैफ मिर्जा की तहरीर पर गोद लेने वाली युवती, उसके पिता, भाई समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

थम गया उत्तर बिहार के बसों का पहिया, बात नहीं बनी तो अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे ऑपरेटर

बिहार. सरकार से तकरार के कारण उत्तर बिहार के बस ऑपरेटों ने सैकड़ों बसों का परिचालन ठप कर दिया है। तिरहुत प्रमंडलीय आयुक्त के एक फैसले का विरोध करते हुए बस संचालकों ने यह कदम उठाया है। अगर उनके बीच बातचीत कारगर नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन हड़ताल किया जाएगा। इस बीच टैक्सी चलाने वाले यात्रियों के साथ मनमानी करते हुए तय रेट से अधिक किराया वसूल रहे हैं।

दरअसल प्रमंडलीय आयुक्त की ओर से एक से अधिक प्राधिकार क्षेत्र में बसों के परिचालन पर प्रति हस्ताक्षर (काउंटर सिग्नेचर) नहीं होने पर दस हजार रुपये प्रतिदिन जुर्माना वसूलना जा रहा है। आयुक्त के इस निर्देश के खिलाफ गुरूवार को बस ऑपरेटरों उत्तर बिहार में बसों के पहिया को रोक दिया है। बुधवार की मध्य रात्रि से निजी बसों का परिचालन नहीं हो रहा है।

परिचालन ठप पड़ जाने से मुजफ्फरपुर के बैरिया बस स्टैंड में बसों की कतार लगी है। दूसरे जिला जाने वाले यात्री इधर से उधर भटक करें है। इसका फायदा निजी ट्रेवल्स एजेंसी वाले भी उठा रहें है। जंक्शन से खुलने वाली टैक्सी भी सवारियों से डेढ़ा भाड़ा वूसल रहें है।

इस संबंध में बिहार राज्य मोटर फेडेरशन के जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बताया कि फर्स्ट फेज में 13 मार्च की मध्य रात्रि से 14 मार्च की मध्य रात्रि तक हड़ताल का निर्णय लिया गया है। इस दौरान बसों को नहीं चलाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा जुर्माने के इस आदेश से मोटर व्यवसाय को प्रभावित किया जा रहा है। हालात यूं ही बने रहे, तो यह व्यवसाय चौपट हो जायेगा। अगर चौबीस घंटे की हड़ताल के बाद इस निर्णय को वापस नहीं लिया जाता है तो हमलोग अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

सोचो कि झीलों का शहर हो, लहरों पे अपना एक घर हो...। कोई बात नहीं जो झीलों के शहर में लहरों पर अपना घर नहीं, कुछ समय के लिए इसका अनुभव तो कर ही सकते हैं। कहीं झीलों में तैरते घर तो कहीं, उसमें बोटिंग का रोमांचक आनन्द। ऐसी अनेक झीलें हैं हमारे देश में, आओ जानते हैं...

झीलों का शहर झील में घर

चिल्का – एशिया की सबसे बड़ी झील

चिल्का झील एशिया की सबसे बड़ी झील होने का तमगा पा चुकी है। हिमालय क्षेत्र की तरह प्राकृतिक सौंदर्य से भरे ऐसे नजारे उड़ीसा में भी कम नहीं। खासकर जब आप समुद्र से लगे उड़ीसा के तटों की खूबसूरती को निहारना चाहें और पहुंच जाएं चिल्का झील। यूं तो यह एक झील है, लेकिन क्षेत्रफल इतना बड़ा कि इसके दूसरे किनारे को ढूंढ़ने के लिए आपको झील में उतरना पड़े यानी बोटिंग से इसकी थाह ले सकते हैं। आखिर ऐसा क्यों न हो, जब क्षेत्रफल 1,100 वर्ग किलोमीटर हो। कहीं समुद्र के नीले पानी की रंगत तो कहीं हरे-भरे टापुओं की हरियाली का असर। पर्यटकों के बीच डॉलफिन के करतब लोकप्रिय हैं, वहीं झींगा व कई ऐसी मछलियां इन पर्यटकों के लंच और डिनर में प्रमुखता से शामिल होती हैं। चिल्का के आईलैंड भी पर्यटकों में खासे लोकप्रिय हैं। चार सीटों वाली बोट से लेकर 50 सीटों वाली बोट तक यहां उपलब्ध हैं। उड़ीसा टूरिज्म की ओर से यहां ठहरने की भी काफी अच्छी व्यवस्था की गई है। भुवनेश्वर से लगभग 104 किमी की दूरी पर स्थित चिल्का को एन्जॉय करने के लिए बेहतरीन समय अक्टूबर से जून के बीच होता है।

डल लेक, लहरों पर घर

डल लेक का तो नाम ही काफी है। देश की सबसे अधिक लोकप्रिय इस लेक को प्राकृतिक खूबसूरती के लिए तो दुनियाभर में जाना ही जाता है, यह लोगों की आस्था से भी जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में इस लेक के किनारे देवी दुर्गा की निवास स्थली थी और इस जगह का नाम था सुरेश्वरी। इस लेक को धरती के स्वर्ग के रूप में प्रसिद्ध जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर का गहना यूं ही नहीं कहा जाता। श्रीनगर की खूबसूरती को चरम पर पहुंचाने वाली इस लेक का क्षेत्रफल भी लगभग 18 वर्ग किलोमीटर है। इसकी लंबाई 15.5 किलोमीटर है और यह श्रीनगर के गले में हार की तरह दिखता है, जिस कारण इसे श्रीनगर का गहना भी कहा जाता है। लेक में तैरते हाउसबोट और शिकारे पर्यटकों को दुनिया से अलग शांति, सुकून और मनमोहक खूबसूरती से भरी एक ऐसी दुनिया में होने का अहसास कराते हैं, जिससे कभी दूर होने का मन न करे। यहां आकर आप हाउसबोट मे ठहरेंगे तो आपको 'सोचो कि झीलों का शहर हो, लहरों पर अपना एक घर हो...' गाना पीछे छूटता महसूस होगा। कश्मीर पहुंचने के लिए तमाम बड़े शहरों से विमान सेवाएं तो हैं ही, यहां की विंटर राजधानी जम्मू तक रेल सेवाएं भी बहुत अच्छी हैं।

लेक पिछौला – उदयपुर की शान

झीलों के शहर के नाम से प्रसिद्ध उदयपुर दुनियाभर के पर्यटकों में खासा लोकप्रिय है। इस शहर की हवेलियां और किले तो पर्यटकों में लोकप्रिय हैं ही, यहां की झीलें भी इस शहर को झीलों का शहर कहलाने का गौरव प्रदान करती हैं। खासकर पिछौला झील तो सर्वाधिक लोकप्रिय है। यहां से लौटने के वर्षों बाद खासकर इस नीली झील की खूबसूरती को भूल पाना आपके लिए संभव नहीं हो पाएगा। चार किलोमीटर लंबी और तीन किलोमीटर चौड़ी इस झील में जैसे एक पूरा संसार है। संसार भी ऐसा, जहां समय को एन्जॉय करने के तमाम साधन मौजूद हों। जी हां, इस झील में एक होटल है और आस्था से गहरे जुड़े प्रसिद्ध जग मंदिर भी। पिछौला गांव के नाम पर प्रसिद्ध यह झील आज जहां है, कभी उसका बड़ा हिस्सा पिछौला गांव था। महाराजा उदय सिंह ने शहर की स्थापना के बाद शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाने के उद्देश्य से यहां पहले से स्थित झील को बड़ा करवाया। उदयपुर पहुंच कर आप झील को देख कर रोमांचित तो होंगे ही, लहरों के बीच बने सुविधा सम्पन्न घर (होटल) में ठहर कर पानी के बीच बेहतरीन घर में ठहरने का आनन्द भी प्राप्त कर सकेंगे।

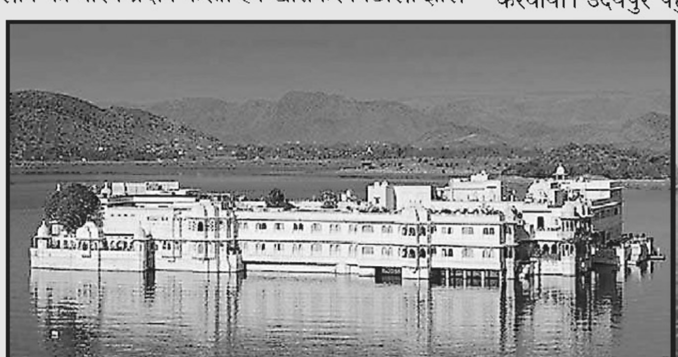

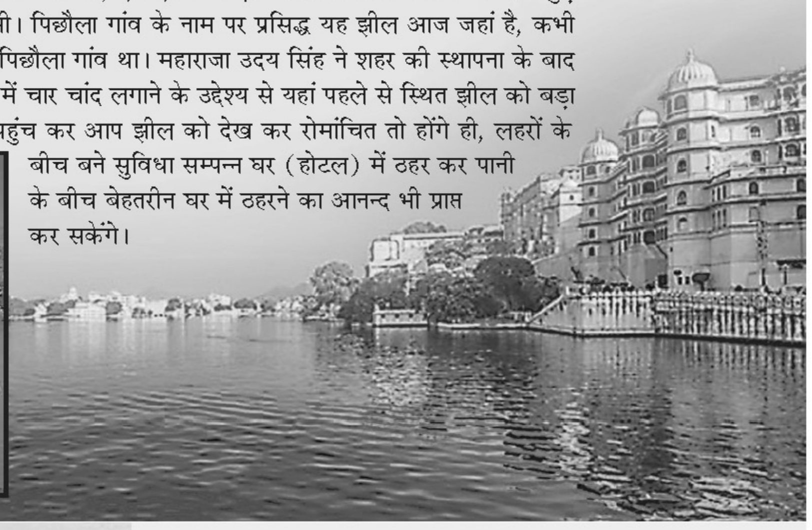

हुसैन सागर लेक खूबसूरत राष्ट्रीय धरोहर

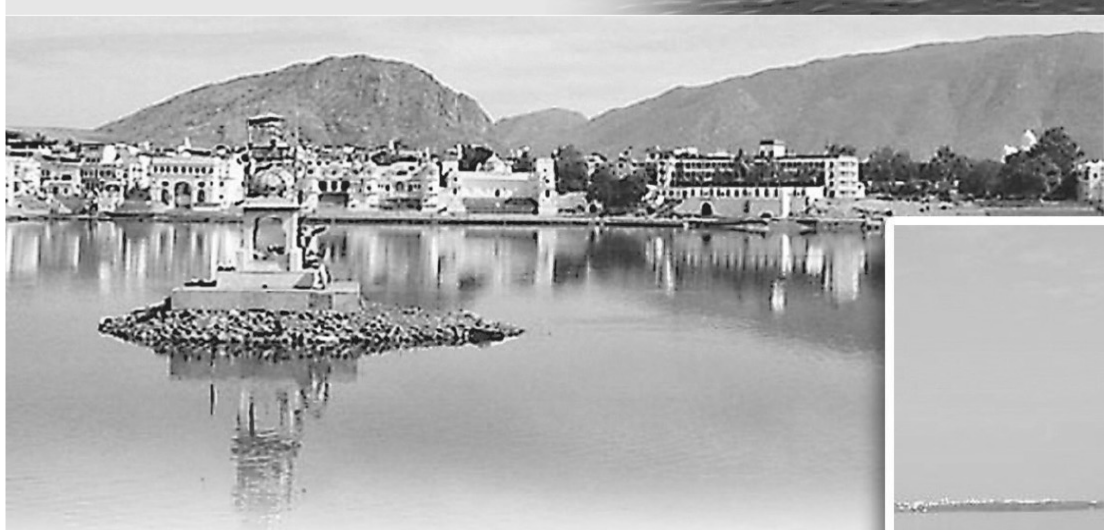

पुष्कर – ब्रह्मा के कमल से बनी पवित्र झील

राजस्थान में किले और ऐतिहासिक इमारतें तो बहुत हैं, एक ऐसी धार्मिक झील भी है, जिसे हर टूरिस्ट देखना चाहता है। पुष्कर में स्थित इस झील को पर्यटक पुष्कर झील के नाम से तो जानते ही हैं, इसे ब्रह्मा झील भी कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि यह झील ब्रह्माजी के कमल फूल से बनी है। राजस्थान के पुष्कर में हर वर्ष नवम्बर में लगने वाले मेले में जहां तरह तरह के सजे-संवरे ऊंटों की बड़ी संख्या होती है। लगभग दो किलोमीटर क्षेत्रफल में फैली इस लेक की सुंदरता इन पहाड़ियों से घिरे होने के कारण और बढ़ गई है। दिल्ली से लगभग 400 किमी और अजमेर से 11 किमी की दूरी पर स्थित इस धार्मिक लेक के बारे मान्यता है कि ब्रह्माजी के हाथ से यहां कमल गिरने के कारण इसका निर्माण हुआ। इस लेक के किनारे 52 स्नान घाट हैं। पुष्कर जाने के लिए दिल्ली से अजमेर के लिए रेल बस सेवाओं की कमी नहीं। अजमेर से यातायात के और भी साधन मिल जाते हैं और वहां ठहरने के लिए भी राजस्थान टूरिज्म की ओर से काफी व्यवस्था की गई है।

हैदराबाद सिटी के मध्य में 24 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुसैन सागर लेक की खूबसूरती ऐसी है कि एक नजर देख कर ही आप मोहित हो जाएं। इंसानों द्वारा निर्मित इस लेक को सरकार ने देश की बेहद खूबसूरत राष्ट्रीय धरोहरों में से एक घोषित किया हुआ है। इस लेक का निर्माण सुल्तान इब्राहिम कुतुब शाह ने 1562 में करवाया था। तब इस लेक का निर्माण ढाई लाख रुपए खर्च कर पीने के पानी के स्रोत के रूप में किया गया था, लेकिन नेशनल लेक कंजर्वेशन प्लान के तहत संरक्षित यह लेक अब आंध्र प्रदेश की वित्तीय व्यवस्था में अहम भूमिका निभाती है। यहां काफी संख्या में पर्यटक आते हैं। लेक के बीचोबीच स्थित 18 मीटर ऊंची भगवान बुद्ध की प्रतिमा एक तरह से इस लेक की खास पहचान बन चुकी है। हैदराबाद के लिए देश के तमाम बड़े शहरों से विमान सेवा और रेल सेवा भी उपलब्ध है।

नक्की लेक

राजस्थान के माउंट आबू में स्थित नक्की लेक यहां आने वाले पर्यटकों की खास पसंद बन जाती है। अनेक मंदिरों और आध्यात्मिक स्थलों के बीच स्थित इस लेक का महत्व इस कारण भी है, क्योंकि मान्यताओं के अनुसार इसकी खुदाई देवताओं ने अपने नाखूनों से की है। राजस्थान के एकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू जाएं और नक्की लेक न देख पाएं तो समझें कि आपने माउंट आबू को पूरा एन्जॉय किया ही नहीं। माउंट आबू की आध्यात्मिक और मनमोहक आबोहवा के बीच अनेक ऐतिहासिक मंदिर तो हैं ही, ऋषि-मुनियों और देवताओं की स्थली कही जाने वाली इस जगह पर देवताओं द्वारा तैयार यह लेक भी खूब लोकप्रिय है। यह लेक अरावली पर्वत सीरीज की पहाड़ियों के बीच बसी है, जिस कारण इसकी खूबसूरती सर चढ़ कर बोलती है। लगभग एक किलोमीटर लंबी और 500 मीटर चौड़ी यह लेक खूबसूरती की तमाम विशेषताओं के कारण आपकी नजरों में बसे बगैर नहीं रहती। बस, आप एक बार इस लेक के किनारे बने वॉकिंग ट्रैक पर घूम लें और खासकर शाम के समय किनारे पर बने रेस्तरां में खूब खाते-पीते हुए इस लेक को निहार लें। राजस्थान टूरिज्म द्वारा लेक के बीच में बनाया गया फाउंटेन भी इसके आकर्षण में वृद्धि करता है।

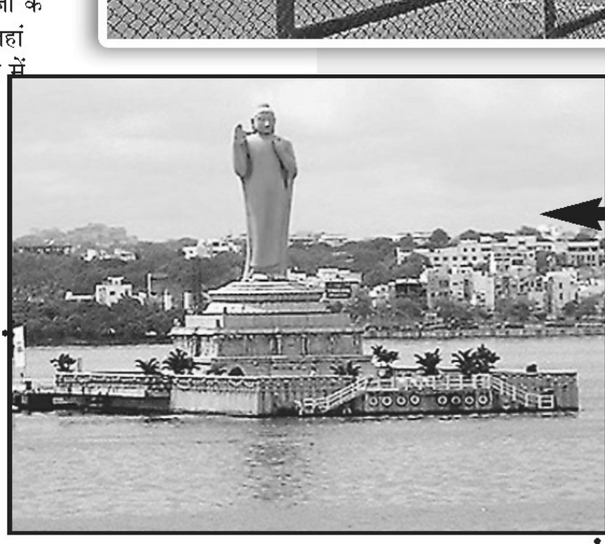

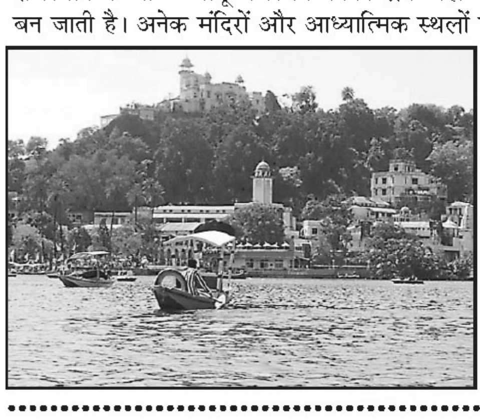

हिमाचल में निवास करते हैं दुनिया के आधे कलहंस

विश्व की सबसे बड़ी आर्द्रभूमियों में से एक हिमालय की तराई में निर्मित कृत्रिम आर्द्रभूमि पोंग डैम इस समय लगभग 43,000 कलहंसों का निवास स्थल है। वन्यजीव अधिकारियों का कहना है कि यह विश्व में कुल कलहंसों की लगभग आधी आबादी है, जो हिमाचल प्रदेश के पोंग डैम में आश्रय लिए हुए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि इस बार पोंग आर्द्रभूमि में पिछले वर्षों की अपेक्षा अधिक संख्या में कलहंस पहुंचे हैं। वन (वन्यजीव) के सहायक संरक्षक डीएस डडवाल के अनुसार, आर्द्रभूमि में रहने वाली पक्षियों की प्रजाति की गणना में लगभग 43,000 प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी का पता चला है। राज्य वन्यजीव विभाग ने 29 जनवरी को पोंग जलाशय में पक्षी गणना कराई थी।

कलहंसों के अलावा कांगड़ा घाटी स्थित पोंग जलाशय में सामान्य कूट पक्षी, पिनटेल, सामान्य एवं गुच्छेदार तथा लाल कलगी वाले पोचार्ड प्रजाति के बत्तख, सामान्य चैती, छोटे जलकाग, बड़ी कलगी वाले ग्रेब और भूरी टांगों वाले कलहंस जैसी प्रजाति के पक्षियों की मौजूदगी का पता चला है।

पक्षी गणना में 119 प्रजातियों के 1,28,200 पक्षियों की मौजूदगी का पता चला है। साथ ही भारतीय आर्द्रभूमि क्षेत्र में कम ही दिखने वाले सामान्य शेलडक, सारस क्रेन, मछलियों का शिकार करने वाले बाज (ओस्प्रे), बफ बेलीड पिपिट, भारत में पाया जाने वाला स्किमर और छोटा गुल आधि प्रजाति के पक्षियों की मौजूदगी का भी पता चला है।

डडवाल ने कहा कि पोंग डैम में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में कलहंस पक्षियों ने डेरा डाला है। कलहंस हर वर्ष सर्दियों में मध्य एशिया तथा तिब्बत और लद्दाख से यहां प्रवास पर आते हैं। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के सहायक निर्देशक एस. बालाचंद्रन का कहना है कि कलहंस पक्ष बड़ी संख्या में पोंग डैम की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

पोंग डैम आर्द्रभूमि क्षेत्र में स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की 421 प्रजातियां, सांपों की 18 प्रजातियां, तितलियों की 90 प्रजातियां, स्तनपाई जीवों की 24 प्रजातियां और मछलियों की 27 प्रजातियां पाई जाती हैं।

एशियाई ततैये बने फ्रांस के दुश्मन

करीब दस साल पहले वे चीन से मिट्टी के बर्तन की खेप के जरिए दक्षिण पश्चिम फ्रांस में पहुंचे। उसके बाद से तो उन्होंने आधे से अधिक देश में घुसपैठ कर दी। फ्रांस के इस दुश्मन का नाम एशियाई ततैया है। फ्रांस के कुछ इलाकों में एशियन हॉर्नेट (ततैया) या वेस्पा वेलुटिना निग्रीथोराक्स को जनता का दुश्मन माना जाता है। खतरनाक ततैये मधुमक्खियों को निगल जाते हैं और ये जैव विविधता के लिए खतरा हैं। कीट नियंत्रक एटिने रोमालिहा का काम अटलांटिक तट के लांडेस प्रांत में रोजाना इन ततैयों के 6 घोंसलों को नष्ट करना है। हर घोंसले में हजारों ततैये हो सकते हैं। आमतौर पर ये ततैये पेड़ों की ऊंची-ऊंची शाखाओं पर अपना घर बनाते हैं परंतु वे हर जगह मिल जाते हैं, -गार्डन शैड, लैटर बॉक्स, कार के रेडिएटर और पानी के डिब्बे में। एटिने इनको मारने के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल कर चुके हैं लेकिन वह पेड़ों की शाखाओं में फंस जाते हैं।

ड्रोन के इस्तेमाल के लिए परमिट मिलना आसान नहीं। वहीं एक मधुमक्खी पालक फ्रांसिस इथुरबरू इन खतरनाक ततैयों को मारने के लिए अलग हथियार का इस्तेमाल करते हैं। मुर्गी के चूजों को ततैये पसंद हैं और जब ततैये मधुमक्खियों पर हमला करते हैं तो वे चूजों का भी खाना बन जाते हैं।

मधुमक्खी के छत्ते के पास ततैये हैलीकाप्टर की तरह घूमते हैं जिससे उन्हें मधुमक्खियों पर हमले करने में आसानी होती है लेकिन ये भूखे चूजों के आसानी से शिकार हो जाते हैं। यह एक दिलचस्प प्रजाति है, वे जिस तरह से अपने घोंसले बनाते हैं वह अद्भुत है लेकिन वे एक समस्या बन गए हैं। 2012 में फ्रांस ने इस कीट को मधुमक्खी पालन के लिए हानिकारक करार दिया। एशियाई ततैये अब यूरोप में फैलते जा रहे हैं। वे स्पेन, पुर्तगाल और इटली तक भी पहुंच गए हैं। बैल्जियम में भी इनके नजर आने का दावा किया जा रहा है जहां अप्रैल में इन्हें ब्लैकलिस्ट में डाल दिया था। ब्रिटिश संसद की रिपोर्ट में कहा गया था कि इंगलिश चैनल को ये जानलेवा घुसपैठिए जल्द पार कर सकते हैं और ब्रिटिश तटों पर डेरा जमा सकते हैं। यह प्रजाति हर परिस्थिति में अपने आपको ढाल लेती है और करीब-करीब कहीं भी अपने आपको जिंदा रख लेती है। एशियाई ततैये अफगानिस्तान से लेकर भारत व चीन तक में पाए जाते हैं जो ततैयों की सर्वाधिक आक्रामक प्रजातियों में से एक हैं। ये यूरोपीय देशों के अलावा दक्षिण कोरिया में भी पहुंच चुके हैं। वहां भी ये अक्सर शहद तैयार करने वाली मधुमक्खियों पर हमला करते हैं और उन्हें मार डालते हैं। वैसे कई बार देखा गया है कि एशियाई ततैयों से बचने के लिए कुछ मधुमक्खियां इन्हें चारों तरफ से घेर कर एक गेंद-सी बना लेती हैं जिसके भीतर का तापमान 45 डिग्री तक पहुंच जाता है जिससे ततैया मर जाती है परंतु फिलहाल तो ये मधुमक्खियों के लिए ही बड़ा खतरा हैं।

आर अश्विन का दावा- रोहित शर्मा ने बिगाड़ी थी टॉम हार्टली की लय, पहले दो मैचों में...

नई दिल्ली.एजेंसी

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत इंग्लैंड ने मेजबान भारत के खिलाफ जीत के साथ की थी। हैदराबाद में इंग्लैंड की टीम को मिली जीत में अहम योगदान स्पिनर टॉम हार्टली का था। उन्होंने पहली पारी में 2 और दूसरी पारी में भारत के 7 बल्लेबाजों को चलता किया था। यहां तक कि वाइजैग टेस्ट मैच तक वे 14 विकेट निकाल चुके थे, लेकिन इसके बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी लय बिगाड़ने का काम किया। इस बारे में टीम इंडिया के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया है और बताया है कि रोहित ने कौन सा प्लान हार्टली के खिलाफ अपनाया था। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर सीरीज को लेकर बात करते हुए बताया, ÷टॉम हार्टली ने टेस्ट सीरीज की अच्छी शुरुआत की, फिर लय खो दी। इसके पीछे रोहित शर्मा एक बड़ा कारण थे। हार्टली की लाइन मिडिल एंड लेग पर थी, रोहित ने अपनी बल्लेबाजी रणनीति बदल दी और केवल लेग साइड पर स्कोर करने का इरादा किया। इससे उनकी लय खराब हो गई, वह वाइजैग में खेले गए दूसरे टेस्ट के बाद 14 या 15 विकेट निकाल चुके थे, लेकिन फिर बाकी सीरीज में उन्होंने 6 या 7 विकेट लिए और 21 विकेट के साथ सीरीज समाप्त की। हार्टली ने अगले तीन मैचों में 8 विकेट निकाले थे। रोहित शर्मा भी पहले दो मैचों में बड़ी पारियां नहीं खेल पाए थे, लेकिन अगले तीन मैचों में उन्होंने दो शतक और एक अर्धशतक जड़ा। इसी के दम पर भारत ने 1-0 से पिछड़ने के बाद 4-1 से टेस्ट सीरीज को अपने नाम किया। हार्टली पर अगले तीन मैचों में भारतीय बल्लेबाजों ने जमकर हमला किया। कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉम हार्टली से खूब गेंदबाजी कराई, लेकिन उनको भारतीय टॉप ऑर्डर ने विकेट नहीं दिए। यहां तक कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज भी भारतीय विकेटों पर परेशान हो गए, जबकि जसप्रीत बुमराह ने तीन मैचों में 17 विकेट निकाले थे। आखिरी मैच में उनको दो विकेट मिले।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी जायसवाल के काम आई सुनील गावस्कर की फटकार, लिटिल मास्टर ने किया खुलासा

नई दिल्ली.एजेंसी

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को भारत ने 4-1 से बड़े अंतर से जीता। 0-1 से सीरीज में पिछड़ने के बाद रोहित शर्मा एंड ब्रिगेड ने अगले 4 मुकाबले लगातार जीतकर अंग्रेजो को धूल चटाई। इस सीरीज में यशस्वी जयसवाल भारत के लिए सबसे बड़ी खोज बनकर उभरे, उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों को आड़े हाथों लेते हुए सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाए। पिछले साल अगस्त में डेब्यू मैच में शतक के साथ अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत करने वाले जयसवाल महान सुनील गावस्कर के बाद एक सीरीज में 700 से अधिक रन बनाने वाले मात्र दूसरे भारतीय बने हैं। गावस्कर ने यह कारनामा अपने करियर में 2 बार किया था।लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर गावस्कर ने यशस्वी जायसवाल को साउथ अफ्रीका दौरे पर डांट नहीं लगाई होती तो शायद यशस्वी ये उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते।

जी हां, टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने हाल ही में यह खुलासा किया कि उन्होंने जोहान्सबर्ग टेस्ट के दौरान जयसवाल को फटकार लगाई थी। अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने के महत्व के बारे में हमेशा मुखर रहने वाले गावस्कर ने होटल की लिफ्ट में जयसवाल को डांट लगाई जिसके बाद इस भारतीय बल्लेबाज में बदलाव आया।

गावस्कर ने हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत के दौरान कहा, यशस्वी को इतने सारे रन बनाते हुए और जिस तरह से उसने आक्रमण पर हावी होते हुए देखा, यह देखकर बहुत अच्छा लगा। मैंने त्रिनिदाद टेस्ट में 50 से अधिक के अच्छे स्कोर के बाद विकेट फेंकने के लिए दक्षिण अफ्रीका में पहले टेस्ट के पहले दिन होटल की लिफ्ट में उसे हल्की फटकार लगाई थी। मैंने उनसे कहा कि कभी भी गेंदबाजों पर कोई एहसान न करें। शुक्र है, उन्होंने मेरी बात सुनी और इस सीरीज में दो बड़ी डबल सेंचुरी लगाई।

इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी जायसवाल ने 89 की औसत के साथ कुल 712 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने दो दोहरे शतक जड़े। वह एक सीरीज में वीनू मांकड़ और विराट कोहली के बाद दो दोहरे शतक जड़ने वाले तीसरे भारतीय बने। इसके अलावा उन्होंने एक सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

मुंबई ने 42वीं बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब, फाइनल में विदर्भ को हराया

नई दिल्ली. मुंबई और विदर्भ के बीच रणजी ट्रॉफी 2024 का फाइनल मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। इस खिताबी मैच का नतीजा पांचवें दिन के दूसरे सेशन में निकला। मुंबई ने विदर्भ को 169 रनों के अंतर से हराया।

इसी के साथ मुंबई की टीम ने 42वीं बार रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। इस सीजन में मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे थे। रहाणे का बल्ला पूरे सीजन नहीं चला, लेकिन टीम को उन्होंने चैंपियन बना दिया। मुंबई के लिए फाइनल में हीरो मुशीर खान रहे, जिन्होंने दमदार शतक दूसरी पारी में जड़ा। वहीं, गेंदबाजी में तनुष कोटियान ने जलवा दिखाया। उन्होंने मैच में सात विकेट निकाले।

मुंबई की टीम को छठे विकेट के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा, लेकिन तनुष कोटियान ने उनको शतक के बाद lb2 आउट कर दिया। उन्होंने रिव्यू भी लिया, लेकिन ये काम नहीं आया। मुंबई को एक और बड़ी सफलता तुषार देशपांडे ने दिलाई। उन्होंने दूसरे बल्लेबाज हर्ष दुबे को चलता किया। काफी देर से वे शॉर्ट गेंदबाजी उनके खिलाफ कर रहे थे। इसी ट्रैप में उन्होंने हर्ष दुबे को 65 रन के निजी स्कोर पर फंसाया। तुषार देशपांडे ने सरवते को आउट किया और टीम को आठवीं सफलता दिलाई।तनुष कोटियान ने मुंबई को 9वीं सफलता दिलाई। उन्होंने यश ठाकुर को सस्ते में चलता किया और मुंबई को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। यहां से खिताब जीतने के लिए मुंबई को सिर्फ एक विकेट चाहिए। आखिरी सफलता मुंबई को धवल कुलकर्णी ने दिलाई। वे अपना आखिरी फर्स्ट क्लास गेम खेलने उतरे थे। इस तरह विदर्भ की टीम 368 रनों पर ढेर हो गई और मुकाबला 169 रनों के अंतर से हार गई।

विदर्भ की टीम ने पांचवें दिन की शुरुआत सधे हुए अंदाज में की। अक्षय वाडकर और हर्ष दुबे बल्लेबाजी कर रहे हैं। दोनों ने विकेट को संभाले रखा है। मुंबई की टीम छठे विकेट की तलाश में है, क्योंकि अब विदर्भ की टीम यहां से जीत के बारे में भी सोच सकती है। 80 रन से ज्यादा की साझेदारी इस विकेट के लिए हो चुकी है। हर्ष दुबे ने शानदार अर्धशतक पूरा किया। अक्षय वाडकर ने चौथे दिन ही अपनी फिफ्टी पूरी कर ली थी। स्कोर 330 के पार हो गया है।मैच के पांचवें दिन के पहले सेशन का खेल विदर्भ के नाम रहा। 248/5 से आगे खेलते हुए टीम ने 333 रन बना लिए हैं और अभी भी 5 ही विकेट गिरे हैं। अगले दो सेशन में टीम को 205 रन और बनाने हैं। विदर्भ की टीम ऐसा करने में सफल होती है तो खिताब जीत सकती है और करिश्मा कर सकती है। विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर ने सीजन का पहला शतक फाइनल में ठोका। उन्होंने 195 गेंदों में 9 चौके और 1 छक्के की मदद से शतक पर पहुंचे। रणजी ट्रॉफी के फाइनल में उनका ये दूसरा शतक है। वे पहले भी ऐसा कर चुके हैं। इस फाइनल मैच की बात करें तो मुंबई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 224 रन बनाए थे। इसके जवाब में विदर्भ की टीम पहली पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरी तो 105 रन बनाकर ढेर हो गई। इस तरह पहली पारी के आधार पर मुंबई की टीम को 119 रनों की बढ़त मिली थी। इसके बाद दूसरी पारी में मुंबई ने मुशीर खान के शतक, श्रेयस अय्यर, कप्तान अजिंक्य रहाणे और शम्स मुलानी के अर्धशतकों के दम पर 418 रन बनाए और विदर्भ के सामने 538 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। इसके जवाब में विदर्भ ने 5 विकेट खोकर 248 रन बना लिए हैं, लेकिन अभी जीत के लिए 290 रन और चाहिए।

हैरी ब्रूक का खुलासा, बताया IPL 2024 से हटने का असली कारण; बोले- मैंने ये मुश्किल फैसला...

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने आईपीएल 2024 के शुरू होने से कुछ दिन पहले लीग से अपना नाम वापस लेकर हर किसी को चौंका दिया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने इस दाएं हाथ के इस खिलाड़ी को 4 करोड़ रुपए की मोटी रकम खर्च कर नीलामी में खरीदा था। ब्रूक ने अब खुद पर्दा उठाते हुए बताया है कि क्यों वह आईपीएल 2024 से बाहर हुए। इस इंग्लिश बल्लेबाज ने बताया कि फरवरी में उनकी दादी का निधन हो गया था और इस दुख के समय में वह अपने परिवार के साथ रहना चाहते हैं।बता दें, ब्रूक ने संयुक्त अरब अमीरात में प्री-टूर ट्रेनिंग कैंप में भाग लेने के बाद जनवरी से मार्च तक भारत में इंग्लैंड की हालिया पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से भी नाम वापस ले लिया था। उन्होंने यूएई में ही टीम का साथ छोड़ दिया था और पहले मैच के लिए हैदराबाद नहीं आए थे।हैरी ब्रूक ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि मैंने आगामी आईपीएल में नहीं खेलने का बहुत कठिन निर्णय लिया है।

ऋषभ पंत की तरह श्रीलंकाई खिलाड़ी का हुआ भयंकर कार एक्सीडेंट, साथ में थे परिवार के लोग

नई दिल्ली.एजेंसी

अभी ऋषभ पंत को क्रिकेट फील्ड पर वापसी करता देख क्रिकेट प्रेमियों के चहरों पर मुस्कान लौटी ही थी कि एक और क्रिकेट के कार एक्सीडेंट की खबर सामने आई है। इस बार श्रीलंकाई पूर्व क्रिकेटर लाहिरू थिरिमाने कार एक्सीडेंट का शिकार बने हैं। बताया जा रहा है कि 14 मार्च को उनकी कार का भयंकर एक्सीडेंट हुआ था जिसमें उनके साथ उनका परिवार भी था। हालांकि क्रिकेटर को मामूली चोट आई है, वहीं परिवार भी सुरक्षित है। यह घटना अनुराधापुरा के थिरापन्ने इलाके में एक लॉरी से टकराने से हुई। जिस कार में थिरिमाने बैठे थे वह गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। कार की तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

लाहिरू थिरिमाने पिछले दिनों लीजेंड क्रिकेट ट्रॉफी 2024 खेल रहे थे। 11 मार्च को उन्होंने न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स के लिए 38 गेंदों पर 90 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया। इस अवॉर्ड को थिरिमाने ने अपने परिवार को समर्पित किया। इसके बाद वह 13 मार्च को पल्लेकेले में लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी में न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स के लिए खेले। 14 मार्च को वह अनुराधापुरा के थ्रिपाने में हुए एक्सीडेंट के बाद अस्पताल में भर्ती हैं।

बताया जा रहा है कि लाहिरू थिरिमाने अपने परिवार के साथ मंदिर जा रहे थे, जब उनकी कार का एक्सीटेंड हुआ।न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स ने एक बयान जारी करते हुए कन्फर्म किया है कि लाहिरू थिरिमाने और उनका परिवार मंदिर के दर्शन के दौरान कार एक्सीडेंट का शिकार हो गए।

एमएस धोनी अगर IPL 2025 भी खेलें तो हैरान मत होना, अनिल कुंबले बताया इसके पीछे का कारण

नई दिल्ली.एजेंसी

महेंद्र सिंह धोनी को लेकर कहा जा रहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके के कप्तान के लिए **IPL** का ये सीजन आखिरी है। **IPL**2024 के बाद वे इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व महान स्पिनर अनिल कुंबले का कुछ और ही मानना है। उन्होंने कहा है कि अगर वे आईपीएल के 2025 के सीजन में भी खेलें तो आप हैरान मत होना, क्योंकि वे वहां रहना चाहते हैं। धोनी इस समय आने वाली सीजन की तैयारी टीम के साथ कर रहे हैं। जयोसिनेमा पर लीजेंड्स लाउंज शो में सुरेश रैना ने एमएस धोनी को लेकर कहा, एमएस के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह आईपीएल से एक महीने या तीन हफ्ते पहले चेन्नई आते हैं। वह ह्यूमिड कंडीशन्स में लगभग दो से तीन घंटे तक बल्लेबाजी करते हैं और जिम ट्रेनिंग करते हैं। इस दौरान टीम में काफी जुड़ाव है और मुझे लगता है कि यह कुछ जादुई है। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए अनिल कुंबले ने एमएस धोनी की तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से कर दी। कुंबले ने कहा, मैं आईपीएल में एमएस के साथ कभी नहीं खेला। जब मैं भारतीय टीम में उनके साथ खेला तो सबसे पहले उन्होंने मुझे उठाया। मुझे लगता है कि हेवीवेट उठाने में वह सबसे मजबूत था। यह मेरे लिए एक शानदार पल था। मुझे याद है, जब मैं कोच था और वह कप्तान थे, हम एक दिवसीय खेल के लिए वैकल्पिक अभ्यास सत्र के लिए रांची में थे, उन्हें आने की जरूरत नहीं थी, क्योंकि रांची उनका गृहनगर है, लेकिन वह सत्र के लिए वहां थे।उन्होंने आगे बताया, मैंने धोनी से कहा कि आप क्या कर रहे हैं? अगले मैच से पहले हमारे पास अभी भी कुछ दिन हैं। उन्होंने कहा, नहीं, मैं बस टीम के आसपास रहना चाहता हूं। वह वैसे ही हैं, जैसे सचिन थे।

WTC फाइनल के वेन्यू में बदलाव चाहते हैं आर अश्विन, कहा- नरेंद्र मोदी स्टेडियम....

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के वेन्यू को लेकर सवाल उठाए हैं। इंग्लैंड दो बार टेस्ट क्रिकेट के वर्ल्ड कप फाइनल की मेजबानी कर चुका है, वहीं 2025 वह लगातार तीसरी बार इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इस कदम पर सवाल उठाते हुए, अश्विन ने सुझाव दिया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश को भी इस अहम मुकाबले की मेजबानी का मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम आईसीसी फाइनल के लिए बिल्कुल उपयुक्त होगा।आर अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, पिछले दो डब्ल्यूटीसी फाइनल इंग्लैंड में हुए थे। क्या हमें वेन्यू बदलना चाहिए? ऑस्ट्रेलिया या भारत में क्यों नहीं? हमारे पास विशाल नरेंद्र मोदी स्टेडियम है जो एक और महान फाइनल की मेजबानी की इंतजार कर रहा है। आप इसके बारे में क्या सोचते हैं? एक अन्य व्यक्ति ने टेबल टॉपर के घरेलू मैदान पर फाइनल खेलने का सुझाव दिया। यह भी एक अच्छा विचार है। लेकिन जून में ऑस्ट्रेलियाई मौसम थोड़ा सुस्त रहता है, इसलिए हमें इसके बारे में पता नहीं है।भारत ने अभी तक हुए दोनों डब्ल्यूटीसी फाइनल खेले हैं। पहली बार टीम इंडिया खिताबी जंग में न्यूजीलैंड से 2021 में भिड़ी थी, वहीं दूसरी बार उनका सामना 2023 में ऑस्ट्रेलिया से हुआ था। हालांकि दोनों ही बार टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। आर अश्विन को उम्मीद है कि भारत तीसरी बार भी फाइनल में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहेगा। मौजूदा डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में फिलहाल भारत पहले पायदान पर है।भारतीय स्पिनर ने आगे कहा, हमारे पास अभी भी दो घरेलू सीरीज और एक विदेशी सीरीज है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ भी ऐसा ही है। यह सब देखते हुए, मुझे लगता है कि एक और डब्ल्यूटीसी मुकाबला हमारा इंतजार कर रहा है। बेशक, हम एक बदलाव के दौर में हैं, इसलिए फिंगर क्रॉस्ड।

PSL 2024 के मैच में स्पाइडर कैम ने उड़ाए बाबर आजम के होश, रिऐक्शन था देखने लायक

PSL 2024 के मैच में स्पाइडर कैम ने पेशावर जाल्मी के कप्तान बाबर आजम के होश उड़ा दिए। उनका रिऐक्शन देखने लायक था। बाबर आजम के पास जैसे ही स्पाइडर कैम आया तो वे किसी बच्चे की तरह डर गए।

नई दिल्ली.एजेंसी

पेशावर जाल्मी के कप्तान बाबर आजम के साथ पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल के एक लीग मैच में एक अजीब घटना घटी। बाबर आजम मैदान पर एक समय पर इतना डर गए कि उनको पता नहीं चला कि उनके पास क्या आ गया। दरअसल, ये सब कराची किंग्स और पेशावर जाल्मी के बीच हुए मैच के दौरान हुआ, जब बाबर आजम फील्डिंग सेट कर रहे थे तो उसी समय स्पाइडर कैम उनके पास आ गया, जिसे देख वे किसी बच्चे की तरह डर गए। स्पाइडर कैम की हरकत ने बाबर आजम को डरा दिया, क्योंकि उनको लगा था कि किसी चीज से उन पर हमला हुआ है। जिस समय बाबर आजम के साथ ये घटना घटी, उस समय वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोवमैन पॉवेल उनके साथ खड़े थे। स्पाइर कैम बाबर आजम के पीछे थे, लेकिन जैसे-जैसे बाबर आजम आगे बढ़ रहे थे तो कैमरा भी आगे चल रहा था, लेकिन बाबर आजम रुक गए और कैमरा उनके चेहरे के पास आकर रुक गया, जिससे वे डर गए।

पीएसएल 2024 की बात करें तो पेशावर जाल्मी ने टूर्नामेंट के प्लेऑफ्स के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। पिछले मैच में पेशावर की टीम ने 2 रन से कराची किंग्स को हराया। ये मैच लो स्कोरिंग था। कप्तान बाबर आजम ने 46 गेंदों में 51 रन बनाए थे और रन आउट हो गए थे। पेशावर की टीम ने 6 विकेट खोकर 147 रन बनाए थे, जबकि इसके जवाब में कराची किंग्स 5 विकेट खोकर 20 ओवर में 145 रन बना पाई और 2 रन से मैच हार गई। बाबर आजम पाकिस्तान सुपर लीग में रन तो बना रहे हैं, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट सवालों के घेरे में रहा है। वे वर्ल्ड कप 2023 में भी रन नहीं बना पाए थे और इसके बाद से टीम के लिए किसी भी फॉर्मेट में बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। पीएसएल में उन्होंने एक शतक जड़ा है, लेकिन बाकी मैचों में भले ही उन्होंने अर्धशतक जड़ा, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 140 से भी कम का रहा। ये टीम के लिए चिंता का विषय रहा है।

रोहित शर्मा से मुंबई इंडियंस की कप्तानी छीनने पर बोले युवराज सिंह, मैं हार्दिक पांड्या को...

रोहित शर्मा वर्सेस हार्दिक पांड्या मुद्दे पर युवराज सिंह ने अपनी राय दी है। उनका कहना है कि वह रोहित शर्मा को एक और सीजन कप्तानी करना का मौका देते, वहीं हार्दिक पांड्या को टीम का उप-कप्तान बनाते।

नई दिल्ली.एजेंसी

आईपीएल 2024 के शुरू होने से बाजार इन बातों से गर्म है कि क्या मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा से कप्तानी छीन हार्दिक पांड्या को टीम की कमान सौंपकर सही किया? 2013 में पहली बार कप्तान बने हिटमैन ने एमआई को 5 बार खिताब जीताए हैं, वह एमएस धोनी के बाद आईपीएल के दूसरे ऐसे कप्तान हैं जिनकी अगुवाई में टीम 150 से अधिक मैच जीती है। वहीं हार्दिक पांड्या ने गुजरात जाएंट्स को पहले ही सीजन में चैंपियन बनाया था और दूसरे सीजन में उनकी टीम उप-विजेता रही थी। रोहित शर्मा वर्सेस हार्दिक पांड्या मुद्दे पर हर कोई अपनी राय दे रहा है। ऐसे में टीम इंडिया के पूर्व हरफनमौला युवराज सिंह ने अपनी राय दी है। उनका कहना है कि वह रोहित शर्मा को एक और सीजन कप्तानी करना का मौका देते, वहीं हार्दिक पांड्या को टीम का उप-कप्तान बनाते।

स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए युवराज सिंह ने कहा, शर्मा ने बतौर कप्तान 5 आईपीएल खिताब जीते हैं, उनको कप्तानी से हटाना एक बड़ा फैसला था। लेकिन अगर आप किसी भी खिलाड़ी को टीम में लाते हैं, जैसे कि हार्दिक आए...तो भी मैं एक और सीजन रोहित शर्मा को कप्तानी का मौका देता...वहीं हार्दिक को मैं टीम का उप-कप्तान बनाता और देखता कि पूरी फ्रेंचाइजी कैसे काम कर रही है।उन्होंने आगे कहा, ÷लेकिन अगर मैं फ्रेंचाइजी के नजरिए से देखूं तो वह फ्यूचर के बारे में सोच रहे हैं। लेकिन अगर रोहित भारत की कप्तानी कर रहे हैं और अच्छा खेल रहे हैं तो यह काफी बड़ा फैसला है। इसलिए मुझे लगता है कि हर किसी की अपनी-अपनी राय होती है, फ्रेंचाइजी अपने फ्यूचर को देखते हुए सही राय के साथ जाएगी। तो मुझे लगता है कि उनका सोचना यही था।

उम्मीद है कि वह बेहतर करेंगे।युवराज सिंह ने इस दौरान हार्दिक पांड्या के टैलेंट के बारे में भी बात की और कहा कि गुजरात की कप्तानी करने में और मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने में काफी फर्क होगा।युवी ने कहा, टैलेंट की बात करें तो उसमें (हार्दिक पांड्या) बहुत टैलेंट है। गुजरात की कप्तानी करना और मुंबई की कप्तानी करने में काफी फर्क है। यहां उम्मीदें काफी रहेगी। मुंबई इंडियंस आईपीएल में एक बड़ी टीम है, इसका प्रेशर आप पर हमेशा रहेगा। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें चारो ओर से सपोर्ट मिलेगा।

तमन्ना भाटिया
के साथ रिलेशन के बीच Vijay Varma का इस शादीशुदा एक्ट्रेस पर आया दिल, खुद किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड के लव बर्ड्स तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा की जोड़ी फैंस को काफी अट्रैक्ट करती है। लस्ट स्टोरीज 2 के बाद से इनकी डेटिंग की खबरें सामने आईं, जिसके बाद फैंस में इस कपल को लेकर दीवानगी बढ़ने लगी। विजय और तमन्ना की जोड़ी बॉलीवुड के हॉट कपल्स में से एक मानी जाती है।

मर्डर मुबारक को लेकर चर्चा में विजय वर्मा

इन दिनों विजय फिल्म मर्डर मुबारक को लेकर चर्चा में हैं। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की अपकमिंग मूवी है। सारा अली खान के साथ विजय वर्मा की रोमांटिक केमेस्ट्री इस मूवी में देखने को मिलेगी। इसका सिजलिंग ट्रेलर पहले ही जारी किया जा चुका है। फिल्म में विजय और सारा के अलावा 90 के दशक की लीडिंग एक्ट्रेस करिश्मा कपूर भी हैं।

इस एक्ट्रेस के प्यार में दीवाने हुए विजय वर्मा

विजय वर्मा ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म के प्रमोशन के साथ-साथ एक तरफा प्यार का भी खुलासा किया। यूट्यूबर सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में विजय ने अपने एक तरफा प्यार का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि करिश्मा कपूर के साथ उनकी अच्छी दोस्ती हो गई है। इसके पहले करीना के साथ जाने जान में काम किया था। विजय ने कहा कि करीना को लेकर उनका फेटल अट्रैक्शन, वन साइडेड लव है। उन्होंने कहा कि करिश्मा कपूर के साथ हैंगआउट कर चुके हैं। उनके बीच अच्छी दोस्ती हो गई है।

इस दिन रिलीज हो रही मर्डर मुबारक

नेटफ्लिक्स पर मर्डर मुबारक 15 मार्च को रिलीज हो रही है।

Orry ने राधिका मर्चेंट
संग किया गरबा डांस, वीडियो देख यूजर्स बोले- जेठालाल को भी पीछे छोड़ दिया

मार्च के शुरुआत में हुए अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग फंक्शन की चर्चा अभी तक जारी है।आए दिन इन इस इवेंट से जुड़ी नई-नई फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बुधवार को एक नया वीडियो सामने आया, जिसमें बॉलीवुड सेलेब्रिटी ओरी और राधिका मर्चेंटगरबा डांस करते नजर आ रहे हैं।

ओरी और राधिका का गरबा

इस वीडियो को ओरी ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें वह अंबानी परिवार की छोटी बहू राधिका मर्चेंट के साथ गरबा करते नजर आ रहे हैं। राधिका इस मौके पर गोल्डन कलर के ऑफ शोल्डर लहंगे में नजर आ रही है। वहीं ओरी कलरफुल मल्टी कलर ब्लेजर और पैंट में दिखाई दे रहे हैं।

यूजर्स कर रहे हैं कमेंट्स

ओरी और राधिका के इस वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, ओरी- एकदम डांडिया लागे छे। दूसरे यूजर ने लिखा- भाई ने जेठालाल को भी पीछे छोड़ दिया।

रणवीर-अर्जुन संग ओरी इससे पहले ओरी ने अर्जुन कपूर और रणवीर सिंह के साथ इस पार्टी का एक अनदेखा वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा था,रणवीर सिंह ने हाथ, लव प्लस फोटो के पीछे का कारण बताया। हां, आगे बढ़ते हुए हाथ, प्यार प्लस फोटो के पास एक स्कोरिंग सिस्टम होगा। मजाक कर रहा हूं।

तीन दिन चला था प्री-वेडिंग फंक्शन

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का प्री-वेडिंग समारोह 1 मार्च से 3 मार्च तक चला था। ओरी इस फंक्शन से लगातार तस्वीरें और वीडियो शेयर कर रहे हैं। बता दें कि ओरी का अंबानी परिवार से अच्छे संबंध है।

अगले साल भी भौकाल काटेंगे अजय देवगन, रिलीज होने जा रहा 140 करोड़ कमाने वाली पिक्चर का सीक्वल!

अजय देवगन के खाते में इस वक्त कई फिल्में हैं. तीन फिल्में इसी साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं. जबकि, एक आ भी चुकी है. 'शैतान' को लेकर वो कई दिनों से चर्चा में हैं. फिल्म ने अबतक ठीक-ठाक कमाई कर ली है. इसी बीच वो 5 साल पहले आई पिक्चर को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं. ये फिल्म है- दे दे प्यार दे. बीते दिनों पता लगा था कि, अजय देवगन की 2019 की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का सीक्वल आ रहा है. लव रंजन और भूषण कुमार की फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग इसी साल शुरू होने वाली है. अब रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है.पहले पार्ट में अजय देवगन के परिवार के एंगल से कहानी दिखाई गई थी. आयशा खुराना (रकुल प्रीत सिंह) को अजय के परिवार ने कैसे एक्सेप्ट किया. सबकुछ दिखाया गया था. अब दूसरे पार्ट में रकुल प्रीत सिंह के एंगल से पिक्चर की कहानी को रखे जाने की खबरें सामने आ रही हैं. फिल्म को बिना देरी किए जल्द ही रिलीज भी कर दिया जाएगा.

कब रिलीज होगी 'दे दे प्यार दे 2'

हाल ही में पिंकविला की एक रिपोर्ट सामने आई है. इसके मुताबिक, 'दे दे प्यार दे 2' के मेकर्स ने पिक्चर की रिलीज डेट लॉक कर ली है. किसी करीबी सोर्स से पता लगा है कि, 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. मेकर्स ने बड़ी प्लानिंग के साथ इस डेट को चुना है. दरअसल उस हफ्ते चार दिन का लंबा वीकेंड है. ऐसे में फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिलने की उम्मीद जताई जा रही है. ये एक फैमिली एंटरटेनर है, जो सभी उम्र के लोग देख सकते हैं.

फिलहाल अजय देवगन अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर बिजी हैं. जल्द ही वो 'सिंघम अगेन' की शूटिंग खत्म कर लेंगे. जिसके बाद इस फिल्म का काम शुरू करने वाले हैं. रिपोर्ट्स से पता लगा है कि, 'दे दे प्यार दे 2' इसी साल जून में फ्लोर पर आ रही है. तब तक एक्टर 'सिंघम अगेन' के अलावा 'रेड 2' की शूटिंग भी पूरी हो जाएगी. इस पिक्चर के लिए अजय देवगन भी काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं.

फ्लॉप करियर हिट करवाने के लिए अक्षय कुमार का बड़ा दांव, लेकर आ रहे हैं इन 4 फिल्मों के सीक्वल

शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान जैसे सितारे जो साल में सिर्फ एक या दो फिल्में ही रिलीज करते हैं, ऐसे में इकलौते अक्षय कुमार ऐसे एक्टर हैं, जो सालभर बड़े पर्दे पर छाए रहते हैं. हालांकि ये कतई जरूरी नहीं है कि उनकी सभी फिल्में हिट हों. लेकिन इस बात से अक्षय कुमार को कोई खास फर्क भी नहीं पड़ता है. खिलाड़ी कुमार पूरे साल एक साथ कई फिल्मों पर काम करते ही रहते हैं. उनकी झोली हमेशा 4-5 फिल्में रहती ही रहती हैं.इस वक्त भी अक्षय के पास पाइपलाइन में 10 फिल्में हैं. फिल्ममेकर फिरोज नाडियाडवाला अपने बैनर की हिट फिल्मों के सीक्वल बनाने की तैयारी कर रहे हैं. फिरोज की फिल्मों के सीक्वल की लिस्ट में हेरा फेरी, वेलकम और आवारा पागल दीवाना जैसी फिल्मों के नाम है. कमाल की बात ये है कि इन तीनों ही फिल्मों में अक्षय कुमार नजर आने वाले हैं और सभी पिक्चरों के पहले पार्ट में भी अक्की काम कर चुके हैं. चलिए जानते हैं अक्षय कुमार अपनी कौन-कौन सी कॉमेडी फिल्मों के सीक्वल लेकर आ रहे हैं.

हेरा फेरी 3

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की फिल्म हेरा फेरी को भला कौन ही भूल सकता है. इस फिल्म ने लोगों को खूब हंसाया था. फिल्म की मजेदार कहानी से लेकर डायलॉग्स तक, सब बेहद शानदार थे. तीनों एक्टर की एक्टिंग ने लोगों को पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर दिया था. साल 2006 में इस फिल्म का दूसरा पार्ट हेरा फेरी 2 भी आई थी. पिक्चर के दूसरे पार्ट ने भी लोगों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया था. 18 साल बाद अब हेरा फेरी 3 के चर्चे जोरों-शोरों से हो रहे हैं. बीच में खबरें ये भी आई थीं कि हेरा फेरी 3 में अक्षय की जगह कार्तिक आर्यन नजर आएंगे. हालांकि बाद में परेश रावल ने इन खबरों को महज अफवाह बताया था.

'वेलकम टू द जंगल'(वेलकम 3)

मोस्ट अवेटेड फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' जिसे लोग वेलकम 3 से भी जान रहे हैं, उसकी अनाउंसमेंट हो चुकी है. फिल्म का एक टीजर भी शेयर किया जा चुका है. इस पिक्चर में अक्षय कुमार के साथ कई सारे सितारे मौजूद हैं. फिल्म की स्टार कास्ट फिलहाल शूटिंग में बिजी चल रही है. अक्षय कुमार ने खुद इस फिल्म के बनने की बात को कंफर्म किया था, साथ में उन्होंने पिक्चर वेलकम के 16 साल पूरे होने पर एक वीडियो भी शेयर किया था. इस फिल्म को अहमद खान डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं, फिरोज नाडियाडवाला के पास 'वेलकम टू द जंगल' के प्रोडक्शन की जिम्मेदारी है.